सूर्योदय 6:32 सूर्यास्त 5:39

आज का तापमान

शिमला	10.5 न्यू	20.5 अधि
धर्मशाला	14.0 न्यू	22.5 अधि

बाजार

सेंसेक्स	73,123
निफ्टी	22,600

सोना 1,41,000 चांदी 1,94,000

भारतेन्दु शिखर

हिमाचल, चंडीगढ़, पंजाब, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली, जम्मू व उत्तराखंड में प्रसारित

आरएनआई नं. HPHIN/2000/02437 | शिमला | सोमवार, 26 अक्तूबर 2026 | 10 कार्तिक, विक्रमी संवत 2083 | वर्ष 28, अंक 180, कुल पृष्ठ 12 | मूल्य : 5 रुपए | info@bhartendushikhar.com | 8894677702

न्यूज शॉर्ट्स

वोट चोरी बर्दाश्त नहीं : राहुल गांधी



एजेंसी, नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने रविवार को एक्स पर पोस्ट कर कहा कि हमारे वोट चुराए जा रहे हैं और हम किसी भी हाल में इसे बर्दाश्त नहीं करेंगे। उन्होंने लिखा सवाल पूछने वालों पर लाठियां चलाई गई हैं। 1 नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में होने वाली विपक्ष की रैली में छात्र, किसान, मजदूर, महिलाएं, युवा और व्यापारियों को आना चाहिए। हरियाणा कांग्रेस प्रभारी संजय दत्त और प्रदेश अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह ने शनिवार को दावा किया कि पार्टी की रैली में 10 लाख से ज्यादा लोग शामिल होंगे। वहीं, चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री ने शनिवार को राहुल से इंडिया ब्लॉक की रैली टालने की अपील की है। संगठन ने दिवाली फेस्टिवल सीजन में 10 हजार करोड़ रुपए के व्यापारिक नुकसान की चेतावनी दी है।

जज के नाबालिग बेटे ने मर्सिडीज से टक्कर मारी स्कूटर सवार की मौत

एजेंसी, कोच्चि। केरलम के कोच्चि में शनिवार देर रात मर्सिडीज कार ने स्कूटर को पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में 55 साल के स्कूटर सवार की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक, कार चलाने वाला एडिशनल सेशन जज का बेटा है। उसकी उम्र 17 साल है। कार जज के नाम पर रजिस्टर्ड थी। हादसा रात 2 से 3 बजे के बीच हुआ। घटनास्थल के एक वीडियो में कार का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त दिखाई दिया। पीड़ित परिवार ने आरोप लगाया कि पुलिस स्टेशन में जब उन्होंने नाबालिग को कार चलाने देने पर सवाल उठाया, तो जज ने उनसे अपमानजनक लहजे में बात की। हादसे में जान गंवाने शख्स की पहचान जयबालकृष्णन के रूप में हुई है। वह करीब 30 साल से अपनी पत्नी मंजू के साथ सड़क किनारे खाने का स्टॉल चला रहे थे।

अमेरिका के फ्लोरिडा में स्टेडियम के पास फायरिंग, 12 घायल

एजेंसी, वॉशिंगटन। अमेरिका के फ्लोरिडा राज्य के तलहासी में शनिवार रात फुटबॉल स्टेडियम के पास फायरिंग में 12 लोग घायल हो गए। पुलिस के मुताबिक, घायलों में 6 बच्चे शामिल हैं। 3 लोगों की हालत गंभीर है, जबकि 9 की स्थिति स्थिर बताई गई है। मामले में अब तक किसी को गिरफ्तार नहीं किया गया है। पुलिस की शुरुआती जांच के मुताबिक, फायरिंग से पहले वहां छात्रों के बीच झगड़ा हुआ था। फुटबॉल मैच के बाद इलाके में भीड़भाड़ थी। तलहासी पुलिस प्रमुख लॉरेंस रेवेल ने बताया कि घटनास्थल पूरी तरह सुरक्षित होने से पहले ही पुलिस अधिकारियों ने घायलों को सुरक्षित जगह पहुंचाया और अस्पताल ले जाने में मदद की। उन्होंने बच्चों के घायल होने पर दुख जताया। यूनिवर्सिटी ने सोशल मीडिया पर बताया कि फायरिंग उसके कैंपस के पास हुई, लेकिन परिसर सुरक्षित है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। अधिकारी झगड़े की वजह और गोलीबारी में शामिल लोगों की पहचान करने में जुटे हैं। पुलिस ने लोगों से घटना से जुड़ी जानकारी शेयर करने की अपील की है।

आसमान में फाइटर विमानों की गर्जना से गूंजी काशी

पीएम मोदी ने वाराणसी में देखा एयरशो, वायुसेना के शो में 100 विमानों ने लिया हिस्सा



एजेंसी, वाराणसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को वायु सेना दिवस की 94वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में 'विंग्स ओवर गंगा' पर आयोजित एयर शो को देखा।

एयर शो के दौरान अपने सांसद एवं प्रधानमंत्री को अपने बीच मौजूद होने का एहसास एवं उत्साह नमो घाट अन्य सभी 84 गंगा घाटों तथा गंगा घाट की दूसरी तरफ रेती में मौजूद जन सैलाब में स्पष्ट देख जा रहा था। प्रधानमंत्री ने मिर्जामुराद के खोचवां में कपड़ा निर्माता कंपनी अरविंद लिमिटेड (अरविंद मिल्स) के लगभग 150 करोड़ रुपए की लागत से बने पहले मैन्युफैक्चरिंग प्लांट का शुभारंभ किया। इसके बाद नमो घाट पर वायु सेना दिवस की 94वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में 'विंग्स ओवर गंगा' पर आयोजित एयर शो को देखा। प्रधानमंत्री बाबतपुर एयरपोर्ट से हेलिकाप्टर से मिर्जामुराद के खोचवां पहुंचे। यहां अरविंद मिल का उद्घाटन किया तथा महिला कर्मियों से संवाद किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हेलीकाप्टर से पुलिसलाइन ग्राउंड के हेलीपैड पहुंचे और सड़क मार्ग द्वारा एयर फोर्स-डे एरियल डिस्प्ले-2026 में शामिल होने के लिए सड़क मार्ग से नमोघाट पहुंचे। इस पूरे मार्ग सहित 13 प्रमुख स्थानों पर काशीवासियों ने अपने सांसद एवं प्रधानमंत्री का भव्य किया। एयर शो शुरू होने से पहले झंडा, कैप लगाकर प्रधानमंत्री का सम्मान किया गया। इस दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह व उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ, केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री व प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य व ब्रजेश पाठक समेत विशिष्टजन मौजूद रहे। एयरशो में सूर्यकिरण विमानों के प्रदर्शन के साथ वाराणसी का एयर शो समाप्त हो गया। इसके पूर्व विमान के कॉकपिट से काशी के सभी लोगों के भारतीय वायुसेना की ओर से हार्दिक शुभकामना का संदेश भी गूंजा।

कोई भी लक्ष्य हमारी पहुंच से बाहर नहीं : एयरफोर्स चीफ



वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय वायुसेना ने पश्चिमी मोर्चे पर 1,200 किलोमीटर चौड़े और 200 किलोमीटर क्षेत्र में सटीक हमले किए। इससे साबित हुआ कि वायुसेना की पहुंच से कोई भी लक्ष्य बाहर नहीं है। उन्होंने कहा कि इस अभियान ने एक बार फिर दिखाया कि देश की सुरक्षा में वायुसेना की अहम भूमिका है। ऑपरेशन से एक सबक साफ है कि हमें हमेशा कई विकल्प अपने पास रखने चाहिए और दुश्मन की रणनीति बदलने पर तेजी से खुद को उसके मुताबिक ढालने में सक्षम होना चाहिए। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता किसी एक हथियार या विमान की वजह से नहीं मिली। इसमें सटीक खुफिया जानकारी, एक-दूसरे से जुड़े सैन्य नेटवर्क, दूर से हमला करने वाले हथियार, इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर, मजबूत वायु रक्षा प्रणाली और ड्रोन को रोकने की क्षमता ने मिलकर काम किया।

बंगाल की खाड़ी में उठा चक्रवाती तूफान 28 अक्तूबर को आंध्र तट से टकराएगा



एजेंसी, नई दिल्ली। बंगाल की खाड़ी में बना लो प्रेशर एरिया रविवार को चक्रवाती तूफान में बदल गया। इसे अर्नब नाम दिया गया है। इसके असर से ओडिशा, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, केरल, पुडुचेरी में भारी बारिश हो रही है। मौसम विभाग के मुताबिक, चक्रवाती तूफान 28 अक्तूबर को आंध्र प्रदेश के तट से टकरा सकता है। इस दौरान हवा की रफ्तार 115 से 125 किमी प्रति घंटा तक पहुंचने का अनुमान है।

आंध्र प्रदेश में 26 से 29 अक्तूबर तक भारी बारिश का अनुमान है। ओडिशा के गंजाम, गजपति, रायगढ़ा, कोरापुट और मलकानगिरी जिले में 28 और 29 अक्तूबर को सभी स्कूल-कॉलेज और आंगनबाड़ी केंद्र बंद करने के आदेश दिए गए हैं। पुडुचेरी में शनिवार रात से लगातार बारिश हो रही है। वहीं, तमिलनाडु में भारी बारिश के बीच इरोड जिले में रविवार को कोडिवेरी बांध पर लगातार दूसरे दिन पर्यटकों की एंट्री बंद रही। केरल में भी भारी बारिश से जनजीवन प्रभावित है। मलप्पुरम, कोझिकोड और वायनाड में रेड अलर्ट है। इन जिलों में शैक्षणिक संस्थानों और पर्यटन स्थलों को बंद रखने के आदेश दिए गए हैं।

◆तमिलनाडु-पुडुचेरी में तेज बारिश; ओडिशा के पांच जिलों में स्कूल-कॉलेज बंद

'मन की बात' कार्यक्रम जनभागीदारी का सशक्त माध्यम : रेखा

मुख्यमंत्री ने कहा- दिल्ली के गांवों में बुनियादी सुविधाओं के विकास को मिल रही गति



एजेंसी, नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने रविवार को बाहरी दिल्ली के खेड़ा कलां स्थित म्युनिसिपल काउंसिलर कार्यालय में स्थानीय नागरिकों के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम 'मन की बात' की 139वीं कड़ी सुनी।

कार्यक्रम के बाद उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम को देश के लिए प्रेरणा, सकारात्मकता और जनभागीदारी का सशक्त माध्यम है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री सहज और सरल भाषा में देश के अलग-अलग हिस्सों में आम नागरिकों, सामाजिक संगठनों और विभिन्न समुदायों द्वारा किए जा रहे उत्कृष्ट कार्यों को सामने लाते हैं। इससे न केवल इन प्रयासों को पहचान मिलती है, बल्कि अन्य लोगों को भी समाज और राष्ट्र के लिए कुछ बेहतर करने की प्रेरणा मिलती है।

◆सड़कों, पेयजल और सीवर व्यवस्था को बेहतर बनाना सरकार की प्राथमिकता

'मन की बात' के माध्यम से प्रधानमंत्री देश के 140 करोड़ नागरिकों को ऐसे प्रयासों से परिचित कराते हैं, जो समाज में सकारात्मक बदलाव ला रहे हैं। इस अवसर पर सांसद योगेंद्र चांदोलिया, विधायक राज करण खत्री सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति और स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि लंबे समय से दिल्ली के गांवों में टूटी सड़कों, बस सेवाओं की कमी, स्ट्रीट लाइट, चौपाल, सीवर और पानी की पाइपलाइन जैसी बुनियादी समस्याएं अनदेखी रही थीं। अब इनके समाधान के लिए तेजी से काम हो रहा है।

सरकार की प्राथमिकता गांवों को बेहतर सुविधाएं, मजबूत बुनियादी ढांचा और शहरों के समान विकास के अवसर देना है। पिछले एक वर्ष में विकास कार्यों को गति मिली है और इसका असर जमीन पर दिखने लगा है। उन्होंने बताया कि नरेला विधानसभा क्षेत्र में 400 करोड़ रुपए से अधिक के विकास कार्य हुए हैं। क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि भी जनता के संपर्क में रहकर स्थानीय समस्याओं के समाधान के लिए प्रयासरत हैं।

एसआईआर सॉफ्टवेयर की जानकारी देने से चुनाव आयोग का इनकार



एजेंसी, नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) के दौरान वोटर लिस्ट में गड़बड़ियां पहचानने के लिए इस्तेमाल किए गए सॉफ्टवेयर की जानकारी देने से इनकार कर दिया है। हिंदुस्तान टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, आयोग ने आरटीआई के जवाब में कहा- यह जानकारी ट्रेड सीक्रेट और इंटलेक्चुअल प्रॉपर्टी से जुड़ी है। इसे आरटीआई कानून के तहत सार्वजनिक नहीं किया जा सकता। आयोग ने यह भी साफ नहीं किया कि वोटर लिस्ट में गड़बड़ियां पहचानने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) या मशीन लर्निंग का इस्तेमाल किया गया था या नहीं।

आगामी पांच वर्षों में पर्यटन क्षेत्र में 15,000 करोड़ रुपए का निवेश करेगी प्रदेश सरकार : सीएम सुक्खू



अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा कि सरकार अगले पांच वर्षों में पर्यटन क्षेत्र के विकास पर 10,000 से 15,000 रुपए निवेश करने की योजना बना रही है।

प्रदेश में हाई-एंड पर्यटन को प्रोत्साहित करने के लिए सरकार विशेष प्रयास कर रही है। इसके तहत पर्यटन अधोसंरचना के विकास के साथ-साथ हवाई कनेक्टिविटी को सुदृढ़ करने पर विशेष बल दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री शिमला जिला के नालदेहरा स्थित गोल्फ कोर्स में 24 और 25 अक्तूबर को आयोजित कोटी गोल्फ कप-2026 टूर्नामेंट के समापन समारोह की अध्यक्षता कर रहे थे। इस प्रतियोगिता में 80 से अधिक खिलाड़ियों ने भाग लिया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने विजेता खिलाड़ियों को सम्मानित कर उन्हें ट्रॉफियां प्रदान की। मुख्यमंत्री ने कहा कि कांगड़ा हवाई अड्डे के विस्तार के लिए भूमि अधिग्रहण पर 3,000 करोड़ रुपए खर्च किए जा रहे हैं। इसके अतिरिक्त, राज्य सरकार प्रदेश में हवाई सेवाओं के संचालन को प्रोत्साहित करने के लिए व्यवहार्यता अंतर वित्तपोषण (वीजीएफ) के तहत 35 करोड़ रुपए उपलब्ध करवा रही है। उन्होंने कहा कि सरकार प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों को हेलिपोर्ट सुविधाओं से जोड़ने की दिशा में कार्य कर रही है। इसके साथ ही, शिमला से जोड़ने वाली हवाई सेवाएं शुरू करने के प्रयास भी किए जा रहे हैं, ताकि हवाई संपर्क बेहतर हो और पर्यटकों को आवागमन में अधिक सुविधा मिल सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि कांगड़ा हवाई अड्डे के विस्तार से बड़े विमानों का संचालन संभव हो सकेगा। इससे प्रदेश में पर्यटकों की आमद बढ़ेगी और हिमाचल प्रदेश में पर्यटन गतिविधियों को और अधिक प्रोत्साहन मिलेगा। मुख्यमंत्री ने सतत पर्यटन को प्रोत्साहित करने के लिए सरकार की पहलों को रेखांकित करते हुए कहा कि प्रदेश में 60 ईको-टूरिज्म साइट्स को लीज पर दिया गया है, जिससे राज्य के राजस्व में 22 करोड़ रुपए की आय हुई है। उन्होंने नालदेहरा गोल्फ कोर्स की सराहना करते हुए इसे प्रदेश के सबसे मनोरम गोल्फ स्थलों में से एक बताया।

पटना में 'मोदी नहीं जाएंगे' कहने वाले शख्स को पीटा

मल्लिकार्जुन खड़गे बोले- मोदी क्या, मोदी का बाप भी जाएगा



एजेंसी, पटना। पटना में रविवार को कांग्रेस के कार्यक्रम में हंगामा हो गया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे बापू सभागार में मोदी सरकार और उनकी नीतियों पर बोल रहे थे। तभी कांग्रेस का एक कार्यकर्ता उठकर बोला कि मोदी नहीं जाने वाले हैं। जब तक देश में विद्रोह नहीं होगा, मोदी सरकार नहीं हटेगी।

इस पर खड़गे गुस्सा होकर बोले- मोदी क्या उसका बाप भी जाएगा। यह बात उन्होंने 3 बार दोहराई। इसके बाद वहां मौजूद लोगों ने उस शख्स की पिटाई कर दी, जिसने कहा था- मोदी नहीं जाने वाले। मल्लिकार्जुन खड़गे पटना में बिहार के पहले मुख्यमंत्री डॉ. श्रीकृष्ण सिंह की 139वीं जयंती समारोह को संबोधित कर रहे थे।

कांग्रेस रोज अभद्रता की सीमाएं पार कर रही : शाह

गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने पीएम के पिताजी के बारे में अभद्र टिप्पणी कर सारी मर्यादाएं तार-तार कर दी हैं। यह पहली बार नहीं है, जब कांग्रेस पार्टी ने मोदी या उनके परिवार को अपशब्द कहे हों। कभी उनकी माताजी के विषय में अपशब्द कहे, कभी उन्हें 'मौत का सौदागर' कहा, तो कभी 'चायवाला' कहकर उनकी गरीबी का उपहास उड़ाया।

फ्रांस में प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज, 1000 गिरफ्तार

महंगाई के खिलाफ सड़कों पर उतरे लाखों लोग, पेरिस में पुलिस ने आंसू गैस छोड़ी



एजेंसी, पेरिस। फ्रांस में महंगाई, स्कूलों की बदहाली और पुलिस की सख्ती के खिलाफ शनिवार को लाखों लोग सड़कों पर उतर आए। पेरिस समेत कई शहरों में प्रदर्शनकारियों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी की।

पेरिस में मार्च के अंत में पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज किया और आंसू गैस छोड़ी। गृह मंत्रालय के मुताबिक, देशभर में करीब 1,000 लोगों को गिरफ्तार किया गया। सरकारी आकंड़ों के मुताबिक प्रदर्शनों में करीब 4 लाख लोग शामिल हुए। दूसरी तरफ ट्रेड यूनियनों ने 8 लाख लोगों के शामिल होने का दावा किया। पेरिस के अलावा लियोन, लिली, मॉन्टपेलियर, नांत और टूलूज में भी प्रदर्शन हुए। पुलिस ने इन शहरों में प्रदर्शनकारियों को मुख्य इलाकों तक पहुंचने से रोकने के लिए आंसू गैस छोड़ी। मार्सेई में भी पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़पें हुईं।

रिपोर्ट के मुताबिक, क्लेरमों-फेरां और टूलूज में कम से कम दो लोग गंभीर रूप से घायल हुए। हिंसा की आशंका को देखते हुए फ्रांस के शहरों में 70 हजार से ज्यादा पुलिसकर्मी तैनात किए गए थे। कई दुकानों के बाहर सुरक्षा के लिए लकड़ी के पटरे लगाए गए और कई संग्रहालय बंद रखे गए।

स्कूलों की बदहाली से शुरू हुआ आंदोलन

फ्रांस में यह आंदोलन सितंबर में हाईस्कूल के छात्रों के प्रदर्शन से शुरू हुआ था। छात्र स्कूलों में शिक्षकों की कमी, जर्जर इमारतों, छतों से पानी टपकने और भीड़भरी कक्षाओं में पर्याप्त कुर्सियां नहीं होने के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे थे। धीरे-धीरे इस आंदोलन में शिक्षक, अभिभावक और ट्रेड यूनियन भी शामिल हो गए। प्रदर्शनकारियों ने स्कूलों की हालत सुधारने के साथ महंगाई और सरकार की सख्त पुलिस व्यवस्था का मुद्दा भी उठाया। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि सरकार उनकी मांगों पर बातचीत करने के बजाय पुलिस के जरिए आंदोलन दबाने की कोशिश कर रही है।

दो बड़े संघर्षों की कीमत चुका रही दुनिया भारत की आवाज है वैश्विक भावना : जयशंकर



एजेंसी, नई दिल्ली। विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने रविवार को कहा है कि दुनिया आज दो बड़े संघर्षों यूक्रेन और पश्चिम एशिया में उलझी है और इसकी सबसे बड़ी कीमत वे समाज और अर्थव्यवस्थाएं चुका रही हैं, जिनका इन संघर्षों से कोई लेना-देना नहीं है, ऐसे में हम असहाय दर्शक बनकर नहीं रह सकते।

भारत संवाद और कूटनीति पर बल देकर असल में वैश्विक भावना को व्यक्त करता है और इस दिशा में अन्य साझेदारों के साथ काम करने के लिए तत्पर हैं। चिन्मय अमृत महोत्सव ग्लोबल सम्मेलन को संबोधित करते हुए जयशंकर ने आज कहा कि जटिल आपूर्ति श्रृंखलाओं, वैश्वीकृत बाजारों और साझा संसाधनों के युग में दुनिया आधी समृद्ध और आधी वंचित रहकर प्रगति नहीं कर सकती। यह निरंतर अस्थिरता बनाए रखने का ही माध्यम है। मंत्री ने अपने वक्तव्य में आतंकवाद को शांति के लिए घातक खतरा बताया और कहा कि कुछ देश आज भी राजनीतिक गणना को प्राथमिकता देते हैं। उन्होंने कहा कि राज्य की नीति के हथियार के रूप में इसका इस्तेमाल अस्वीकार्य है। इसे कभी भी उचित नहीं ठहराया जा सकता। जयशंकर ने कहा कि दुनिया को इस साझा खतरे के प्रति अधिक जागरूक होना होगा और आतंकवाद के सभी रूपों के खिलाफ मजबूत संकल्प के साथ एकजुट होना होगा।

भारत ने वैश्विक पटल पर अपनी आर्थिक शक्ति का लिखा नया अध्याय : सीएम योगी

देश को अलगाववाद में झोंकने का षड्यंत्र



मुख्यमंत्री ने लिखा कि आज जब विश्व के अनेक हिस्से हिंसा और अस्थिरता से जूझ रहे हैं, तब भारत लोकतांत्रिक स्थिरता, आर्थिक प्रगति और सांस्कृतिक चेतना के साथ निरंतर आगे बढ़ रहा है, ऐसे समय में संकीर्ण मानसिकता वाली कुछ राजनीतिक ताकतें सत्ता के स्वार्थ में देश को अस्थिरता, अराजकता और अलगाववाद की भट्टी में झोंकने का षड्यंत्र रच रही हैं। वे राष्ट्रीय हितों को ताक पर रखकर वैश्विक मंचों पर भारत की छवि धूमिल करने का निरंतर प्रयास कर रही हैं।

एजेंसी, वाराणसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी व निर्णायक नेतृत्व में भारत ने वैश्विक पटल पर अपनी आर्थिक शक्ति का नया अध्याय लिखा है। आज भारत विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में अग्रणी है।

देश आत्मनिर्भरता, नवाचार तथा विकास के नए प्रतिमान स्थापित कर रहा है। राष्ट्र प्रथम की भावना के साथ 'नए भारत' में लोकतंत्र की जड़ें और मजबूत हुई हैं। मुख्यमंत्री योगी ने रविवार को अपने अधिकृत सोशल मीडिया प्लेटफार्म 'एक्स' पर लिखा कि 'नए भारत' में नीति-निर्माण के केंद्र में आम जनता है, गरीब कल्याण शासन की प्राथमिकता है, अंत्योदय आत्मनिर्भरता का आधार है और जनभागीदारी विकास को जन-आंदोलन का रूप दे रही है। आस्था, अस्मिता और आत्मविश्वास से परिपूर्ण नए भारत में सामाजिक न्याय, नारी सशक्तीकरण, डिजिटल नवाचार और आर्थिक समृद्धि की संभावनाएं साकार हो रही हैं। विकास की यह यात्रा जनाकांक्षाओं को अवसरों में बदलते हुए राष्ट्र की सामर्थ्य को निरंतर विस्तार दे रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इन चुनौतियों के बावजूद भारत अपने विकास के लक्ष्य के प्रति अडिग संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है। इस राष्ट्रीय यात्रा में उत्तर प्रदेश अपनी विशाल कृषि क्षमता, विस्तृत होते औद्योगिक आधार, आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर और युवा शक्ति के सामर्थ्य के बल पर कृषि से विनिर्माण, निवेश से रोजगार सृजन तक, हर क्षेत्र में प्रगति को गति दे रहा है और 'विकसित भारत' के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

बढ़ावा आदि कैलाश परिक्रमा रन-2.0 में मुख्यमंत्री धामी ने लिया हिस्सा, विजेताओं को किया पुरस्कृत

उत्तराखंड में अगले वर्ष मई में होगी 100 माइल्स हिमालयन एंड्योरेंस अल्ट्रा रन



एजेंसी, पिथौरागढ़। उत्तराखंड सरकार अगले वर्ष मई के प्रथम सप्ताह में '100 माइल्स हिमालयन एंड्योरेंस अल्ट्रा रन' का आयोजन करेगी। यह दौड़ करीब 5,600 मीटर की ऊंचाई पर स्थित माणा पास से शुरू होकर बदरीनाथ और जोशीमठ होते हुए औली पहुंचेगी।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को पिथौरागढ़ जिले के गुंजी में आयोजित आदि कैलाश परिक्रमा रन-2.0 में प्रतिभाग करते हुए इसकी घोषणा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि साहसिक खेलों के आयोजन सीमांत क्षेत्रों में पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा देने के साथ स्थानीय लोगों के लिए रोजगार और स्वरोजगार के नए अवसर पैदा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। राज्य सरकार सीमांत क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं के विकास और स्थानीय आजीविका को मजबूत करने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री धामी ने 70 किलोमीटर और 42 किलोमीटर की दौड़ के विजेताओं को पुरस्कृत किया। उन्होंने देश के विभिन्न राज्यों से पहुंचे धावकों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि आदि कैलाश परिक्रमा रन केवल एक खेल प्रतियोगिता नहीं, बल्कि शारीरिक क्षमता, दृढ़ इच्छाशक्ति, साहस और संकल्प की परीक्षा है। उन्होंने कहा कि अत्यधिक ऊंचाई, दुर्गम पहाड़ी रास्तों और तेजी से बदलते मौसम के बीच ऐसी प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेना चुनौतीपूर्ण होता है। इसके बावजूद धावकों का उत्साह और भागीदारी साहसिक खेलों के प्रति बढ़ते आकर्षण को दर्शाती है।

इस अवसर पर लोगों ने मुख्यमंत्री को पारंपरिक पगड़ी 'बैंटिलो' और पुरुष परिधान 'रंगा' पहनाकर उनका स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने आयोजन को सफल बनाने में सहयोग के लिए भारतीय सेना, भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) और सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) के अधिकारियों एवं जवानों का आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने बताया कि पिछले वर्ष नवंबर में आयोजित आदि कैलाश परिक्रमा रन के पहले संस्करण में 700 से अधिक धावकों ने भाग लिया था। इस आयोजन के बाद क्षेत्र के प्रति पर्यटकों और साहसिक खेल प्रेमियों का आकर्षण बढ़ा है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2025 में आदि कैलाश क्षेत्र के लिए करीब 36,500 इनर लाइन परमिट जारी किए गए थे, जबकि इस वर्ष इनकी संख्या बढ़कर 67,000 से अधिक हो गई है। मुख्यमंत्री के अनुसार, यह सीमांत क्षेत्रों में पर्यटन गतिविधियों के विस्तार का संकेत है।

सीमांत क्षेत्रों की सुरक्षा व सांस्कृतिक विरासत में स्थानीय निवासियों की अहम भूमिका

मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सीमांत गांवों को देश के अंतिम नहीं, बल्कि पहले गांव के रूप में विकसित करने की परिकल्पना पर जोर देते रहे हैं। सीमांत क्षेत्रों के निवासी देश की सुरक्षा और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि इन क्षेत्रों में पर्यटन का विस्तार स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूत करने का प्रभावी माध्यम बन सकता है। आदि कैलाश परिक्रमा रन जैसे आयोजनों से होमस्टे, पर्यटन गाइड, परिवहन, खानपान और अन्य सेवाओं की मांग बढ़ती है। इससे स्थानीय लोगों के लिए आय के नए अवसर पैदा होते हैं और 'वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम' के उद्देश्यों को आगे बढ़ाने में मदद मिलती है।

खेल महाकुंभ 2026 का बनूटी में शुभारंभ

सुन्नी में 15 नवंबर को होगा समापन, पहली बार प्रतियोगिताओं में शामिल की गई बॉक्सिंग

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। लोक निर्माण एवं शहरी विकास मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने रविवार को शिमला ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के बनूटी में खेल महाकुंभ 2026 का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि विकास कार्यों के साथ सामाजिक दायित्वों का निर्वहन करना भी जनप्रतिनिधियों की जिम्मेदारी है। खेल महाकुंभ का उद्देश्य युवाओं, महिलाओं और बुजुर्गों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के लिए मंच उपलब्ध करवाना है। लगभग 20 दिनों तक चलने वाले इस आयोजन का समापन 15 नवंबर को सुन्नी में होगा। इसमें करीब 9,500 से 10,000 प्रतिभागियों के विभिन्न खेलों एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं में भाग लेने की उम्मीद है।

विक्रमादित्य सिंह ने बताया कि खेल महाकुंभ में कबड्डी, वॉलीबॉल, बैडमिंटन, क्रिकेट और रस्साकशी सहित विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। इसके अतिरिक्त फैशन शो, मॉडलिंग, म्यूजिकल चेयर और लोक नृत्य जैसी गतिविधियां भी होंगी। इस वर्ष पहली बार बॉक्सिंग को भी शामिल किया गया है, जिसके परिचयात्मक मुकाबलों में स्कूल और कॉलेज के विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा। उन्होंने आयोजन समिति, रेफरी और अंपायरों को सभी मुकाबले निष्पक्ष एवं पारदर्शी तरीके से करवाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रतियोगिताओं में किसी भी प्रकार का पक्षपात बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और खिलाड़ियों को खेल भावना तथा अनुशासन के साथ भाग लेना चाहिए।

विक्रमादित्य सिंह ने कहा कि हिमाचल के हितों की रक्षा के लिए राज्य और केंद्र सरकार के समक्ष प्रदेश के मुद्दों को मजबूती से उठाया जाएगा। उन्होंने कहा कि राजनीतिक मतभेदों से ऊपर उठकर विकास कार्यों में सभी का सहयोग लिया जाएगा।



खेल महाकुंभ में कबड्डी से मॉडलिंग तक, प्रतिभाओं को मिलेगा अवसर।

- 107 एमएलडी तक बढ़ेगी पेयजल आपूर्ति क्षमता

चार वर्षों में 600 करोड़ के विकास कार्य : विक्रमादित्य

मंत्री ने कहा कि पिछले चार वर्षों में शिमला ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र में लगभग 600 करोड़ रुपये के विकास कार्य करवाए गए हैं। वहीं, लोक निर्माण एवं शहरी विकास विभागों के माध्यम से प्रदेश में करीब 10 हजार करोड़ रुपये के विकास कार्य किए गए हैं। उन्होंने कहा कि शिमला ग्रामीण को विकास, सामाजिक उत्थान और बुनियादी सुविधाओं के मामले में प्रदेश का अग्रणी विधानसभा क्षेत्र बनाना उनका लक्ष्य है। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय राजा वीरभद्र सिंह के योगदान को याद करते हुए कहा कि उनके कार्यकाल में क्षेत्र में लगभग 1,500 करोड़ रुपये के विकास कार्य हुए। डॉ. यशवंत सिंह परमार, ठाकुर रामलाल और राजा वीरभद्र सिंह की विकासवादी सोच से प्रेरणा लेकर क्षेत्र को आगे बढ़ाना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

दिल्ली पहुंचे विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप पठानियां

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानियां 26 और 27 अक्टूबर को नई दिल्ली में आयोजित होने वाले 12वें ब्रिक्स संसदीय मंच में भाग लेने के लिए दिल्ली पहुंच गए हैं। इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन संसद भवन में किया जा रहा है। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने उन्हें सम्मेलन में भाग लेने के लिए विशेष रूप से आमंत्रित किया है। पठानियां 26 अक्टूबर को मंच पर अपना संबोधन देंगे। सम्मेलन का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 26 अक्टूबर को सुबह 10:30 बजे करेंगे, जबकि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला इसकी अध्यक्षता करेंगे। इस वर्ष सम्मेलन का मुख्य विषय 'जनकेंद्रित विकास के लिए संसद को बढ़ावा देना' है। इसमें बदलती वैश्विक परिस्थितियों में संसदों की भूमिका, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डिजिटल तकनीकों को मानव केंद्रित बनाने, वैश्विक शासन व्यवस्था को अधिक प्रतिनिधित्वपूर्ण बनाने तथा सतत एवं समावेशी विकास जैसे विषयों पर चर्चा होगी।

हिमाचल को केंद्र की सौगात 320 नई पीजी सीटों को मंजूरी

अनिल कुमार शर्मा,भारतेन्दु संवाददाता

- नड्डा की पहल से हिमाचल में चिकित्सा शिक्षा के विस्तार को बल
- प्रदेश के युवाओं को अपने राज्य में मिलेंगे उच्च चिकित्सा शिक्षा के अधिक अवसर

शिमला। केंद्र सरकार ने हिमाचल प्रदेश के छह सरकारी मेडिकल कॉलेजों में 320 नई स्नातकोत्तर (पीजी) मेडिकल सीटों को मंजूरी दी है। इस निर्णय से प्रदेश के मेडिकल विद्यार्थियों को अपने राज्य में विशेषज्ञ चिकित्सा शिक्षा प्राप्त करने के अधिक अवसर मिलेंगे। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा की पहल पर लिए गए इस निर्णय के तहत केंद्र सरकार लगभग 415 करोड़ रुपये का अनुदान प्रदान करेगी। इससे चिकित्सा शिक्षा की सुविधाओं का विस्तार होने के साथ भविष्य में विशेषज्ञ चिकित्सकों की उपलब्धता बढ़ाने में मदद मिलेगी।

स्वीकृत सीटों में शिमला मेडिकल कॉलेज के लिए 91, टांडा और हमीरपुर के लिए 57-57, मंडी के लिए 55, नाहन के लिए 32 तथा चंबा के लिए 28 सीटें शामिल हैं। इनसे विभिन्न चिकित्सा विशेषज्ञताओं में शिक्षा और प्रशिक्षण की सुविधाएं मजबूत होंगी। हिमाचल की भौगोलिक परिस्थितियों को देखते हुए यह निर्णय महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इससे पहाड़ी, ग्रामीण और दूरदराज क्षेत्रों में विशेषज्ञ स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बेहतर बनाने में सहायता मिलने की उम्मीद है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा के अनुसार, हिमाचल सरकार से 23 जून 2026 को 320 सीटों का प्रस्ताव मिला था। केंद्र सरकार ने लगभग चार महीने में सभी प्रस्तावित सीटों को मंजूरी प्रदान कर दी। उन्होंने राज्य सरकार से आवश्यक प्रक्रियाएं समयबद्ध तरीके से पूरी कर सीटें शुरू करने का आग्रह किया है, ताकि विद्यार्थियों को जल्द लाभ मिल सके। केंद्र सरकार ने अगले पांच वर्षों में देशभर में 15,000 करोड़ रुपये की लागत से 10,000 नई स्नातक और स्नातकोत्तर मेडिकल सीटें बढ़ाने की योजना को भी मंजूरी दी है। हिमाचल के लिए यह स्वीकृति चिकित्सा शिक्षा के विस्तार और विशेषज्ञ स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

एसआईआर पर भ्रम फैलाने की विपक्ष की साजिश सफल नहीं होगी : त्रिलोक कपूर

अनिल कुमार शर्मा,भारतेन्दु संवाददाता

- लोकतांत्रिक संस्थाओं पर भ्रम फैलाने का आरोप, कांग्रेस पर बरसे कपूर
- निष्पक्ष चुनाव के लिए मतदाता सूची का शुद्धिकरण जरूरी : कपूर

शिमला। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ प्रदेश प्रवक्ता त्रिलोक कपूर ने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर कांग्रेस और वामपंथी दलों पर भ्रम फैलाने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि विपक्षी दल संवैधानिक संस्थाओं की विश्वसनीयता पर सवाल उठाकर देश में राजनीतिक अस्थिरता पैदा करने का प्रयास कर रहे हैं, लेकिन उनके मंसूबे सफल नहीं होंगे। लोकतांत्रिक व्यवस्था को कमजोर करने की किसी भी कोशिश का देश की जनता जवाब देगी।

त्रिलोक कपूर ने आरोप लगाया कि विपक्ष के कुछ नेता भारत में बांग्लादेश और श्रीलंका जैसी राजनीतिक परिस्थितियां पैदा करने की बात कर रहे हैं, जो चिंताजनक है। उन्होंने कहा कि भारत में सत्ता परिवर्तन का एकमात्र संवैधानिक रास्ता जनता का जनादेश है। किसी भी राजनीतिक दल को लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति अविश्वास पैदा नहीं करना चाहिए।

एसआईआर का समर्थन करते हुए कपूर ने कहा कि निष्पक्ष चुनाव के लिए मतदाता सूची का शुद्ध होना आवश्यक है। प्रत्येक पात्र भारतीय नागरिक का नाम सूची में शामिल होना चाहिए, जबकि अपात्र नामों की कानून के अनुसार जांच होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि किसी भी गैरकानूनी घुसपैठिए को मतदान का अधिकार नहीं मिलना चाहिए।

कपूर ने कांग्रेस से सवाल किया कि मृत, स्थानांतरित और दोहरे पंजीकरण वाले मतदाताओं के नामों की पहचान कर नियमानुसार सुधार करने पर आपत्ति क्यों होनी चाहिए। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि पुनरीक्षण प्रक्रिया में किसी पात्र नागरिक का मतदान अधिकार प्रभावित नहीं होना चाहिए। चुनाव आयोग को पारदर्शिता, उचित सूचना और अपील का अवसर सुनिश्चित करना चाहिए। उन्होंने कहा कि भाजपा संविधान, लोकतंत्र और निष्पक्ष चुनाव व्यवस्था की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है।

सर्दियों के चारे के लिए जुन्गा में घास कटाई का काम तेज

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। सर्दियों में पशुओं के लिए पर्याप्त चारे का भंडारण करने के उद्देश्य से शिमला के जुन्गा क्षेत्र के ग्रामीण इलाकों में इन दिनों घास कटाई का काम युद्धस्तर पर चल रहा है। ग्रामीण महिलाएं सुबह से शाम तक घासनियों में घास काटने और उसे एकत्रित करने में जुटी हैं, ताकि आगामी चार महीनों में बर्फबारी और बारिश के दौरान पशुओं के चारे की कमी न हो। इस पारंपरिक काम में अब घास काटने वाली मशीनों का इस्तेमाल भी बढ़ने लगा है, जिससे महिलाओं को कुछ राहत मिली है। हालांकि, घास को बांधने और घर तक ढोने की जिम्मेदारी अभी भी काफी हद तक महिलाओं पर ही है। प्रगतिशील किसान दया राम वर्मा, दौलत राम मेहता और प्रीतम सिंह ठाकुर ने बताया कि अक्तूबर और नवंबर में ग्रामीण परिवारों की व्यस्तता बढ़ जाती है। घास कटाई के साथ मक्की और दलहन की फसलों को समेटने का काम भी किया जाता है। पहले महिलाएं एक-दूसरे की घासनियों में सामूहिक रूप से घास काटने में सहयोग करती थीं। इस परंपरा को स्थानीय भाषा में 'गसाई' या 'नलाई' कहा जाता है। इस दौरान पहाड़ी गीत गाने और आपसी मेलजोल का अवसर भी मिलता था, लेकिन मशीनों के बढ़ते इस्तेमाल से इन पारंपरिक तौर-तरीकों में बदलाव आ रहा है। ग्रामीण महिलाएं डेढ़ से दो मन तक घास और लकड़ी का बोझ पीठ पर उठाकर कई किलोमीटर दूर से घर पहुंचाती हैं।

- बर्फबारी से पहले चारे का भंडारण, घासनियों में जुटीं ग्रामीण महिलाएं

जनजातीय क्षेत्रों की अनदेखी कर रही सुक्खू सरकार : श्रीकांत शर्मा

लाहौल-स्पीति में स्वास्थ्य सेवाओं और सड़कों की बदहाली पर श्रीकांत शर्मा ने उठाए सवाल

भारतेन्दु संवाददाता, लाहौल-स्पीति

भाजपा प्रदेश प्रभारी एवं मथुरा से विधायक श्रीकांत शर्मा ने हिमाचल प्रदेश की कांग्रेस सरकार पर जनजातीय क्षेत्रों की अनदेखी करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू की सरकार को जनजातीय क्षेत्रों के लोगों के वोट तो चाहिए, लेकिन उन्हें बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध करवाने की चिंता नहीं है। बर्फबारी का मौसम नजदीक होने के बावजूद लाहौल-स्पीति में स्वास्थ्य सेवाओं और संपर्क मार्गों की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है।

उदयपुर मंडल के त्रिलोकीनाथ क्षेत्र में स्थानीय लोगों और भाजपा कार्यकर्ताओं से संवाद के दौरान शर्मा ने कहा कि जालमा पंचायत सहित आसपास के क्षेत्रों के स्वास्थ्य संस्थानों में सामान्य जुकाम की दवाइयां तक उपलब्ध नहीं होने की शिकायतें मिली हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि जब प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में आवश्यक दवाइयां नहीं हैं, तो सर्दियों में गंभीर मरीजों को उपचार कैसे मिलेगा। उन्होंने सरकार से स्वास्थ्य केंद्रों में दवाइयों का पर्याप्त भंडारण और आपातकालीन सेवाएं सुनिश्चित करने की मांग की।

शर्मा ने मैयाड़ घाटी और चोखांग मार्ग सहित ग्रामीण संपर्क सड़कों की बदहाली पर भी चिंता जताई। उन्होंने प्रदेश सरकार से पूछा कि बर्फबारी से पहले सड़कों की मरम्मत के लिए क्या कार्ययोजना बनाई गई है और कितना काम पूरा हुआ है। उन्होंने जनजातीय क्षेत्रों के विकास बजट का आवंटन, जारी धनराशि और खर्च का विवरण सार्वजनिक करने की मांग भी की।

इस अवसर पर शर्मा ने बूथ संख्या 15, त्रिलोकीनाथ में भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' का 139वां संस्करण सुना। उन्होंने कहा कि भाजपा जनजातीय क्षेत्रों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाती रहेगी। उन्होंने प्रदेश सरकार से बर्फबारी से पहले स्वास्थ्य सेवाएं दुरुस्त करने, संपर्क मार्गों की मरम्मत करवाने और विकास कार्यों में पारदर्शिता सुनिश्चित करने की मांग की।



शर्मा बोले- बर्फबारी से पहले सड़कें सुधारें, स्वास्थ्य केंद्रों में दवाएं दें।

- मैयाड़ घाटी और चोखांग मार्ग की बदहाली पर उठाए सवाल

करवाचौथ की खरीदारी से गुलजार हुए शिमला के बाजार



भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। करवाचौथ का त्योहार नजदीक आते ही राजधानी शिमला के बाजारों में रौनक बढ़ने लगी है। महिलाएं पर्व की तैयारियों के लिए जमकर खरीदारी कर रही हैं। खासकर कांच की चूड़ियों की दुकानों पर महिलाओं की भीड़ देखने को मिल रही है। सुहाग के इस पर्व पर सोलह श्रृंगार का विशेष महत्व होने के कारण महिलाएं अपनी पसंद और परिधानों के अनुरूप चूड़ियां खरीद रही हैं।

बाजार में लाल, मैरून, गुलाबी सहित विभिन्न रंगों की कांच की चूड़ियां महिलाओं को आकर्षित कर रही हैं। पारंपरिक रंगों के साथ नए और आकर्षक डिजाइन भी उपलब्ध हैं। महिलाएं साड़ी और सूट के रंग से मेल खाती चूड़ियों को प्राथमिकता दे रही हैं। साधारण चूड़ियों के अलावा सजावटी पैटर्न वाली चूड़ियों और कड़ों की जोड़ियों की भी मांग बढ़ी है।

दुकानदारों के अनुसार, करवाचौथ के नजदीक आने के साथ चूड़ियों की खरीदारी में तेजी आने लगी है। महिलाएं त्योहार के लिए पहले से ही अपनी पसंद के रंग और डिजाइन चुन रही हैं। बाजारों में बढ़ती चहल-पहल से व्यापारियों को भी अच्छी बिक्री की उम्मीद है। करवाचौथ पर चूड़ियां केवल श्रृंगार का हिस्सा नहीं, बल्कि सुहाग और पारंपरिक रीति-रिवाजों से जुड़ी आस्था का प्रतीक भी मानी जाती हैं।

कसौली में दो मंजिल से ऊंचे सरकारी भवन बनाने पर एनजीटी सख्त

भारतेन्दु संवाददाता, कसौली। हिमाचल प्रदेश सरकार ने राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) के आदेशों के अनुपालन और कसौली की पहाड़ियों व पर्यावरण के संरक्षण के लिए निर्माण गतिविधियों की निगरानी व्यवस्था मजबूत की है। इसके तहत क्षेत्र में दो स्तरीय समितियों का गठन किया गया है। ये समितियां निर्माण संबंधी प्रस्तावों की जांच करने के साथ नियमों के पालन पर भी नजर रखेंगी। विशेष रूप से दो मंजिल से अधिक ऊंचाई वाले प्रस्तावित सरकारी भवनों के निर्माण पर ध्यान दिया जाएगा। ऐसे भवनों के प्रस्तावों की निर्धारित नियमों और पर्यावरणीय मानकों के आधार पर पड़ताल की जाएगी। कसौली अपनी प्राकृतिक सुंदरता, पहाड़ी भूगोल और संवेदनशील पर्यावरण के लिए जाना जाता है। यहां अनियंत्रित निर्माण से पहाड़ियों के स्वरूप और पर्यावरण पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका रहती है। इसी को ध्यान में रखते हुए सरकार ने निगरानी तंत्र तैयार किया है, ताकि विकास कार्यों के दौरान निर्धारित नियमों की अनदेखी न हो।

प्रदेश में डिजिटल सुशासन को मिलेगा बढ़ावा

दुर्गम क्षेत्रों तक सरकारी सेवाएं पहुंचाने के लिए डिजिटल माध्यमों का विस्तार

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला

मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू के नेतृत्व में हिमाचल प्रदेश सरकार प्रशासन को पारदर्शी, जवाबदेह और नागरिक-केंद्रित बनाने के लिए डिजिटल सुशासन को बढ़ावा दे रही है। इसके तहत हिमसेवा, हिमपरिवार और हिमएक्सेस सहित विभिन्न ई-गवर्नेंस पहलों के माध्यम से सरकारी सेवाओं को सरल और सुलभ बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं। पर्वतीय एवं दुर्गम क्षेत्रों में रहने वाले लोगों तक सरकारी सुविधाएं पहुंचाने में डिजिटल माध्यम महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

प्रदेश में वार्षिक कार्य निष्पादन मूल्यांकन रिपोर्ट (एपीएआर) पोर्टल से अधिकारियों और कर्मचारियों के कार्यों का ऑनलाइन मूल्यांकन किया जा रहा है। वहीं, बैठक प्रबंधन प्रणाली के माध्यम से बैठकों के निर्णयों और उनके क्रियान्वयन की निगरानी की जा रही है। दस्तावेज प्रबंधन प्रणाली से सरकारी अभिलेखों को डिजिटल रूप में सुरक्षित रखने और आवश्यक जानकारी आसानी से प्राप्त करने में मदद मिल रही है। कृत्रिम मेधा आधारित सुविधाएं दस्तावेजों का सारांश तैयार करने और महत्वपूर्ण जानकारियां खोजने में भी उपयोगी साबित हो रही हैं।

नागरिकों की शिकायतों के समाधान के लिए मुख्यमंत्री सेवा संकल्प हेल्पलाइन-1100 महत्वपूर्ण माध्यम है। इससे 93 विभागों के 10 हजार से अधिक अधिकारी जुड़े हैं। व्हाट्सऐप आधारित सुविधा से शिकायत दर्ज करवाना भी आसान हुआ है। हिमसेवा पोर्टल के माध्यम से विभिन्न सरकारी सेवाओं के लिए ऑनलाइन आवेदन, दस्तावेज सत्यापन और आवेदन की स्थिति जानने जैसी सुविधाएं उपलब्ध करवाई जा रही हैं। हिमएक्सेस के जरिए एक साझा डिजिटल पहचान से विभिन्न सरकारी अनुप्रयोगों तक पहुंच आसान बनाई गई है।



ऑनलाइन शिकायत निवारण से मिलेगी राहत।

- मुख्यमंत्री सेवा संकल्प हेल्पलाइन-1100 से जुड़े 93 विभागों के 10 हजार से अधिक अधिकारी

सीएम सुक्खू ने हिमाचल स्काउट्स बटालियन गठित करने की मांग की

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने केंद्र सरकार से लद्दाख स्काउट्स, सिक्किम स्काउट्स और अरुणाचल प्रदेश स्काउट्स की तर्ज पर हिमाचल स्काउट्स की एक समर्पित बटालियन गठित करने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि इससे प्रदेश के युवाओं, विशेषकर किन्नौर और लाहौल-स्पीति जैसे सीमावर्ती क्षेत्रों के युवाओं को सेना में भर्ती होने के विशेष अवसर मिलेंगे। इन क्षेत्रों के युवा दुर्गम पहाड़ी इलाकों और कठिन जलवायु परिस्थितियों से भली-भांति परिचित हैं, जो सैन्य अभियानों में उपयोगी साबित हो सकता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हिमाचल स्काउट्स बटालियन के गठन से भारत-चीन सीमा पर वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के आसपास रक्षा तैयारियों को मजबूती मिलेगी। साथ ही, दुर्गम पहाड़ी क्षेत्रों में सैन्य अभियानों की क्षमता बढ़ाने में भी सहायता मिलेगी। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश को देवभूमि के साथ-साथ वीरभूमि के रूप में भी जाना जाता है। प्रदेश के एक लाख से अधिक युवा सशस्त्र बलों में सेवाएं दे रहे हैं, जबकि लगभग इतनी ही संख्या में पूर्व सैनिक देश की रक्षा और सुरक्षा में अपना योगदान दे चुके हैं।

सुक्खू ने प्रदेश की गौरवशाली सैन्य परंपरा का उल्लेख करते हुए कहा कि देश के प्रथम परमवीर चक्र विजेता मेजर सोमनाथ शर्मा हिमाचल प्रदेश से संबंध रखते थे। प्रदेश के वीर सैनिकों ने शौर्य, समर्पण और बलिदान से देश का मान बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश ने चार परमवीर चक्र विजेता दिए हैं। यह प्रदेश की देशभक्ति, साहस और बलिदान की समृद्ध परंपरा का प्रमाण है। मुख्यमंत्री ने विश्वास जताया कि प्रस्तावित बटालियन से प्रदेश के युवाओं को सैन्य सेवा के नए अवसर मिलने के साथ सीमावर्ती क्षेत्रों की सुरक्षा को भी मजबूती मिलेगी।

- किन्नौर और लाहौल-स्पीति के युवाओं को सेना में अवसर देने की पहल
- हिमाचल की सैन्य परंपरा को मिलेगा नया विस्तार

उम्मीद संस्कारवान परिवार और समरस समाज से बनेगा सशक्त भारत

पंच परिवर्तन से बनेगा सशक्त भारत : रांगड़ा

अनिल कुमार शर्मा,भारतेन्दु संवाददाता

प्रो. डॉ. वीर सिंह रांगड़ा बोले, डॉ. हेडगेवार के विचार आज भी स्वयंसेवकों के लिए प्रेरणास्रोत



शिमला। शिमला में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शिमला जिले के केशव नगर द्वारा विजयादशमी उत्सव एवं संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में हिमाचल प्रदेश के प्रांत संघचालक प्रो. डॉ. वीर सिंह रांगड़ा ने स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए कहा कि सामाजिक समरसता, कुटुंब प्रबोधन, पर्यावरण संरक्षण, स्वदेशी एवं स्व-बोध और नागरिक कर्तव्य जैसे पंच परिवर्तन के माध्यम से सशक्त, संस्कारवान और संगठित भारत का निर्माण किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अपने 100 वर्ष पूरे होने पर समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के संकल्प के साथ राष्ट्र निर्माण के कार्य को आगे बढ़ा रहा है। संघ का उद्देश्य केवल संगठन का विस्तार करना नहीं, बल्कि संस्कारवान व्यक्ति, मजबूत परिवार, समरस समाज और शक्तिशाली राष्ट्र का निर्माण करना है।

प्रो. रांगड़ा ने कहा कि सामाजिक समरसता के लिए जाति, वर्ग और ऊंच-नीच के भेदभाव को समाप्त कर समाज में समानता और आत्मीयता का भाव स्थापित करना आवश्यक है। पर्यावरण संरक्षण के लिए जल बचाने, पौधारोपण करने और प्रकृति के प्रति जिम्मेदार व्यवहार अपनाने पर जोर दिया। स्वदेशी एवं स्व-बोध के माध्यम से अपनी संस्कृति, परंपराओं और स्वदेशी उत्पादों के प्रति गौरव का भाव विकसित करने की आवश्यकता बताई। उन्होंने नागरिक कर्तव्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को अनुशासन, स्वच्छता, कानून के सम्मान और राष्ट्रहित में योगदान देने के लिए तत्पर रहना चाहिए। कुटुंब प्रबोधन पर उन्होंने कहा कि परिवार भारतीय संस्कृति की मूल इकाई है। बदलते समय में संयुक्त परिवारों की परंपरा कमजोर हो रही है, ऐसे में परिवार के सदस्यों के बीच संवाद, आत्मीयता और संस्कारों को बनाए रखना जरूरी है।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की कार्यपद्धति आज विश्वभर में अध्ययन और शोध का विषय बनी हुई है। विदेशों से शोधकर्ता संघ की शाखाओं, स्वयंसेवकों की दिनचर्या, अनुशासन, संगठनात्मक व्यवस्था और सामाजिक सेवा के कार्यों का अध्ययन करने भारत आते हैं। उन्होंने संघ के संस्थापक डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार के जीवन से जुड़े प्रेरक प्रसंग साझा करते हुए कहा कि उनकी राष्ट्रभक्ति, सामाजिक एकता और राष्ट्रीय चरित्र निर्माण के प्रति प्रतिबद्धता आज भी स्वयंसेवकों के लिए प्रेरणास्रोत है। वर्ष 1925 में स्थापित संघ अपने शताब्दी वर्ष में राष्ट्रसेवा के संकल्प को आगे बढ़ा रहा है।

- संघ के शताब्दी वर्ष में पंच परिवर्तन के जरिए राष्ट्र निर्माण का संकल्प

जयराम ठाकुर का हमला, बोले कांग्रेस सरकार की विदाई तय

हिमकेयर, सहारा और स्वावलंबन जैसी योजनाएं बंद कर गरीबों को इलाज और सहायता से वंचित करने का आरोप

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता

शिमला। चौपाल विधानसभा क्षेत्र के नेरवा में आयोजित नवनिर्वाचित पंचायत प्रतिनिधियों के सम्मान समारोह में पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने प्रदेश की कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार की विदाई का समय नजदीक आ गया है और प्रदेश में जल्द भाजपा की सरकार बनेगी। उन्होंने आरोप लगाया कि चार वर्ष के कार्यकाल में सुक्खू सरकार अपनी प्रमुख योजनाओं को आगे बढ़ाने के बजाय पूर्व भाजपा सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को बंद करने में जुटी रही है।

जयराम ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस ने महिलाओं को हर महीने 1500 रुपये देने और युवाओं को पांच वर्षों में पांच लाख सरकारी नौकरियां देने की गारंटी दी थी, लेकिन ये वादे पूरे नहीं हुए। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार के समय 125 यूनिट मुफ्त बिजली की सुविधा मिलती थी, जबकि कांग्रेस ने 300 यूनिट मुफ्त बिजली देने का वादा किया था। उन्होंने हिमकेयर, सहारा और स्वावलंबन जैसी योजनाओं को बंद करने तथा जनमंच व्यवस्था समाप्त करने पर भी सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि प्रदेश में नशे और आपराधिक घटनाओं पर प्रभावी कार्रवाई की जरूरत है, लेकिन सरकार की प्राथमिकताएं अलग दिखाई देती हैं।

पूर्व मुख्यमंत्री ने वर्तमान दौर को व्यवस्था परिवर्तन के बजाय व्यवस्था पतन का दौर बताते हुए चिट्टा तस्करी और विमल नेगी मौत मामले का भी उल्लेख किया। उन्होंने पंचायत चुनावों में भाजपा समर्थित प्रत्याशियों की जीत का दावा करते हुए इसे जनता के विश्वास का संकेत बताया। उन्होंने सैंज-देहा-नेरवा-चौपाल सड़क सुधारने का आश्वासन भी दिया।

इससे पहले नेरवा पहुंचने पर जयराम ठाकुर का कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया और रोड शो निकाला। कार्यक्रम में सांसद सुरेश कश्यप, विधायक बलबीर वर्मा और पूर्व विधायक सुभाष मंगलेट सहित भाजपा के कई नेता उपस्थित रहे। बाद में जयराम ठाकुर ने कार्यकर्ताओं के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम को सुना तथा स्वदेशी उत्पादों, प्राकृतिक खेती और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने का आह्वान किया।



जयराम बोले- जनता का भरोसा कांग्रेस से उठ चुका है।

न्यूज ब्रीफ

डांडा नागराजा मंदिर समिति के अध्यक्ष बने वीरेंद्र प्रसाद भट्ट

भारतेन्दु संवाददाता, पौड़ी। प्रसिद्ध धार्मिक स्थल श्री डांडा नागराजा मंदिर समिति के चुनाव में सर्वसम्मति से नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। चुनाव प्रक्रिया ज्येष्ठ प्रमुख उपेंद्र भट्ट और गजेंद्र चमोली की निगरानी में संपन्न हुई। इसमें वीरेंद्र प्रसाद भट्ट को अध्यक्ष, दरबान सिंह रावत को सचिव और देवेंद्र चमोली को उपाध्यक्ष चुना गया। वीरेंद्र सिंह रावत को कोषाध्यक्ष, सुमनपाल सिंह रावत को सहसचिव, कमलेश चमोली को लेखाकार और सिद्धांत उनियाल को मीडिया प्रभारी की जिम्मेदारी सौंपी गई। ज्येष्ठ प्रमुख उपेंद्र भट्ट ने कहा कि आपसी सहमति से पदाधिकारियों का चयन होने से समिति के कार्यों को बेहतर ढंग से संचालित करने में मदद मिलेगी। उन्होंने मंदिर की व्यवस्थाएं सुचारु रखने और धार्मिक स्थल की गरिमा बनाए रखने पर जोर दिया।

देवाल बाजार में नालियों और सुरक्षा दीवारों की उठी मांग



भारतेन्दु संवाददाता, थराली। श्री नंदादेवी राजजात यात्रा मार्ग के तहत थराली-देवाल-वाण राज्य मार्ग संख्या 90 पर चल रहे हाटमिक्स कार्य की गुणवत्ता को लेकर देवाल के ब्लाक प्रमुख तेजपाल रावत ने लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता मनीष डोगरा से वार्ता की। अधिशासी अभियंता ने देवाल बाजार पहुंचकर सड़क निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। इस दौरान प्रमुख ने हाटमिक्स की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने, जल निकासी के लिए पुख्ता नालियां बनाने, सीलन वाले क्षेत्रों में लॉकिंग टाइल लगाने तथा सुरक्षा दीवारों और ब्रेस्टवालों का निर्माण करने की मांग उठाई। अधिशासी अभियंता ने कार्यों को गुणवत्ता के साथ पूरा करने का आश्वासन दिया। इस मौके पर नरेंद्र बिष्ट, श्याम मिश्रा सहित अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

जीबीपीआईईटी में तीन दिवसीय रामलीला का भव्य आयोजन

भारतेन्दु संवाददाता, पौड़ी। गोविंद बल्लभ पंत इंजीनियरिंग कॉलेज घुड़दौड़ी में छात्र गतिविधि प्रकोष्ठ और राम क्लब के संयुक्त तत्वावधान में तीन दिवसीय रामलीला का आयोजन किया गया। इसमें विद्यार्थियों ने रामायण के प्रमुख प्रसंगों का प्रभावशाली मंचन कर भारतीय संस्कृति, मर्यादा और धर्म के आदर्शों को प्रस्तुत किया। पहले दिन गणेश वंदना के साथ कार्यक्रम शुरू हुआ। इस दौरान दशरथ दरबार, सीता स्वयंवर, धनुष यज्ञ, कैकेयी-मंथरा प्रसंग, राम वनगमन और केवट संवाद का मंचन किया गया। दूसरे दिन भरत मिलाप, सीता हरण, जटायु प्रसंग, हनुमान-श्रीराम मिलन और अशोक वाटिका के दृश्य प्रस्तुत किए गए। तीसरे दिन मेघनाद वध, कुंभकर्ण वध और रावण दहन के माध्यम से बुराई पर अच्छाई की जीत का संदेश दिया गया। विद्यार्थियों के अभिनय और सजीव संवादों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया। संस्थान के निदेशक डॉ. वीके बंगा ने आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे सांस्कृतिक कार्यक्रम विद्यार्थियों को भारतीय परंपराओं से जोड़ने के साथ उनमें अनुशासन, सहयोग, नैतिक मूल्यों और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित करते हैं। उन्होंने आयोजन से जुड़े सभी सदस्यों और विद्यार्थियों के प्रयासों की प्रशंसा की।

देहरादून के बालावाला में बनेगा आइटी पार्क

भारतेन्दु संवाददाता, देहरादून। उत्तराखंड में औद्योगिक विकास और रोजगार के अवसर बढ़ाने के लिए धामी सरकार ने देहरादून के बालावाला में आइटी पार्क और बिजनेस पार्क विकसित करने की पहल की है। इसके लिए घोड़ा फैक्टरी की लगभग 35.7 एकड़ भूमि राज्य सरकार को हस्तांतरित करने का प्रस्ताव केंद्र सरकार को भेजा गया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इस संबंध में केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा रसायन एवं उर्वरक मंत्री जेपी नड्डा को पत्र लिखा है। योजना के धरातल पर उतरने से देहरादून और आसपास के क्षेत्रों में निवेश तथा व्यावसायिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। इसके साथ ही प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से हजारों युवाओं के लिए रोजगार के अवसर सृजित हो सकते हैं। मुख्यमंत्री के प्रस्ताव पर केंद्रीय मंत्री ने संबंधित विभाग को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। सरकार का उद्देश्य लंबे समय से अनुपयोगी पड़ी भूमि का औद्योगिक विकास के लिए सदुपयोग करना है।

ई-रिक्शा चार्ज करते समय करंट से किशोर की मौत

भारतेन्दु संवाददाता, रुद्रपुर। ऊधम सिंह नगर के रुद्रपुर स्थित प्रीत विहार में ई-रिक्शा चार्ज करते समय करंट लगने से एक किशोर की मौत हो गई। मामले में किशोर के चाचा ने पुलिस को करंट लगाकर हत्या किए जाने की सूचना दी, लेकिन जांच में यह सूचना भ्रामक निकली। पुलिस के अनुसार, चाचा ने अपने भाई से पारिवारिक रंजिश के चलते गलत जानकारी दी थी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और गलत सूचना देने के मामले में चाचा के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। मृतक के स्वजन का रो-रोकर बुरा हाल है। बताया गया कि फाजलपुर महरौला के वार्ड संख्या 25 स्थित प्रीत विहार निवासी राकेश चंद्रा ई-रिक्शा चलाकर परिवार का भरण-पोषण करता है।

हरीश रावत बोले, बागेश्वर से होगा परिवर्तन



भारतेन्दु संवाददाता, बागेश्वर। पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने बागेश्वर को कांग्रेस का मायका बताते हुए वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में प्रदेश में पूर्ण बहुमत की सरकार बनाने का दावा किया। न्याय यात्रा के तहत द्वाराहाट जाते समय मेलाडुंगरी हेलीपैड पहुंचने पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने फूलमालाओं से उनका स्वागत किया। इस दौरान रावत ने कहा कि बागनाथ और बैजनाथ की धरती से इस बार परिवर्तन जरूर होगा। उन्होंने कहा कि न्याय यात्रा को जनता का भरपूर समर्थन मिल रहा है। रावत ने अंकिता भंडारी हत्याकांड से जुड़े सवालों का जिक्र करते हुए कहा कि आज भी कई सवाल अनसुलझे हैं। उन्होंने आगामी विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की जीत की उम्मीद जताते हुए प्रदेश में सरकार बनाने का भरोसा व्यक्त किया।

पिथौरागढ़ मेडिकल कॉलेज का सीएम धामी ने किया निरीक्षण

पिथौरागढ़ मेडिकल कॉलेज में इसी सत्र से 50 एमबीबीएस सीटों पर प्रवेश

अनिल थपलियाल



देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को चंडाक स्थित बाबू जगजीवन राम मेडिकल कॉलेज का स्थलीय निरीक्षण कर निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्माण कार्य निर्धारित समयसीमा के भीतर उच्च गुणवत्ता के साथ पूरा करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने मेडिकल कॉलेज के छात्र-छात्राओं से संवाद कर उनके अनुभव और सुझाव भी जाने।

मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि इसी शैक्षणिक सत्र से मेडिकल कॉलेज में 50 एमबीबीएस सीटों पर प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो गई है। इससे पिथौरागढ़ सहित आसपास के सीमांत क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूती मिलेगी। साथ ही स्थानीय युवाओं को चिकित्सा शिक्षा प्राप्त करने के बेहतर अवसर उपलब्ध होंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार दूरस्थ और सीमांत क्षेत्रों में आधुनिक एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। मेडिकल कॉलेज के संचालन से क्षेत्र के लोगों को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने में सहायता मिलेगी और गंभीर बीमारियों के उपचार के लिए अन्य क्षेत्रों पर निर्भरता कम करने की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम उठाया जा सकेगा।

धामी सरकार का पत्रकारों के कल्याण पर जोर

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देशों पर पत्रकारों के कल्याण और सम्मान के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं। सूचना महानिदेशक बंशीधर तिवारी की अध्यक्षता में सूचना निदेशालय में आयोजित बैठक में पत्रकार कल्याण कोष और मुख्यमंत्री पत्रकार सम्मान पेंशन योजना से जुड़े प्रकरणों की समीक्षा की गई। समिति ने चार दिवंगत पत्रकारों के आश्रितों को पांच-पांच लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने की संस्तुति की। गंभीर बीमारी से ग्रसित एक वरिष्ठ पत्रकार के उपचार के लिए भी पांच लाख रुपये की सहायता प्रस्तावित की गई। इसके अतिरिक्त चार वरिष्ठ पत्रकारों को आठ हजार रुपये प्रतिमाह की दर से मुख्यमंत्री पत्रकार सम्मान पेंशन देने की संस्तुति की गई।

सीएम धामी ने दिए अधिकारियों को निर्देश

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्माण कार्यों में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए और सभी कार्य निर्धारित समयसीमा के भीतर पूरे किए जाएं। मेडिकल कॉलेज को बेहतर शैक्षणिक एवं चिकित्सा सुविधाओं से युक्त बनाने के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया गया। इस अवसर पर केंद्रीय राज्य मंत्री अजय टम्टा, विधायक बिशन सिंह चुफाल और फकीर राम टम्टा सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

शरद पूर्णिमा पर हरिद्वार में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़, चंडी पुल पर जाम



भारतेन्दु संवाददाता, हरिद्वार। शरद पूर्णिमा के अवसर पर रविवार को धर्मनगरी हरिद्वार में गंगा स्नान के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। सुबह से ही हरकी पैड़ी सहित विभिन्न गंगा घाटों पर स्नान और पूजा-अर्चना के लिए श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया। हरकी पैड़ी पर नहरबंदी के चलते गंगा का जलस्तर कम होने से श्रद्धालुओं को स्नान करने में परेशानी हुई। नहर की सफाई के लिए पानी कम किए जाने के कारण बड़ी संख्या में श्रद्धालु चंडी घाट पहुंचे। इससे चंडी पुल पर वाहनों का दबाव बढ़ गया और भीषण जाम लग गया। पुल सहित आसपास की सड़कों पर वाहन फंसने से स्थानीय लोगों और श्रद्धालुओं को दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

◆ **गंगा स्नान को उमड़े श्रद्धालु**

यातायात व्यवस्था संभालने के लिए पुलिस और यातायात कर्मी लगातार जुटे रहे। पुलिसकर्मियों ने वाहनों की आवाजाही सुचारू कराने और श्रद्धालुओं को व्यवस्थित ढंग से स्नान कराने का प्रयास किया। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, शरद पूर्णिमा की रात भगवान श्रीकृष्ण ने महारास किया था। इस दिन चंद्रमा को सोलह कलाओं से परिपूर्ण माना जाता है। मान्यता के अनुसार, श्रद्धालु खीर और दूध-चिवड़ा चांदनी में रखकर अगले दिन ग्रहण करते हैं।

भूपाल राम टम्टा ने कार्यकर्ताओं संग सुनी मन की बात

सरकारी योजनाओं का लाभ गांव-गांव और घर-घर तक पहुंचाएं कार्यकर्ता : टम्टा



पात्र लोगों तक जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने की अपील।

भारतेन्दु संवाददाता, थराली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम के 139वें एपिसोड को रविवार को थराली के विधायक भूपाल राम टम्टा ने ग्वालदम में भाजपा पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के साथ सुना। कार्यक्रम के बाद विधायक ने कार्यकर्ताओं से संवाद करते हुए केंद्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ गांव-गांव और घर-घर तक पहुंचाने की अपील की।

विधायक भूपाल राम टम्टा ने कहा कि सरकार का उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाना है। इसके लिए विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही हैं। हालांकि, पर्याप्त जानकारी के अभाव में कई पात्र लोग इन योजनाओं का लाभ नहीं उठा पाते हैं। ऐसे में भाजपा कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी है कि वे आम लोगों को योजनाओं की जानकारी दें और पात्र व्यक्तियों को उनका लाभ दिलाने में सहयोग करें। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता जनता और सरकार के बीच महत्वपूर्ण कड़ी हैं।

इस दौरान भाजपा पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने विधायक के समक्ष क्षेत्र की विभिन्न समस्याएं भी रखीं। विधायक ने समस्याओं को गंभीरता से सुना और उनके समाधान के लिए आवश्यक पहल करने का आश्वासन दिया।

ऊर्जा निगमों के अवर अभियंताओं ने उठाई लंबित मांगें

भारतेन्दु संवाददाता, देहरादून। उत्तराखंड पावर जूनियर इंजीनियर्स एसोसिएशन के पदाधिकारियों की बैठक रविवार को विकास सदन, माजरा स्थित 132 केवी सबस्टेशन परिसर में हुई। बैठक में अवर अभियंताओं, प्रोन्नत अभियंताओं और सेवानिवृत्त कर्मचारियों की सेवा संबंधी समस्याओं पर चर्चा की गई। एसोसिएशन ने ऊर्जा के तीनों निगमों में अवर अभियंता से सहायक अभियंता पद पर पदोन्नति का कोटा बढ़ाकर 58.33 प्रतिशत करने की मांग उठाई। इसके अलावा वर्ष 2022 के बाद नियुक्त कर्मचारियों को पूर्व व्यवस्था के अनुसार बिजली टैरिफ की सुविधा देने तथा 30 सितंबर 2005 तक सेवा में आए कर्मचारियों को पुरानी पेंशन और सामान्य भविष्य निधि (जीपीएफ) का लाभ देने की मांग की गई। एसोसिएशन ने एक जनवरी 2024 से सेवानिवृत्त और दिवंगत कर्मचारियों के लिए ग्रेच्युटी की अधिकतम सीमा 20 लाख से बढ़ाकर 25 लाख रुपये करने का भी आग्रह किया।

'मंथन 2027' में क्षेत्रीय एकता से नया राजनीतिक विकल्प बनाने पर चर्चा

अनिल थपलियाल

यूकेडी की बैठक में विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधि शामिल



उत्तराखंड क्रांति दल के केंद्रीय अध्यक्ष एवं कार्यक्रम संयोजक कर्नल (सेवानिवृत्त) सुनील कोटनाला सहित विभिन्न दलों और संगठनों के प्रतिनिधियों ने प्रतिभाग किया। उत्तराखंड राज्य आंदोलनकारी मंच, उत्तराखंड बेरोजगार संघ, उत्तराखंड परिवर्तन पार्टी, उत्तराखंड स्वाभिमान मोर्चा और अन्य क्षेत्रीय संगठनों के प्रतिनिधि भी बैठक में शामिल हुए।

देहरादून। उत्तराखंड क्रांति दल के आह्वान पर रविवार को जिला पंचायत भवन, देहरादून में 'मंथन 2027—क्षेत्रीय एकता से उत्तराखंड का राजनीतिक विकल्प' कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें विभिन्न क्षेत्रीय राजनीतिक दलों, सामाजिक संगठनों, राज्य आंदोलनकारियों और जनसंगठनों के प्रतिनिधियों ने आगामी विधानसभा चुनावों के मद्देनजर क्षेत्रीय एकता, संभावित गठबंधन और साझा चुनावी रणनीति पर विचार-विमर्श किया। बैठक में उत्तराखंड की मूल अवधारणा, क्षेत्रीय अस्मिता और स्थानीय जनता के अधिकारों को राजनीतिक विमर्श के केंद्र में लाने पर जोर दिया गया। प्रतिभागियों ने मूल निवास, सशक्त भू-कानून, जल-जंगल-जमीन पर स्थानीय लोगों के अधिकार, पलायन, बेरोजगारी और परिसीमन जैसे मुद्दों को साझा राजनीतिक एजेंडे में शामिल करने की आवश्यकता बताई। साथ ही क्षेत्रीय दलों के बीच साझा न्यूनतम कार्यक्रम तैयार कर आगामी चुनावों में प्रभावी राजनीतिक विकल्प प्रस्तुत करने की संभावनाओं पर चर्चा हुई।

उत्तराखंड के राजनीतिक भविष्य पर चर्चा

वक्ताओं ने कहा कि क्षेत्रीय दलों को अपनी संगठनात्मक पहचान बनाए रखते हुए साझा मुद्दों पर आपसी विश्वास, संवाद और समन्वय बढ़ाना चाहिए। कार्यक्रम में इस बात पर भी जोर दिया गया कि स्थानीय संसाधनों पर प्रदेशवासियों के अधिकारों की रक्षा और राज्य आंदोलन की मूल भावना को मजबूत करने के लिए क्षेत्रीय शक्तियों के बीच व्यापक सहमति जरूरी है। आयोजकों ने इसे उत्तराखंड के राजनीतिक भविष्य पर संवाद आगे बढ़ाने की महत्वपूर्ण पहल बताया।

मसूरी में अखिलेश के बयान पर भाजपा का उबाल

राज्य आंदोलन के इतिहास को लेकर सपा पर हमला, पुतला फूंककर जताया विरोध

सुनील सोनकर



मसूरी। उत्तराखंड के लोगों को लेकर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव की कथित टिप्पणी के विरोध में मसूरी में भाजपा कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। भाजपा कार्यकर्ताओं ने अखिलेश यादव के खिलाफ नारेबाजी करते हुए उनका पुतला दहन किया और बयान को उत्तराखंड के नागरिकों का अपमान बताया। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि राज्य के लोगों के सम्मान से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। भाजपा ने अखिलेश यादव से अपने बयान पर माफी मांगने की मांग की है।

भाजपा मसूरी मंडल अध्यक्ष रजत अग्रवाल ने कहा कि अखिलेश यादव ने उत्तराखंड के लोगों को घुसपैठिया बताकर प्रदेश के प्रत्येक नागरिक का अपमान किया है। उनके अनुसार, इस बयान से समाजवादी पार्टी की उत्तराखंड के प्रति सोच उजागर होती है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड के लोगों ने लंबे संघर्ष और बलिदान के बाद अलग राज्य हासिल किया है। ऐसे में प्रदेश के नागरिकों के सम्मान को ठेस पहुंचाने वाली टिप्पणी को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

रजत अग्रवाल ने उत्तराखंड राज्य आंदोलन के दौरान हुई घटनाओं का उल्लेख करते हुए समाजवादी पार्टी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव के पिता और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव के कार्यकाल में अलग राज्य की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे लोगों पर मसूरी, खटीमा और मुजफ्फरनगर सहित विभिन्न स्थानों पर पुलिस कार्रवाई हुई थी। उन्होंने कहा कि राज्य आंदोलन के दौरान हुई घटनाओं और आंदोलनकारियों के बलिदान को उत्तराखंड के लोग आज भी नहीं भूले हैं। भाजपा मंडल अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि अखिलेश यादव की टिप्पणी उसी मानसिकता को दर्शाती है, जिसने उत्तराखंड की अलग राज्य की मांग का विरोध किया था।

माफी नहीं मांगी तो अखिलेश के आवास पर होगा प्रदर्शन

प्रदर्शन के दौरान भाजपा ने कांग्रेस को भी निशाने पर लिया। रजत अग्रवाल ने कहा कि अखिलेश यादव की टिप्पणी पर उत्तराखंड कांग्रेस के बड़े नेताओं की ओर से कड़ी प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस मुद्दे पर कांग्रेस की चुप्पी कई सवाल खड़े करती है। उनके अनुसार, समाजवादी पार्टी और कांग्रेस दोनों को उत्तराखंड के लोगों के सम्मान के मुद्दे पर अपना रुख स्पष्ट करना चाहिए। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड के हितों और सम्मान के मामले में राजनीतिक दलों को स्पष्ट रूप से अपनी बात रखनी चाहिए। भाजपा कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन के दौरान अखिलेश यादव के खिलाफ नारेबाजी करते हुए उनसे सार्वजनिक रूप से माफी मांगने की मांग की। रजत अग्रवाल ने चेतावनी दी कि यदि अखिलेश यादव उत्तराखंड के लोगों से माफी नहीं मांगते हैं तो मसूरी से भाजपा कार्यकर्ता उनके आवास की ओर कूच करेंगे और वहां धरना-प्रदर्शन करेंगे।

खटीमा में मुख्यमंत्री धामी ने सुनीं जनसमस्याएं



भारतेन्दु संवाददाता, देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को खटीमा स्थित अपने निजी आवास नगला तराई और लोहियाहेड हेलीपैड पर आमजन तथा जनप्रतिनिधियों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को जनसमस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर त्वरित, पारदर्शी और प्रभावी निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनसमस्याओं का समयबद्ध समाधान राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। लोगों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए अनावश्यक रूप से सरकारी कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें, इसके लिए अधिकारियों को संवेदनशीलता और तत्परता से कार्य करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि सरकार सरलीकरण, समाधान और संतुष्टि के मूल मंत्र के साथ काम कर रही है। प्रशासन की जवाबदेही सुनिश्चित करने के साथ प्रत्येक व्यक्ति को संतोषजनक समाधान उपलब्ध कराना सरकार का लक्ष्य है। इस दौरान मुख्यमंत्री ने जनप्रतिनिधियों से क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों और स्थानीय आवश्यकताओं पर भी चर्चा की।

रेशम उत्पादन की वैज्ञानिक विधियों से रूबरू हुए विद्यार्थी और कर्मचारी

अनिल थपलियाल

देहरादून। केंद्रीय रेशम बोर्ड, वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार के क्षेत्रीय रेशम उत्पादन अनुसंधान केंद्र, सहसपुर में 21 से 25 अक्टूबर तक पांच दिवसीय प्रौद्योगिकी उन्मुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें श्री गुरु राम राय कॉलेज, देहरादून के 19 विद्यार्थियों और रेशम निदेशालय के 15 कर्मचारियों सहित कुल 34 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों को रेशम उत्पादन की आधुनिक वैज्ञानिक तकनीकों, अनुसंधान उपलब्धियों और उनके व्यावहारिक उपयोग की जानकारी देना था।

केंद्र प्रमुख डॉ. पवन सैनी के मार्गदर्शन में आयोजित प्रशिक्षण का समन्वयन डॉ. साक्षी वैष्णव और डॉ. अरसाकुमार ई. ने किया। प्रशिक्षण के दौरान शहतूत की खेती, रेशमकीट पालन, गुणवत्तापूर्ण बीज उत्पादन, रोगों की पहचान एवं प्रबंधन, पालन गृहों के विसंक्रमण और कोया गुणवत्ता के मूल्यांकन से संबंधित जानकारी दी गई। विशेषज्ञों ने रेशम उत्पादन की विभिन्न प्रक्रियाओं और नवीन तकनीकों पर व्याख्यान प्रस्तुत किए। प्रतिभागियों को रेशम संग्रहालय का भ्रमण कराने के साथ कोया शिल्प निर्माण, शहतूत पौधों के रखरखाव, कोया सुखाने, छंटाई और श्रेणीकरण का व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया गया।



उत्पादन तकनीकें सीखीं

उन्होंने केंद्रीय रेशम बोर्ड और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की के सहयोग से स्थापित आधुनिक रेशमकीट पालन गृह का निरीक्षण किया। इसके अतिरिक्त सेलाकुई स्थित ग्रोथ सेंटर में कोया प्रसंस्करण और रेशम धागा निकालने की प्रक्रिया को समझा। प्रशिक्षण के समापन पर प्रतिभागियों से प्रतिक्रिया ली गई और उन्हें प्रमाण-पत्र एवं स्मृति-चिह्न वितरित किए गए।

इस कार्यक्रम से विद्यार्थियों और कर्मचारियों की वैज्ञानिक समझ, तकनीकी दक्षता तथा व्यावहारिक कौशल को बढ़ावा मिला। साथ ही, केंद्रीय रेशम बोर्ड, शैक्षणिक संस्थानों और राज्य रेशम निदेशालय के बीच तकनीकी ज्ञान के आदान-प्रदान और समन्वय को भी प्रोत्साहन मिला।

पहल नशे की गिरफ्त से युवाओं को बचाने की मुहिम, कालाढूंगी में अभियान का भव्य समापन

'एक युद्ध नशे के विरुद्ध' अभियान को मिला जनसमर्थन

भारतेन्दु संवाददाता, हल्द्वानी

युवाओं को नशे की गिरफ्त से बचाने और समाज में जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से कालाढूंगी क्षेत्र में आयोजित चार दिवसीय जन-जागरूकता पदयात्रा 'एक युद्ध नशे के विरुद्ध' का रविवार को भव्य समापन हो गया। कमलवागांजा स्थित रघुनाथ बैंक्वेट हॉल में आयोजित समापन समारोह में सैकड़ों की संख्या में स्थानीय लोग, युवा, महिलाएं और प्रबुद्ध नागरिक शामिल हुए। कार्यक्रम में वक्ताओं ने नशे के बढ़ते प्रचलन पर चिंता जताते हुए युवाओं से इससे दूर रहने और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का आह्वान किया।

यह पदयात्रा 22 अक्टूबर को बजुनियाहल्दू, कालाढूंगी से शुरू हुई थी। चार दिनों तक चले इस अभियान के दौरान विभिन्न गांवों और क्षेत्रों में पहुंचकर लोगों से संवाद किया गया। आयोजकों और अभियान से जुड़े लोगों ने घर-घर जाकर युवाओं को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक किया। इस दौरान स्थानीय लोगों, महिलाओं और युवाओं का अच्छा समर्थन मिला। रविवार दोपहर करीब दो बजे रघुनाथ बैंक्वेट हॉल में समापन समारोह शुरू हुआ। कार्यक्रम में व्यास कपिलदेव, पूजा बिष्ट और नशे के खिलाफ जमीनी स्तर पर कार्य कर रहीं मनोविज्ञान विशेषज्ञ कोमल शर्मा सहित कई प्रमुख लोग मौजूद रहे।

पदयात्रा के आयोजक गुंजन तिवारी ने कहा कि अभियान को पूरी तरह गैरराजनीतिक रखा गया, ताकि हर विचारधारा से जुड़े लोग बिना किसी असहजता के इसमें शामिल हो सकें। उन्होंने कहा कि नशे के खिलाफ यह मुहिम आगे भी जारी रहेगी और क्षेत्र को नशामुक्त बनाने के लिए लगातार प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने लोगों से इस सामाजिक अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की।

समारोह के दौरान विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले और युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत बने करीब 15 लोगों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का एक प्रमुख आकर्षण साई कृपा ट्रस्ट के बैनर तले निर्देशक दुष्यंत सहित अन्य लोगों द्वारा अपने अनुभव साझा करना रहा।

नशे से उबर चुके लोगों ने साझा किए अपने अनुभव

नशे की लत से उबर चुके कुछ लोगों ने भी मंच से अपने जीवन के अनुभव बताए और नशे के कारण होने वाली शारीरिक, मानसिक तथा पारिवारिक परेशानियों के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित युवाओं ने स्वेच्छा से हाथ उठाकर आजीवन नशे से दूर रहने का संकल्प लिया। आयोजकों ने इसे अभियान की बड़ी उपलब्धि बताया। पदयात्रा के माध्यम से संदेश दिया गया कि सामूहिक प्रयास, जागरूकता और दृढ़ इच्छाशक्ति से नशे जैसी सामाजिक समस्या का मुकाबला किया जा सकता है।

कालाढूंगी को नशामुक्त बनाने के लिए जारी रहेंगे प्रयास



नशे के खिलाफ गैरराजनीतिक मुहिम जारी रहेगी : गुंजन तिवारी

पदयात्रा के आयोजक गुंजन तिवारी ने कहा कि अभियान को पूरी तरह गैरराजनीतिक रखा गया, ताकि हर विचारधारा से जुड़े लोग बिना किसी असहजता के इसमें शामिल हो सकें। उन्होंने कहा कि नशे के खिलाफ यह मुहिम आगे भी जारी रहेगी और क्षेत्र को नशामुक्त बनाने के लिए लगातार प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने लोगों से इस सामाजिक अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की।

मन की बात में गूंजी जैतो की नव त्रिंजण पहल देसी कपास और खादी को मिली राष्ट्रीय पहचान

नव त्रिंजण से ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत, खादी और हथकरघे को मिलेगी नई पहचान

भारतेंदु संवाददाता, फरीदकोट। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' में पंजाब के जैतो की 'नव त्रिंजण' पहल का विशेष उल्लेख किया। इस पहल के माध्यम से देसी कपास की खेती, खादी वस्त्रों की बुनाई और पारंपरिक हथकरघा कार्य को प्रोत्साहन दिया जा रहा है। प्रधानमंत्री की ओर से इसकी सराहना किए जाने से जैतो और आसपास के क्षेत्र को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिली है। इस पहल को ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और महिलाओं की आजीविका के अवसर बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

नव त्रिंजण पहल कृषि विरासत मिशन से जुड़ी है। इसका उद्देश्य देसी कपास से लेकर तैयार खादी वस्त्रों तक की पूरी प्रक्रिया को बढ़ावा देना है। इसमें खेती, कपास से रेशा तैयार करने, सूत कातने और कपड़ा बुनने जैसे पारंपरिक कामों को प्रोत्साहित करने पर जोर दिया जाता है। इस तरह यह पहल केवल कपास उत्पादन तक सीमित नहीं है, बल्कि इससे जुड़े कारीगरों और हथकरघा क्षेत्र में काम करने वाले लोगों की आजीविका को भी महत्व देती है।



देसी कपास भारतीय कृषि और पारंपरिक वस्त्र निर्माण की महत्वपूर्ण विरासत का हिस्सा रही है। कपास की खेती से किसानों को रोजगार मिलता है, जबकि इससे तैयार रेशे पर आधारित काम कारीगरों और बुनकरों के लिए आजीविका का साधन बनते हैं। खादी वस्त्रों का निर्माण भी पारंपरिक कौशल और मेहनत से जुड़ा हुआ है। नव त्रिंजण जैसी पहल इन गतिविधियों को एक साथ जोड़कर स्थानीय स्तर पर उत्पादन और पारंपरिक हुनर को प्रोत्साहित करने का प्रयास करती है। आज के समय में मशीनों से तैयार होने वाले वस्त्रों के बीच पारंपरिक हथकरघा उत्पादों को बाजार तक पहुंचाना एक चुनौती है। ऐसे में देसी कपास और खादी को बढ़ावा देने वाली पहल ग्रामीण क्षेत्रों में पारंपरिक कामों के महत्व को सामने लाती है।

इससे स्थानीय उत्पादों के प्रति लोगों की रुचि बढ़ाने और पारंपरिक वस्त्र निर्माण को नई पहचान दिलाने में मदद मिल सकती है। नव त्रिंजण पहल का एक महत्वपूर्ण पक्ष महिलाओं के रोजगार और आर्थिक सशक्तीकरण से जुड़ा है। हथकरघा और सूत कातने जैसे पारंपरिक कार्यों में महिलाओं की भूमिका महत्वपूर्ण रही है। इन गतिविधियों को प्रोत्साहन मिलने से महिलाओं के लिए स्थानीय स्तर पर काम के अवसर विकसित करने की संभावनाएं बनती हैं। इससे उन्हें पारिवारिक आय में योगदान देने और अपने पारंपरिक कौशल का उपयोग करने का अवसर मिल सकता है।

ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के सीमित अवसरों के बीच स्थानीय संसाधनों और कौशल पर आधारित गतिविधियां विशेष महत्व रखती हैं। यदि किसानों, कारीगरों और महिला कामगारों को उत्पादन के साथ-साथ उचित बाजार और बेहतर मूल्य उपलब्ध हो, तो ऐसी पहल उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत करने में सहायक हो सकती है। हालांकि, इसके लिए निरंतर प्रोत्साहन, उत्पादों की गुणवत्ता और बाजार तक पहुंच जैसे पहलुओं पर भी ध्यान देना आवश्यक है। नव त्रिंजण की पहल किसानों, कारीगरों और बुनकरों को एक साझा प्रक्रिया से जोड़ने का प्रयास करती है। देसी कपास की खेती से लेकर खादी वस्त्रों की बुनाई तक स्थानीय स्तर पर अलग-अलग कामों को बढ़ावा मिलने से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को लाभ पहुंच सकता है।

इससे पारंपरिक कौशल को संरक्षित करने और नई पीढ़ी को इन कामों से जोड़ने की संभावनाएं भी बनती हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से 'मन की बात' में इस पहल का उल्लेख किए जाने से इसे व्यापक स्तर पर पहचान मिली है। जैतो की यह पहल पंजाब की पारंपरिक कृषि और वस्त्र निर्माण से जुड़ी विरासत को सामने लाने के साथ-साथ स्थानीय रोजगार की संभावनाओं पर भी ध्यान आकर्षित करती है। अब इस पहचान को स्थायी लाभ में बदलने के लिए किसानों, कारीगरों और महिलाओं को निरंतर सहयोग, बेहतर अवसर और बाजार उपलब्ध कराना महत्वपूर्ण होगा।

बठिंडा में फ्लिपकार्ट गोदाम से 4.5 करोड़ के मोबाइल चोरी, सीसीटीवी डीवीआर भी ले गए चोर



भारतेंदु संवाददाता, बठिंडा। पंजाब के बठिंडा जिले में भुच्चो मंडी स्थित फ्लिपकार्ट कंपनी के गोदाम में बड़ी चोरी की वारदात सामने आई है। भुच्चो कैंचियां रोड पर स्थित गोदाम से चोर सैमसंग कंपनी के करीब 980 महंगे मोबाइल फोन चुरा ले गए। इन मोबाइल की कीमत 4.5 करोड़ रुपये से अधिक बताई जा रही है। वारदात को अंजाम देने के बाद चोर गोदाम में लगे सीसीटीवी कैमरों की रिकॉर्डिंग करने वाली डीवीआर भी अपने साथ ले गए। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। गोदाम के मैनेजर प्रकाश के अनुसार, बीती रात करीब ढाई बजे गोदाम के कर्मचारी माल की डिलीवरी लेकर बाहर निकले थे।

इसके बाद सुबह करीब पांच बजे जब कर्मचारी वापस पहुंचे तो गोदाम के शटर का ताला गायब था और शटर ऊपर उठा हुआ था। कर्मचारियों को स्थिति संदिग्ध लगी तो उन्होंने अंदर जाकर जांच की। इस दौरान बड़ी संख्या में मोबाइल फोन गायब मिले। इसके बाद घटना की सूचना पुलिस को दी गई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, चोरों ने गोदाम में रखे सैमसंग कंपनी के करीब 980 मोबाइल फोन को निशाना बनाया। चोरी किए गए मोबाइल की कीमत 4.5 करोड़ रुपये से अधिक बताई जा रही है। इतनी बड़ी मात्रा में महंगे मोबाइल फोन चोरी होने की सूचना से इलाके में हड़कंप मच गया।

वारदात में एक अहम बात यह सामने आई कि चोर मोबाइल फोन के साथ गोदाम में लगे सीसीटीवी कैमरों की रिकॉर्डिंग सुरक्षित रखने वाली डीवीआर भी ले गए। इससे पुलिस के लिए घटनाक्रम की सीधी फुटेज हासिल करना चुनौतीपूर्ण हो सकता है। हालांकि, पुलिस अन्य उपलब्ध साक्ष्यों और तकनीकी जांच के आधार पर आरोपियों तक पहुंचने का प्रयास कर रही है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे। फॉरेंसिक टीम ने भी घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच शुरू की। टीम की ओर से मौके से साक्ष्य जुटाने की प्रक्रिया की गई, ताकि चोरी से जुड़े सुराग हासिल किए जा सकें। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि चोरी की वारदात को कितने लोगों ने अंजाम दिया और आरोपी किस रास्ते से गोदाम तक पहुंचे तथा वहां से कैसे फरार हुए।

इसके साथ ही गोदाम की सुरक्षा व्यवस्था और घटना के समय मौजूद परिस्थितियों की भी जांच की जा रही है। फिलहाल चोरी हुए मोबाइल फोन की बरामदगी और आरोपियों की पहचान पुलिस के लिए प्रमुख चुनौती है। मामले में जांच आगे बढ़ने के साथ ही वारदात से जुड़े अन्य तथ्यों के सामने आने की उम्मीद है। पुलिस गोदाम में सुरक्षा व्यवस्था की भी जांच कर रही है। साथ ही यह पता लगाया जा रहा है कि आरोपी कितने थे और वारदात के बाद किस रास्ते से फरार हुए। फिलहाल मोबाइल बरामदगी और आरोपियों की पहचान प्राथमिकता है।

चंडीगढ़ के कारोबारी एमके भाटिया की अनूठी पहल, दिवाली पर कर्मचारियों को मिलेंगी कारें

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। दिवाली पर कर्मचारियों को मिठाई और बोनस देने की परंपरा आम है, लेकिन चंडीगढ़ के कारोबारी एमके भाटिया अपने कर्मचारियों को कारें उपहार में देने की पहल को लेकर चर्चा में हैं। उनका यह कदम गुजरात के चर्चित हीरा कारोबारी सावजी ढोलकिया की कर्मचारी हितैषी पहल की याद दिलाता है। एमके भाटिया ग्रुप की ओर से इस दिवाली कर्मचारियों को खास तोहफा देने की तैयारी की जा रही है। ग्रुप की इस पहल का उद्देश्य कर्मचारियों की मेहनत और योगदान को सम्मान देना है।



इस बार कंपनी में काम करने वाले कर्मचारियों को कार जीतने का अवसर मिलेगा। इसके लिए लकी ड्रॉ की व्यवस्था की जाएगी, जिसमें पात्र कर्मचारी हिस्सा ले सकेंगे। इस पहल की खास बात यह है कि कार जीतने का मौका केवल वरिष्ठ अधिकारियों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि गार्ड से लेकर अधिकारी स्तर तक के कर्मचारी इसमें शामिल हो सकेंगे। एमके भाटिया ग्रुप की योजना के अनुसार, कर्मचारियों में से एक भाग्यशाली कर्मचारी का चयन लकी ड्रॉ के माध्यम से किया जाएगा। चयनित कर्मचारी को कार उपहार में दी जाएगी। इस व्यवस्था से अलग-अलग पदों पर काम करने वाले कर्मचारियों को समान रूप से मौका देने की कोशिश की जा रही है। इससे कर्मचारियों में उत्साह बढ़ने और कार्यस्थल पर अपनेपन की भावना मजबूत होने की उम्मीद है। कंपनी में लंबे समय से काम कर रहे कर्मचारियों के साथ-साथ विभिन्न जिम्मेदारियां निभाने वाले कर्मियों के लिए यह पहल दिवाली को खास बना सकती है।

आमतौर पर त्योहारों पर कर्मचारियों को मिठाई, उपहार या बोनस दिया जाता है, लेकिन कार जैसी बड़ी सौगात देने की योजना इसे अलग बनाती है। लकी ड्रॉ के अलावा उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कर्मचारियों को भी कारें देने की योजना का उल्लेख किया गया है। इससे कर्मचारियों को बेहतर काम करने के लिए प्रोत्साहन मिलने की उम्मीद है।

27 अक्तूबर तक दर्ज कराएं मतदान केंद्रों पर आपत्तियां

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। दिसंबर में प्रस्तावित नगर निगम चुनाव 2026 की तैयारियां तेज हो गई हैं। राज्य चुनाव आयोग ने शहर के वार्ड नंबर 1 से 35 तक के मतदान केंद्रों की ड्राफ्ट सूची जारी कर दी है। इस सूची के जारी होने के बाद आम जनता और चुनाव लड़ने के इच्छुक उम्मीदवारों को मतदान केंद्रों में बदलाव के लिए सुझाव और आपत्तियां दर्ज कराने का अवसर दिया गया है। आयोग के अनुसार, इच्छुक व्यक्ति 27 अक्टूबर 2026 को शाम पांच बजे तक अपनी आपत्तियां और सुझाव जमा करवा सकते हैं। इसके लिए संबंधित रिटर्निंग अधिकारी के कार्यालय में लिखित आवेदन देना अनिवार्य होगा। मतदान केंद्रों की ड्राफ्ट सूची नौ रिटर्निंग अधिकारियों के कार्यालयों में उपलब्ध करवाई गई है। नागरिक सूची की जांच कर अपने वार्ड के मतदान केंद्र से संबंधित किसी भी समस्या या प्रस्तावित बदलाव को लेकर आपत्ति दर्ज करा सकते हैं। इस प्रक्रिया का उद्देश्य चुनाव से पहले मतदान केंद्रों की व्यवस्था को बेहतर बनाना और मतदाताओं को सुविधाजनक मतदान सुनिश्चित करना है। दिसंबर में होने वाले निगम चुनावों से पहले आयोग द्वारा अंतिम सूची जारी किए जाने की प्रक्रिया में इन सुझावों और आपत्तियों पर विचार किया जाएगा।

सुखबीर बादल के नेतृत्व में आंवला ने अकाली दल की सदस्यता ली

आंवला के अकाली दल में आने से फिरोजपुर की सियासत में हलचल

भारतेंदु संवाददाता, फिरोजपुर। पंजाब की राजनीति में रविवार को बड़ा राजनीतिक घटनाक्रम सामने आया। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व विधायक रामिंदर सिंह आंवला ने पार्टी छोड़कर शिरोमणि अकाली दल का दामन थाम लिया। चंडीगढ़ में अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल की मौजूदगी में उन्होंने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। आंवला के इस फैसले को पंजाब कांग्रेस के लिए झटके के रूप में देखा जा रहा है। उनके अकाली दल में शामिल होने के बाद सीमावर्ती जिले फिरोजपुर और जलालाबाद की राजनीति में नए समीकरण बनने की चर्चाएं शुरू हो गई हैं।



रामिंदर सिंह आंवला ने अकाली दल में शामिल होने के बाद कहा कि उन्हें गर्व है कि पार्टी अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल ने पंजाब की जनता की सेवा करने के लिए उन पर भरोसा जताया है। उनके बयान से स्पष्ट है कि वह नई राजनीतिक पारी में पार्टी नेतृत्व की ओर से सौंपी जाने वाली जिम्मेदारी को अहम मान रहे हैं। हालांकि, पार्टी में शामिल होने के साथ उन्हें कौन-सी जिम्मेदारी दी जाएगी और आगामी चुनावों में उनकी क्या भूमिका होगी, इस बारे में फिलहाल कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। आंवला के कांग्रेस छोड़ने का असर खास तौर पर फिरोजपुर जिले की राजनीति में देखने को मिल सकता है। सीमावर्ती क्षेत्र होने के कारण यहां के राजनीतिक समीकरणों पर राज्यस्तरीय दलों की रणनीति का भी प्रभाव रहता है। ऐसे में पूर्व विधायक का अकाली दल में शामिल होना पार्टी के लिए स्थानीय स्तर पर राजनीतिक मजबूती हासिल करने का अवसर माना जा रहा है। वहीं, कांग्रेस के लिए यह घटनाक्रम संगठन और स्थानीय नेतृत्व के लिहाज से महत्वपूर्ण है। जलालाबाद की राजनीति को लेकर भी इस घटनाक्रम के बाद चर्चाएं तेज हो गई हैं। आंवला के अगले राजनीतिक कदम और अकाली दल की रणनीति पर अब सबकी नजर रहेगी।

हालांकि, उनके चुनाव लड़ने या किसी विशेष सीट से उम्मीदवार बनाए जाने को लेकर अभी कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। इसलिए उनकी भावी भूमिका को लेकर फिलहाल केवल संभावनाएं ही जताई जा रही हैं। पंजाब में आगामी राजनीतिक गतिविधियों के बीच नेताओं का दल बदलना विभिन्न पार्टियों के लिए नए अवसर और चुनौतियां पैदा कर सकता है। रामिंदर सिंह आंवला के अकाली दल में शामिल होने से फिरोजपुर क्षेत्र में पार्टी की रणनीति को लेकर नई चर्चा शुरू हो गई है। अब यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि इस फैसले का स्थानीय राजनीति पर कितना प्रभाव पड़ता है और आने वाले समय में कांग्रेस तथा अकाली दल अपनी राजनीतिक स्थिति मजबूत करने के लिए क्या कदम उठाते हैं।

डूमवाली की नर्सिंग कॉलोनी में कथित नशा तस्करी से लोगों में रोष

भारतेंदु संवाददाता, बठिंडा। पंजाब में नशे की समस्या को लेकर लोगों की नाराजगी लगातार सामने आ रही है। बठिंडा जिले के अंतिम गांव डूमवाली की नर्सिंग कॉलोनी में शनिवार रात एक मकान की दीवार पर 'चिट्टा ही चिट्टा' लिखकर कथित तौर पर खुलेआम हो रही नशा तस्करी के खिलाफ रोष जताया गया। स्थानीय लोगों ने इलाके में नशे की बिक्री पर रोक लगाने और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग उठाई है।

कॉलोनी में रहने वाली एक महिला ने आरोप लगाया कि क्षेत्र में हेरोइन की पुड़ियां 200, 300 और 500 रुपये में मिल जाती हैं। महिला ने बताया कि उसका बेटा नशे की लत से परेशान है, जिससे परिवार को मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। बेटे की हालत को लेकर चिंतित मां ने नशे की समस्या पर रोक लगाने के लिए प्रशासन से सख्त कदम उठाने की मांग की। महिला के अनुसार, नशे की लत केवल एक व्यक्ति को प्रभावित नहीं करती, बल्कि पूरे परिवार को मानसिक और सामाजिक परेशानी में डाल देती है।

ऐसे में नशे की बिक्री पर अंकुश लगाना जरूरी है, ताकि युवाओं को इस बुराई से बचाया जा सके। मकान की दीवार पर लिखा गया संदेश इलाके में नशे के खिलाफ नाराजगी जताने का तरीका माना जा रहा है। स्थानीय स्तर पर इस मुद्दे को लेकर चिंता बढ़ रही है और लोग चाहते हैं कि पुलिस मामले की गंभीरता से जांच करे। हालांकि, नशा तस्करी और बिक्री को लेकर महिला की ओर से लगाए गए आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है।

बुजुर्ग तीर्थयात्रियों की सुरक्षा को लेकर आप और भाजपा में बढ़ी तकरार

स्लीपर बसों पर कार्रवाई को लेकर भाजपा ने आप संयोजक केजरीवाल पर साधा निशाना

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। पंजाब में स्लीपर बसों पर कार्रवाई और तीर्थयात्रा योजना को लेकर राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। भाजपा अध्यक्ष केवल सिंह ढिल्लों ने आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि वह इस मुद्दे पर गलत दावे कर रहे हैं। ढिल्लों ने कहा कि स्लीपर बसों के खिलाफ कार्रवाई को केवल पंजाब तक सीमित बताना सही नहीं है।



यह मामला व्यापक स्तर पर बसों की सुरक्षा और नियमों के पालन से जुड़ा है। ढिल्लों ने आरोप लगाया कि केजरीवाल पंजाब के बुजुर्ग तीर्थयात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के बजाय मामले को राजनीतिक रंग देने में जुटे हैं। उन्होंने कहा कि तीर्थयात्रा जैसी योजना में यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा सबसे महत्वपूर्ण होनी चाहिए। इस विषय पर राजनीति करने के बजाय सरकार और संबंधित एजेंसियों को व्यवस्था में सुधार तथा यात्रियों की सुरक्षा पर ध्यान देना चाहिए। भाजपा नेता ने पंजाब सरकार पर बाहरी बस संचालकों को संरक्षण देने का भी आरोप लगाया। उनके अनुसार, स्लीपर बसों के संचालन से जुड़े नियमों और सुरक्षा मानकों को गंभीरता से लागू किया जाना चाहिए। किसी भी बस के संचालन में यात्रियों की जान की सुरक्षा सर्वोपरि है और नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई होनी चाहिए।

पराली से बिजली उत्पादन किसानों को मिलेगा प्रदूषण मुक्त विकल्प

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। खेतों में पराली जलाने से होने वाले वायु प्रदूषण को कम करने के लिए कृषि अवशेषों से बिजली बनाने का विकल्प प्रभावी साबित हो सकता है। पीजीआई और पंजाब विश्वविद्यालय (पीयू) के शोध के अनुसार, भारत में करीब 24 प्रतिशत कृषि अवशेष खेतों में जला दिए जाते हैं। इससे वायु गुणवत्ता प्रभावित होती है और लोगों के स्वास्थ्य के साथ पर्यावरण पर भी प्रतिकूल असर पड़ता है। शोध के मुताबिक, पराली जलाने से हर साल 8.23 लाख टन पीएम 2.5 उत्सर्जित होता है। इसके अलावा 211 मिलियन टन कार्बन डाईऑक्साइड के बराबर ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन होता है, जो जलवायु परिवर्तन की समस्या को बढ़ाता है।

परमिंदर झोटा को इंसाफ दिलाने के लिए 28 अक्तूबर को अरदास

भारतेंदु संवाददाता, अमृतसर। पंजाब में नशे के खिलाफ आवाज उठाते हुए जान गंवाने वाले परमिंदर सिंह झोटा को इंसाफ दिलाने और राज्य की जवानी को नशे से बचाने के उद्देश्य से 28 अक्टूबर को देश-विदेश के गुरुद्वारा साहिबान में अरदास की जाएगी। श्री अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार ज्ञानी कुलदीप सिंह गड़गज्ज ने समूचे गुरु खालसा पंथ से इस अरदास में शामिल होने की अपील की है।



जत्थेदार ने नशे के बढ़ते खतरे पर चिंता जताते हुए कहा कि पंजाब के युवाओं को नशे से बचाना पूरे समाज की जिम्मेदारी है। इसके लिए धार्मिक संस्थाओं, सामाजिक संगठनों और आम लोगों को मिलकर प्रयास करने होंगे। उन्होंने संगत से अपील की कि परमिंदर झोटा को इंसाफ दिलाने, पंजाब की चढ़दी कला और युवाओं के बेहतर भविष्य के लिए अरदास की जाए।

उन्होंने नशा बेचने वालों का पूर्ण सामाजिक बहिष्कार करने पर भी जोर दिया। जत्थेदार के अनुसार, नशे के कारोबार को रोकने के लिए समाज को स्पष्ट रुख अपनाना होगा। नशा बेचने वालों से किसी भी तरह का सामाजिक सहयोग नहीं किया जाना चाहिए। लोगों को अपने आसपास नशे के प्रसार के प्रति सतर्क रहना चाहिए और युवाओं को इससे दूर रखने के लिए सकारात्मक माहौल तैयार करना चाहिए।

एशियन चैंपियंस ट्रॉफी के लिए दक्षिण कोरियाई हॉकी टीम पहुंची मोहाली, ढोल-भंगड़े से हुआ जोरदार स्वागत

भारतेंदु संवाददाता, मोहाली। एशियन चैंपियंस ट्रॉफी-2026 में हिस्सा लेने पंजाब पहुंची दक्षिण कोरिया की पुरुष हॉकी टीम का रविवार को मोहाली स्थित शहीद भगत सिंह अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पंजाबी अंदाज में जोरदार स्वागत किया गया। खिलाड़ियों के स्वागत के लिए एयरपोर्ट पर विशेष इंतजाम किए गए और पंजाब की सांस्कृतिक परंपराओं की झलक देखने को मिली।

खिलाड़ियों के स्वागत में ढोल बजाए गए और स्थानीय कलाकारों ने भंगड़े की प्रस्तुति देकर माहौल को उत्साहपूर्ण बना दिया। रंग-बिरंगी फुलकारियां भेंट कर खिलाड़ियों का अभिनंदन किया गया। इस दौरान उन्हें पंजाब की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और यहां की मेहमाननवाजी से रूबरू करवाया गया। पारंपरिक स्वागत से खिलाड़ियों को प्रतियोगिता शुरू होने से पहले पंजाब के रंग और उत्साह का अनुभव मिला। इसके साथ ही एशियन चैंपियंस ट्रॉफी में भाग लेने वाली सभी छह टीमें पंजाब पहुंच चुकी हैं।



टूर्नामेंट को लेकर खेल प्रेमियों में उत्साह है। प्रतियोगिता में एशिया की शीर्ष पुरुष हॉकी टीमें खिताब जीतने के लिए मैदान में उतरेंगी। मुकाबलों के दौरान खिलाड़ियों के कौशल, रणनीति और टीमों के प्रदर्शन पर सबकी नजर रहेगी। एशियन चैंपियंस ट्रॉफी-2026 के मुकाबले 27 अक्टूबर से पांच नवंबर तक खेले जाएंगे। प्रतियोगिता के लिए जालंधर और मोहाली में दो प्रमुख हॉकी स्टेडियम निर्धारित किए गए हैं। जालंधर के ओलंपियन सुरजीत हॉकी स्टेडियम और मोहाली के ओलंपियन बलबीर सिंह सीनियर अंतरराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम में टीमें आमने-सामने होंगी।

दोनों शहरों में होने वाले मुकाबलों से पंजाब में हॉकी का माहौल बनने की उम्मीद है। प्रतियोगिता में हिस्सा लेने पहुंची टीमों के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिलेगी। एशिया की प्रमुख हॉकी टीमों के प्रदर्शन से दर्शकों को रोमांचक मुकाबले देखने का अवसर मिलेगा।

कार्रवाई गमाडा अधिकारियों और कंपनी निदेशकों पर एफआईआर दर्ज करने की मांग

मोहाली जमीन सौदे में 57 करोड़ की छूट पर विवाद गहराया

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। मोहाली में जमीन सौदे के दौरान बिल्डर को करीब 57 करोड़ रुपये की देनदारी में कथित राहत देने का मामला गरमा गया है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने इस मामले में ग्रेटर मोहाली एरिया डेवलपमेंट अथॉरिटी (गमाडा) के वरिष्ठ अधिकारियों और दिल्ली की कंपनी रेमिगेट बिल्डएस्टेट्स प्राइवेट लिमिटेड के निदेशकों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के लिए पंजाब पुलिस से संपर्क किया है।

एजेंसी जमीन सौदे में कथित अनियमितताओं और बकाया राशि में छूट दिए जाने की प्रक्रिया की जांच कर रही है। मामला मोहाली के सेक्टर-62 में स्थित 1.13 एकड़ की फूड कोर्ट साइट से जुड़ा है। इस साइट के बकाया भुगतान में कंपनी को दी गई राहत अब जांच के दायरे में है। ईडी यह पता लगाने में जुटी है कि कंपनी को इतनी बड़ी राशि की छूट किन परिस्थितियों में और किस प्रक्रिया के तहत दी गई थी। एजेंसी की कार्रवाई से गमाडा के अधिकारियों और संबंधित कंपनी के निदेशकों की मुश्किलें बढ़ सकती हैं।



सूत्रों के अनुसार, ईडी की कार्रवाई गमाडा के मुख्य अभियंता अजय गर्ग के बयान और जांच के दौरान जुटाए गए दस्तावेजों पर आधारित है। एजेंसी ने अगस्त में अजय गर्ग से पूछताछ की थी। पूछताछ के दौरान जमीन सौदे और बकाया राशि में राहत दिए जाने से संबंधित पहलुओं की जानकारी जुटाई गई। ईडी अब इस पूरे मामले में निर्णय लेने की प्रक्रिया की पड़ताल कर रही है। जांच का प्रमुख बिंदु यह है कि कंपनी को देनदारी में करीब 57 करोड़ रुपये की राहत देने का फैसला किस आधार पर लिया गया। एजेंसी संबंधित दस्तावेजों और अधिकारियों के बयानों के माध्यम से मामले की कड़ियों को जोड़ने का प्रयास कर रही है। जानकारी के अनुसार, कंपनी को बकाया राशि में राहत देने का फैसला गमाडा की उस बैठक में मंजूर किया गया था, जिसकी अध्यक्षता मुख्य सचिव-कम-गमाडा चेयरमैन केएपी सिन्हा ने की थी। अब इसी निर्णय और इससे जुड़ी प्रक्रिया की जांच की जा रही है। ईडी ने पंजाब पुलिस को पत्र लिखकर संबंधित अधिकारियों और कंपनी के निदेशकों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की है।

हालांकि, एफआईआर दर्ज होने और पुलिस की ओर से आगे की कार्रवाई के संबंध में उपलब्ध जानकारी में कोई अंतिम स्थिति स्पष्ट नहीं है। जांच एजेंसी की ओर से उठाया गया यह कदम मामले में आपराधिक पहलुओं की पड़ताल की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इस मामले में धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत भी जांच जारी है। खबर के अनुसार, मामले में कंपनी के एक प्रमोटर को गिरफ्तार किया जा चुका है।

फारूक अब्दुल्ला बोले-पाकिस्तान उठा रहा कश्मीरियों की आवाज, भाजपा ने जताया विरोध

फारूक अब्दुल्ला की टिप्पणी पर जम्मू-कश्मीर में सियासी टकराव, भाजपा-कांग्रेस आमने-सामने

भारतेन्दु संवाददाता, श्रीनगर

नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष और जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला के कश्मीर मुद्दे पर दिए गए बयान को लेकर राजनीतिक विवाद गहरा गया है। फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कश्मीर का मुद्दा उठाकर कश्मीरियों की रक्षा करने की कोशिश कर रहा है। उनके इस बयान के बाद भारतीय जनता पार्टी ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए इसे देशहित के विरुद्ध बताया और उनके रुख पर सवाल उठाए। वहीं, कांग्रेस ने भी पाकिस्तान की ओर से भारत के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप किए जाने का विरोध करते हुए फारूक अब्दुल्ला के बयान से दूरी बनाई है।

फारूक अब्दुल्ला की टिप्पणी के बाद जम्मू-कश्मीर की राजनीति में एक बार फिर पाकिस्तान की भूमिका और कश्मीर मुद्दे को लेकर बहस तेज हो गई है। भाजपा नेताओं ने उनके बयान पर आपत्ति जताते हुए कहा कि पाकिस्तान लंबे समय से कश्मीर के मुद्दे को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उठाता रहा है। भारत का स्पष्ट रुख रहा है कि जम्मू-कश्मीर देश का अभिन्न अंग है और इससे जुड़े मामलों में किसी बाहरी देश का हस्तक्षेप स्वीकार नहीं किया जा सकता। भाजपा नेताओं का कहना है कि पाकिस्तान की नीतियां क्षेत्र में शांति और स्थिरता के लिए चुनौती रही हैं। ऐसे में पाकिस्तान को कश्मीरियों के हितों का रक्षक बताना उचित नहीं है। उन्होंने फारूक अब्दुल्ला से सवाल किया कि क्या उन्हें पाकिस्तान की भूमिका और उसके इरादों पर भरोसा है।



भाजपा ने फारूक को शब्दों में संयम बरतने को कहा

भाजपा ने इस बयान को लेकर फारूक अब्दुल्ला की आलोचना करते हुए कहा कि सार्वजनिक जीवन में रहने वाले नेताओं को अपने शब्दों का चयन सोच-समझकर करना चाहिए। पार्टी नेताओं के अनुसार, कश्मीर जैसे संवेदनशील विषय पर दिए गए बयान का व्यापक राजनीतिक और कूटनीतिक प्रभाव पड़ सकता है। इसलिए इस मामले में राष्ट्रीय सुरक्षा और देश के हितों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। भाजपा का मानना है कि पाकिस्तान की ओर से कश्मीर का मुद्दा उठाया जाना भारत के आंतरिक मामलों में दखल देने का प्रयास है। दूसरी ओर, कांग्रेस ने भी स्पष्ट किया कि पाकिस्तान को भारत के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप करने का कोई अधिकार नहीं है। पार्टी के अनुसार, जम्मू-कश्मीर भारत का हिस्सा है और यहां से जुड़े मुद्दों पर निर्णय लेने का अधिकार भारत के पास है।

फारूक के बयान पर भाजपा का हमला, कांग्रेस ने दी सफाई

कांग्रेस ने फारूक अब्दुल्ला की टिप्पणी से दूरी बनाते हुए कहा कि किसी भी बाहरी देश को भारत की संप्रभुता और आंतरिक मामलों पर सवाल उठाने की अनुमति नहीं दी जा सकती। पार्टी ने यह भी स्पष्ट किया कि पाकिस्तान की ओर से कश्मीर के विषय को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उठाए जाने को भारत के घरेलू मामलों में हस्तक्षेप के रूप में देखा जाना चाहिए। फारूक अब्दुल्ला के बयान पर भाजपा और कांग्रेस की प्रतिक्रियाओं ने इस मुद्दे को राजनीतिक बहस के केंद्र में ला दिया है। एक ओर भाजपा ने उनकी टिप्पणी को देशहित के विरुद्ध बताते हुए आलोचना की, वहीं कांग्रेस ने पाकिस्तान के हस्तक्षेप का विरोध करते हुए अपनी स्थिति स्पष्ट की। इस घटनाक्रम ने जम्मू-कश्मीर के राजनीतिक वातावरण में नई चर्चा शुरू कर दी है। हालांकि, इस विवाद के बीच भारत की संप्रभुता और जम्मू-कश्मीर की स्थिति को लेकर विभिन्न दलों के रुख एक बार फिर सामने आए हैं। आने वाले दिनों में इस बयान पर राजनीतिक प्रतिक्रियाएं जारी रहने की संभावना है।

लेह-कारगिल में 38 वार्डों के लिए चुनावी प्रक्रिया शुरू

लद्दाख में चुनावी हलचल तेज, 21 नवंबर को मतदाता करेंगे मतदान

भारतेन्दु संवाददाता, लेह

लद्दाख में पंचायत और नगर निकाय चुनावों की घोषणा के बाद चुनावी गतिविधियां तेज हो गई हैं। लेह और कारगिल नगर समितियों के आम चुनाव आगामी 21 नवंबर को आयोजित किए जाएंगे। दोनों नगर समितियों के कुल 38 वार्डों में 3,365 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। निर्वाचन अधिकारी राहुल शर्मा की ओर से चुनाव कार्यक्रम पहले ही घोषित किया जा चुका है। इसके अनुसार, चुनाव प्रक्रिया 30 नवंबर तक पूरी कर ली जाएगी। चुनाव के दौरान लेह और कारगिल में मतदाता अपने प्रतिनिधियों का चयन करेंगे।

लेह नगर समिति में कुल 21 वार्ड हैं, जहां 2,720 मतदाता मतदान करेंगे। वहीं, कारगिल नगर समिति के 17 वार्डों में 645 मतदाता अपने मताधिकार का इस्तेमाल करेंगे। चुनाव जम्मू-कश्मीर नगरपालिका अधिनियम, 2000 और जम्मू-कश्मीर नगर समिति (निर्वाचन) नियम, 2003 के प्रावधानों के तहत करवाए जाएंगे। चुनाव की अधिसूचना 29 अक्टूबर को जारी होगी। नामांकन पत्र दाखिल करने की अंतिम तिथि पांच नवंबर निर्धारित की गई है। छह नवंबर को नामांकन पत्रों की जांच होगी, जबकि नौ नवंबर तक उम्मीदवार अपनी उम्मीदवारी वापस ले सकेंगे। इसी दिन चुनाव चिह्न भी आवंटित किए जाएंगे। इसके बाद चुनाव प्रचार और मतदान की तैयारियां तेज होंगी।



◆ **लेह में 2720 और कारगिल में 645 मतदाता चुनेंगे प्रतिनिधि**

इस बीच, लद्दाख स्वायत्त पहाड़ी विकास परिषद (एलएएचडीसी) के चुनावों को लेकर राज्य चुनाव आयोग और चुनाव प्राधिकरण के बीच समन्वय स्थापित करने के लिए रिग्जिन स्पलगोन को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। वह वर्तमान में अतिरिक्त जिला विकास आयुक्त और एकीकृत बाल विकास योजना के कार्यक्रम अधिकारी के रूप में कार्यरत हैं।

दूसरी ओर, लेह एपेक्स बॉडी (एलएबी) और कारगिल डेमोक्रेटिक अलायंस (केडीए) ने लद्दाख के संवैधानिक अधिकारों और राजनीतिक भविष्य से जुड़े मुद्दों को फिर उठाया है। दोनों संगठनों के पदाधिकारियों ने केंद्र सरकार के साथ प्रस्तावित बैठक में देरी पर सवाल उठाते हुए कहा कि लद्दाख के लोगों की मांगों पर गंभीरता से चर्चा नहीं हो रही है। एलएबी के सह-अध्यक्ष छेरिंग दोरजे के अनुसार, केंद्र सरकार और लद्दाख के प्रतिनिधियों के बीच मांगों को लेकर मतभेद बने हुए हैं। उन्होंने बताया कि इस संबंध में गृह मंत्रालय को मसौदा सौंपा गया है, लेकिन उस पर अपेक्षित चर्चा नहीं हुई है।

मंत्रियों के नाम तय, अब शपथ ग्रहण का इंतजार

अगले सप्ताह होगा उमर सरकार के मंत्रिमंडल का विस्तार, एलजी से मिले सीएम

भारतेन्दु संवाददाता, श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर में मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली सरकार के बहुप्रतीक्षित मंत्रिमंडल विस्तार की तैयारियां तेज हो गई हैं। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने शनिवार को उपराज्यपाल मनोज सिन्हा से मुलाकात के बाद घोषणा की कि अगले सप्ताह के शुरुआती दो से तीन दिनों में मंत्रिमंडल का विस्तार किया जाएगा। इसके लिए उन्होंने उपराज्यपाल से शपथ ग्रहण समारोह का समय निर्धारित करने का अनुरोध किया है। इस घोषणा के बाद प्रदेश के राजनीतिक गलियारों में संभावित मंत्रियों के नाम और विभागों में फेरबदल को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं।

उपराज्यपाल से मुलाकात के बाद पत्रकारों से बातचीत में मुख्यमंत्री ने बताया कि मंत्रिमंडल में शामिल किए जाने वाले सदस्यों की सूची नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष डॉ. फारूक अब्दुल्ला से विचार-विमर्श के बाद तैयार की गई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि मंत्रियों के चयन को लेकर निर्णय हो चुका है और अब शपथ ग्रहण की औपचारिक प्रक्रिया पूरी होनी बाकी है। उमर अब्दुल्ला ने पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं से मंत्री पद के लिए बायोडाटा भेजने तथा वाट्सऐप के माध्यम से सिफारिशें करने से भी बचने की अपील की।



पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच सऊदी अरब में फंसे जम्मू-कश्मीर सहित विभिन्न राज्यों के नागरिकों की परेशानियों पर मुख्यमंत्री ने कहा कि उड़ानें रद्द होने और हवाई किराये में भारी वृद्धि के कारण कई यात्रियों के लिए स्वदेश लौटने के टिकट खरीदना मुश्किल हो गया है। उन्होंने बताया कि इस मामले को विदेश मंत्रालय के समक्ष उठाया जा रहा है। जिन नागरिकों के पास वापसी का टिकट खरीदने के लिए पर्याप्त धन नहीं है, उनकी सहायता के लिए प्रदेश सरकार अपने बजट से धन उपलब्ध कराने का प्रयास करेगी। दंत चिकित्सकों के नियमन से जुड़े सवाल पर मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले यह स्पष्ट होना चाहिए कि मामला उपराज्यपाल प्रशासन के कार्य नियमों के दायरे में आता है या निर्वाचित सरकार के अधिकार क्षेत्र में। उन्होंने इस संबंध में संबंधित मंत्री सकीना इट्टू से जानकारी लेने की बात कही।

फर्जी दस्तावेज से बसे पाकिस्तानी नागरिकों पर क्राइम ब्रांच का शिकंजा

भारतेन्दु संवाददाता, जम्मू। जम्मू-कश्मीर क्राइम ब्रांच ने पाकिस्तानी नागरिकों के कथित अवैध प्रवास और फर्जी भारतीय पहचान दस्तावेज हासिल करने के मामलों में बड़ी कार्रवाई की है। स्पेशल क्राइम विंग जम्मू ने जम्मू संभाग के चार जिलों जम्मू, पुंछ, राजोरी और कठुआ में दर्ज आठ मामलों की जांच पूरी कर संबंधित अदालतों में आरोपपत्र दाखिल किए हैं। इन मामलों में 50 जीवित आरोपियों के खिलाफ चालान पेश किए गए हैं, जबकि 15 अन्य आरोपियों की मौत हो चुकी है।

क्राइम ब्रांच के अनुसार, जांच में सामने आया कि पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) के कई नागरिक वैध यात्रा दस्तावेजों के आधार पर 1970 के दशक के अंतिम वर्षों और उसके बाद भारत आए थे। निर्धारित अवधि समाप्त होने के बावजूद वे जम्मू संभाग के विभिन्न क्षेत्रों में रह रहे थे। आरोप है कि कुछ लोगों ने अपनी विदेशी नागरिकता छिपाकर धोखाधड़ी से भारतीय पहचान दस्तावेज हासिल किए। इनमें कुछ पर इन दस्तावेजों के आधार पर सरकारी विभागों में नौकरी प्राप्त करने का भी आरोप है।

जांच में पाकिस्तान के सिंध, लाहौर, गुजरांवाला और सरगोधा तथा पीओके के मीरपुर, रावलकोट और कोटली से मूल रूप से जुड़े परिवारों की पहचान हुई। ये परिवार जम्मू संभाग के अखनूर, मेंढर, थन्नामंडी, दरहाल और कठुआ में रह रहे थे। कथित साजिश में भूमिका सामने आने पर भारतीय जीवनसाथियों, परिवार के सदस्यों और अन्य लोगों को भी आरोपपत्र में शामिल किया गया।

क्राइम ब्रांच ने विभिन्न तारीखों पर आठ मामलों में अदालतों में आरोपपत्र दाखिल किए। अधिकारियों के अनुसार, मृत आरोपियों की भूमिका भी जांच में सामने आने पर रिकॉर्ड में दर्ज की गई है। मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई संबंधित अदालतों में जारी रहेगी।

उड़ी और कुपवाड़ा में सर्दियों से निपटने की तैयारी तेज

भारतेन्दु संवाददाता, श्रीनगर

कश्मीर की सर्दियां पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र होती हैं, लेकिन नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास रहने वाले लोगों के लिए यह मौसम कई चुनौतियां लेकर आता है। उत्तरी कश्मीर के उड़ी, कुपवाड़ा, करनाह, केरन और माछिल जैसे सीमावर्ती इलाकों में रहने वाले परिवारों को भारी बर्फबारी से पहले ही सर्दियों की तैयारियां शुरू करनी पड़ती हैं। इन क्षेत्रों में सड़कें बंद होने, तापमान में भारी गिरावट आने और आपात स्थिति में अस्पताल पहुंचने में होने वाली परेशानी को देखते हुए लोग राशन, जलाऊ लकड़ी और अन्य जरूरी सामान जुटाने में लग गए हैं। कई गांव दुर्गम पहाड़ी क्षेत्रों और खड़ी ढलानों पर बसे हैं, जहां सर्दियों में बिजली, पेयजल और परिवहन जैसी बुनियादी सुविधाएं बनाए रखना भी चुनौतीपूर्ण हो जाता है।

सीमावर्ती गांवों में सुरक्षा के लिए जरूरी हैं बंकर



सीमावर्ती गांवों में बंकर भी सुरक्षा व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। चरुंडा, गरकोट, नंबला और शादरा कमलकोट जैसे इलाकों में रहने वाले लोग गोलाबारी या अन्य आपात परिस्थितियों में इनका सहारा लेते हैं। हालांकि, कई परिवारों के लिए बंकरों तक पहुंचना आसान नहीं है। अंधेरे, बारिश और बर्फबारी के दौरान दूर स्थित बंकरों तक पहुंचने में काफी कठिनाई होती है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि बंकरों की मरम्मत, उनकी उपलब्धता और घरों से सुरक्षित आश्रय स्थलों तक पहुंचने के रास्तों को बेहतर बनाने की जरूरत है। कुपवाड़ा जिले के करनाह, केरन और माछिल जैसे दूरदराज के क्षेत्रों में भारी हिमपात के कारण सड़क संपर्क प्रभावित होने की आशंका बनी रहती है। इससे स्वास्थ्य सेवाओं, शिक्षण संस्थानों और बाजारों तक पहुंचना कठिन हो जाता है।

उड़ी के चरुंडा गांव के निवासी करामत हुसैन खान के अनुसार, सर्दियां शुरू होने से पहले ही खाने-पीने की वस्तुओं और जलाऊ लकड़ी का पर्याप्त इंतजाम करना पड़ता है। बर्फबारी के बाद सड़कें फिसलन भरी हो जाती हैं और कई बार आवाजाही पूरी तरह बंद हो जाती है।

जम्मू: रियासी में दो सड़क हादसों में सात लोग घायल



भारतेन्दु संवाददाता, जम्मू। जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में रविवार को दो अलग-अलग सड़क हादसों में सात लोग घायल हो गए। दोनों दुर्घटनाओं के बाद घायलों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। पहली दुर्घटना रविवार सुबह गीतानगर सड़क मार्ग पर हुई, जहां एक ऑटो और बाइक के बीच जोरदार टक्कर हो गई।

हादसे में बाइक सवार दो युवक घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। वहीं, दूसरी दुर्घटना ज्योतिपुरम स्थित सलाल परियोजना कॉलोनी के मुख्य द्वार के बाहर हुई।

जानकारी के अनुसार, अरनास की ओर से आ रही एक मिनी बस अचानक अनियंत्रित होकर टकरा गई। इस हादसे में करीब पांच लोग घायल हो गए। दोनों दुर्घटनाओं में कुल सात लोगों के घायल होने की सूचना है। पुलिस हादसों के कारणों की जांच कर रही है।

कश्मीर के पर्यटन स्थलों पर मौसम की पहली ठंड

भारतेन्दु संवाददाता, श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के प्रमुख पर्यटन स्थलों पहलगाम और गुलमर्ग में इस मौसम का पहला शून्य से नीचे का न्यूनतम तापमान दर्ज किया गया है। मौसम में बढ़ती ठंड के बीच पहलगाम में न्यूनतम तापमान माइनस 0.3 डिग्री सेल्सियस और गुलमर्ग में माइनस 0.4 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। इससे घाटी के ऊंचाई वाले क्षेत्रों में सर्दी का असर बढ़ने लगा है। मौसम विभाग के अनुसार, श्रीनगर में न्यूनतम तापमान 2.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि काजीगुंड में तापमान शून्य डिग्री सेल्सियस रहा। कोकरनाग में न्यूनतम तापमान 3.4 डिग्री और बनिहाल में 3.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। विभाग ने बताया कि 24 अक्टूबर को अधिकांश मौसम केंद्रों पर अधिकतम तापमान सामान्य से नीचे रहा। गुलमर्ग में अधिकतम तापमान सामान्य से 5.6 डिग्री और कोकरनाग में 5.2 डिग्री सेल्सियस कम दर्ज किया गया।

हर जिले से निकल सकता है मैराथन चैंपियन: सिन्हा



भारतेन्दु संवाददाता, श्रीनगर। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने रविवार को कहा कि कश्मीर मैराथन स्थानीय खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ने के अवसर प्रदान कर रही है। उन्होंने विश्वास जताया कि जम्मू-कश्मीर के धावक जल्द ही राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अपनी पहचान बनाएंगे। श्रीनगर के पोलो व्यू ग्राउंड में कश्मीर मैराथन-2026 के पुरस्कार वितरण समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि प्रदेश के प्रत्येक जिले में प्रतिभाशाली धावक मौजूद हैं। अनंतनाग, पुलवामा और बडगाम जैसे जिलों से भी भविष्य में मैराथन चैंपियन उभर सकते हैं। सिन्हा ने विजेताओं को बधाई देते हुए उन प्रतिभागियों की भी सराहना की, जिन्होंने पदक नहीं जीता, लेकिन दृढ़ संकल्प के साथ दौड़ पूरी की। उन्होंने कहा कि फिनिश लाइन तक पहुंचने वाले सभी धावक सम्मान के हकदार हैं। कश्मीर मैराथन ने प्रतिभा और अवसरों के बीच की दूरी कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

श्रीनगर में छत्तीसगढ़ निवासी सीआरपीएफ जवान ने की आत्महत्या, पुलिस जांच में जुटी

भारतेन्दु संवाददाता, श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर की ग्रीष्मकालीन राजधानी श्रीनगर के बाहरी क्षेत्र एचएमटी जैनकोट में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के एक जवान की आत्महत्या का मामला सामने आया है। शनिवार सुबह सीआरपीएफ की 44वीं वाहिनी के शिविर में जवान ने कथित तौर पर अपनी सर्विस राइफल से खुद को गोली मार ली। घटना के बाद शिविर में हड़कंप मच गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

अधिकारियों के अनुसार, शनिवार सुबह शिविर में गोली चलने की आवाज सुनकर अन्य जवान मौके पर पहुंचे। वहां उन्होंने एक जवान को खून से लथपथ हालत में पड़ा देखा। इसके बाद उन्होंने तुरंत अपने वरिष्ठ अधिकारियों को घटना की सूचना दी और घायल जवान को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया। हालांकि, अस्पताल में चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

मृतक की पहचान कांस्टेबल गजेंद्र कुमार दुग्गा के रूप में हुई है। वह छत्तीसगढ़ के टेकाधोडा खलारी डोंडी क्षेत्र का निवासी था। उसके पिता का नाम हजारी राम दुग्गा बताया गया है। अधिकारियों के मुताबिक, जवान ने कथित तौर पर अपनी सर्विस राइफल से सिर में गोली मारी थी।

घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। मामले के सभी पहलुओं की जांच की जा रही है, ताकि जवान की मौत के कारणों का पता लगाया जा सके। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि जवान ने यह कदम किन परिस्थितियों में उठाया।

दो करोड़ के निवेश घोटाले में चार्जशीट

ईओडब्ल्यू कश्मीर की कार्रवाई, निवेश धोखाधड़ी में चार्जशीट दाखिल

भारतेन्दु संवाददाता, श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर क्राइम ब्रांच के आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ (ईओडब्ल्यू) कश्मीर ने दो करोड़ रुपये के कथित निवेश धोखाधड़ी मामले में आरोपी के खिलाफ श्रीनगर की फॉरेस्ट मजिस्ट्रेट अदालत में आरोपपत्र दाखिल किया है। आरोपी की पहचान बडगाम जिले के चरार-ए-शरीफ स्थित आलमदार कॉलोनी निवासी जुनैद उल इस्लाम के रूप में हुई है। उसके खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 420 के तहत प्राथमिकी संख्या 07/2025 दर्ज की गई थी।

जांच एजेंसी के अनुसार, मामले की शुरुआत शिकायतकर्ताओं की लिखित शिकायत से हुई। आरोप है कि जुनैद उल इस्लाम ने खुद को बेंगलुरु की ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन से जुड़ा बताकर निवेश के लिए लोगों से संपर्क किया। उसने निवेश पर हर महीने 10 प्रतिशत मुनाफा देने का भरोसा दिलाया। इस लालच में कई लोगों ने उसे लगभग दो करोड़ रुपये सौंप दिए। शिकायतकर्ताओं का आरोप है कि रकम लेने के बाद आरोपी बेंगलुरु चला गया और उससे संपर्क नहीं हो पाया।



जांच के दौरान ईओडब्ल्यू ने आरोपी से जुड़े बैंक खातों में बड़ी रकम के लेनदेन का पता लगाया। एजेंसी के मुताबिक, आरोपी वास्तविक निवेश गतिविधियों का प्रमाण नहीं दे सका और न ही शिकायतकर्ताओं से प्राप्त धन का संतोषजनक हिसाब प्रस्तुत कर पाया। जांच में दोनों पक्षों के बीच हुए समझौतों और भुगतान के लिए दिए गए चेक की भी पड़ताल की गई। इनमें से कुछ चेक पर्याप्त धनराशि नहीं होने के कारण बाउंस हो गए।

मैराथन गोद में बच्चा लेकर मैराथन में दौड़ीं गुजरात की कुलसुम, अनोखे जज्बे से जीता सबका दिल

कश्मीर इंटरनेशनल मैराथन में केन्याई धावकों का दबदबा

भारतेन्दु संवाददाता, श्रीनगर

कश्मीर में रविवार को आयोजित तीसरी कश्मीर इंटरनेशनल मैराथन में केन्या के धावकों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पुरुष और महिला फुल मैराथन के खिताब अपने नाम किए। इस अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजन में देश-विदेश से आए धावकों ने अपनी प्रतिभा और दमखम का प्रदर्शन किया। हालांकि, प्रतियोगिता में केन्याई धावकों की सफलता के साथ गुजरात की कुलसुम और उत्तर प्रदेश के सहारनपुर निवासी दिव्यांग धावक शिवम कुमार भी आकर्षण का केंद्र रहे। दोनों ने अपने हौसले और दृढ़ संकल्प से लोगों को प्रेरित किया।

पुरुष फुल मैराथन वर्ग में केन्या के कनाब कालोब ओमोलो ने पहला स्थान हासिल किया, जबकि महिला फुल मैराथन में केन्या की लेमेंसा हरपा ने बाजी मारी। दोनों धावकों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रतियोगिता में अपनी श्रेष्ठता साबित की। केन्याई खिलाड़ियों की इस उपलब्धि ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उनकी मजबूत धावक परंपरा को एक बार फिर प्रदर्शित किया। प्रतियोगिता में शामिल अन्य धावकों ने भी पूरे उत्साह के साथ दौड़ में हिस्सा लिया और खेल भावना का परिचय दिया।

◆ **मैराथन में खेल भावना की दिखी अनूठी मिसाल**

मैराथन के दौरान गुजरात की कुलसुम ने अपने अनोखे जज्बे से सभी का ध्यान आकर्षित किया। वह अपने बच्चे को गोद में लेकर दौड़ती नजर आईं। उनका यह प्रयास लोगों के लिए प्रेरणा का स्रोत बना। कुलसुम ने यह संदेश दिया कि दृढ़ इच्छाशक्ति और आत्मविश्वास के साथ कठिन परिस्थितियों में भी अपने लक्ष्य की ओर कदम बढ़ाए जा सकते हैं। उनकी भागीदारी ने प्रतियोगिता को एक भावनात्मक और प्रेरणादायक पहलू भी प्रदान किया।



वहीं, उत्तर प्रदेश के सहारनपुर निवासी दिव्यांग धावक शिवम कुमार ने भी अपने साहस से लोगों का दिल जीत लिया। दोनों हाथ नहीं होने के बावजूद उन्होंने मैराथन में हिस्सा लिया और अपने संकल्प का परिचय दिया। शिवम की भागीदारी ने यह दिखाया कि शारीरिक चुनौतियां किसी व्यक्ति के हौसले और आगे बढ़ने की इच्छा को रोक नहीं सकतीं। उनका प्रयास दूसरे लोगों के लिए भी प्रेरणादायक रहा।

तीसरी कश्मीर इंटरनेशनल मैराथन में एक ओर जहां केन्याई धावकों ने अपने प्रदर्शन से खिताब हासिल किए, वहीं कुलसुम और शिवम ने अपनी दृढ़ इच्छाशक्ति से खेल आयोजन को विशेष बना दिया। इस प्रतियोगिता ने खेलों के माध्यम से प्रतिभा, साहस, आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच का संदेश दिया। मैराथन में खिलाड़ियों की उपलब्धियों के साथ इन दोनों प्रतिभागियों के प्रयासों ने यह साबित किया कि असली जीत केवल पदक हासिल करना नहीं, बल्कि अपने हौसले से दूसरों को प्रेरित करना भी है।

सरदार पटेल के

सपनों का भारत, एकता से बनेगा मजबूत राष्ट्र

राष्ट्रीय एकता केवल देश की सीमाओं की सुरक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका वास्तविक अर्थ देश के प्रत्येक नागरिक में समानता, आपसी विश्वास और राष्ट्र के प्रति अपनत्व की भावना को मजबूत करना है। भारत जैसे विविधताओं से भरे देश में भाषाओं, संस्कृतियों, परंपराओं और क्षेत्रीय पहचानों का सम्मान करते हुए सामाजिक समरसता बनाए रखना बेहद जरूरी है। सरदार वल्लभभाई पटेल ने स्वतंत्रता के बाद देशी रियासतों के एकीकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाकर आधुनिक भारत की एकता की मजबूत नींव रखी थी। उनके इसी योगदान को स्मरण करने के लिए वर्ष 2014 से 31 अक्टूबर को उनकी जयंती राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाया जाता है। यह अवसर देश की अखंडता, सुरक्षा और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को समझने का संदेश देता है।

वर्ष 1947 में स्वतंत्रता के समय भारत के सामने सैकड़ों देशी रियासतों को भारतीय संघ में शामिल करने की चुनौती थी। सरदार पटेल ने अपनी राजनीतिक दूरदर्शिता, दृढ़ इच्छाशक्ति और कूटनीतिक प्रयासों से इस चुनौती का सामना किया। वीपी मेनन सहित अन्य अधिकारियों के सहयोग से उन्होंने अधिकांश रियासतों के एकीकरण में निर्णायक भूमिका निभाई। उनका योगदान केवल राजनीतिक सीमाओं को जोड़ने तक सीमित नहीं था, बल्कि इसने एक मजबूत और संगठित राष्ट्र के निर्माण का मार्ग भी प्रशस्त किया। आज परिस्थितियां बदल चुकी हैं, लेकिन विविधताओं के बीच साझा राष्ट्रीय उद्देश्य को मजबूत बनाए रखने की आवश्यकता बनी हुई है।

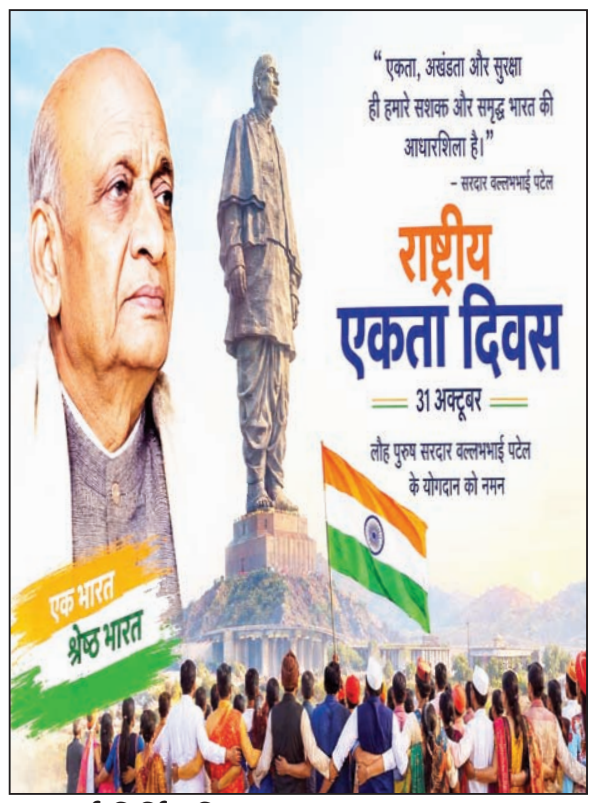
वर्तमान समय में राष्ट्रीय एकता को मजबूत करने के लिए समावेशी विकास सबसे महत्वपूर्ण आधार है। सड़क, रेल, शिक्षा, स्वास्थ्य, डिजिटल संपर्क और रोजगार के अवसरों का विस्तार दूरदराज के क्षेत्रों को मुख्यधारा से जोड़ता है। विशेष रूप से सीमावर्ती और पूर्वोत्तर राज्यों में बुनियादी सुविधाओं का विकास स्थानीय लोगों के जीवन स्तर में सुधार लाने के साथ राष्ट्र के प्रति विश्वास भी बढ़ाता है। हालांकि, केवल आर्थिक विकास के आंकड़ों और बड़ी परियोजनाओं से एकता सुनिश्चित नहीं हो सकती। इसके लिए जरूरी है कि विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे और प्रत्येक नागरिक को समान अवसर उपलब्ध हों।



सुरेश राज्टा
वरिष्ठ पत्रकार,शिमला

केंद्र और राज्य सरकारों के बीच बेहतर समन्वय भी राष्ट्रीय एकता की महत्वपूर्ण शर्त है। भारत में विभिन्न राज्यों की आर्थिक परिस्थितियां और क्षेत्रीय आवश्यकताएं अलग-अलग हैं। ऐसे में सहकारी संघवाद के माध्यम से राज्यों की जायज मांगों, स्थानीय पहचान और संवैधानिक अधिकारों का सम्मान किया जाना चाहिए। राजनीतिक मतभेद लोकतंत्र का स्वाभाविक हिस्सा हैं, लेकिन उनका समाधान संवाद और संवैधानिक व्यवस्था के माध्यम से होना चाहिए। मजबूत भारत के निर्माण के लिए केंद्र और राज्यों को मिलकर काम करना होगा।

भारत की विविधता उसकी सबसे बड़ी ताकत है। विभिन्न भाषाओं, संस्कृतियों और परंपराओं को सम्मान देना राष्ट्रीय एकता को मजबूत करता है। हालांकि, सोशल मीडिया पर गलत सूचनाओं, नफरत और ध्रुवीकरण का प्रसार सामाजिक विश्वास के लिए चुनौती बन सकता है। इसलिए जिम्मेदार संवाद, तथ्यों पर आधारित चर्चा और एक-दूसरे के विचारों के प्रति सम्मान आवश्यक है। युवाओं के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान और विभिन्न राज्यों की परंपराओं से परिचित कराने वाले कार्यक्रम भी राष्ट्रीय एकता की भावना को बढ़ावा देते हैं।



एआई निर्मित चित्र।

राष्ट्रीय एकता का संबंध सुरक्षा के साथ-साथ सामाजिक न्याय और आर्थिक समानता से भी है। शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और निर्णय प्रक्रिया में समान अवसर मिलने से नागरिकों का लोकतांत्रिक व्यवस्था पर विश्वास मजबूत होता है। सरदार पटेल की विरासत का वास्तविक सम्मान तभी होगा, जब देश में सामाजिक सद्भाव, राज्यों के बीच सहयोग और समावेशी विकास को प्राथमिकता मिले। राष्ट्रीय एकता दिवस केवल अतीत की उपलब्धियों को याद करने का अवसर नहीं, बल्कि विविधताओं का सम्मान करते हुए एक मजबूत, समृद्ध और संगठित भारत के निर्माण का संकल्प लेने का दिन भी है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

सऊदी अरब में व्यभिचार के जुर्म में फांसी से उपजे सवाल

सऊदी अरब की अल मजाल कंपनी में काम करने वाले बांग्लादेश के दो नागरिकों, नजरुल इस्लाम अब्दुल बासिर (22) और स्वीटी अख्तर को गत 14 अक्टूबर को मक्का क्षेत्र में मृत्युदंड दिए जाने की घटना ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चर्चा छेड़ दी है। नजरुल इस्लाम बांग्लादेश के ब्राह्मणबाड़िया जिले के रहने वाले थे, जबकि स्वीटी अख्तर तंगाइल जिले की निवासी थीं। दोनों वर्ष 2022 के अंत में सऊदी अरब पहुंचे थे और वहां सफाई कर्मचारी के रूप में काम करते थे। मई 2023 में सऊदी पुलिस ने उन्हें मक्का की एक मस्जिद के परिसर में कथित अनैतिक कृत्य करने के आरोप में गिरफ्तार किया था। लगभग 39 महीने जेल में रहने और न्यायिक प्रक्रिया के बाद उन्हें मृत्युदंड दिया गया।

सऊदी गृह मंत्रालय के अनुसार, मामले की जांच की गई और निचली अदालत में सुनवाई के बाद उच्च न्यायिक पैनल ने भी सजा को बरकरार रखा। इसके बाद शाही आदेश से सजा लागू की गई। सऊदी अरब में मक्का और वहां की मस्जिदों को इस्लाम धर्म में अत्यंत पवित्र माना जाता है। वहां की न्याय व्यवस्था के अनुसार, पवित्र स्थलों की मर्यादा का उल्लंघन गंभीर अपराध माना जाता है। इस मामले में ताजीर के तहत मृत्युदंड दिए जाने की बात सामने आई है। हालांकि, इस कठोर सजा ने अपराध, न्याय और मानवाधिकारों के बीच संतुलन को लेकर गंभीर सवाल खड़े किए हैं।

इस घटना का सबसे विवादास्पद पहलू यह है कि बांग्लादेश सरकार और जेद्दा स्थित बांग्लादेशी महावाणिज्य दूतावास को कथित तौर पर मृत्युदंड दिए जाने से पहले इसकी जानकारी नहीं थी। बांग्लादेश के अनुसार, विदेशी नागरिकों की गिरफ्तारी और उन्हें दी जाने वाली सजा के मामलों में संबंधित देश के दूतावास को सूचित करना महत्वपूर्ण है। इसी संदर्भ में वियना कन्वेंशन ऑन कांसुलर रिलेशंस के प्रावधानों को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं। बांग्लादेश ने सऊदी अरब से अदालती फैसलों की प्रतियां, आरोपों का पूरा विवरण और बिना पूर्व सूचना के सजा लागू करने का कारण मांगा है।



एआई निर्मित चित्र।



तनवीर जाफरी

इस घटनाक्रम से दोनों देशों के बीच कूटनीतिक तनाव बढ़ने की आशंका है। बांग्लादेश में भी इस मामले को लेकर दुख और आक्रोश व्यक्त किया जा रहा है। एमनेस्टी इंटरनेशनल और ह्यूमन राइट्स वॉच जैसे मानवाधिकार संगठनों ने सऊदी अरब में मृत्युदंड की प्रक्रिया, न्यायिक पारदर्शिता और आरोपियों को मिलने वाली कानूनी सहायता पर सवाल उठाए हैं। उनका मानना है कि किसी भी व्यक्ति को मृत्युदंड देने से पहले निष्पक्ष सुनवाई, उचित कानूनी प्रतिनिधित्व और बचाव के पर्याप्त अवसर सुनिश्चित किए जाने चाहिए।

यह मामला इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि सऊदी अरब में बड़ी संख्या में बांग्लादेशी प्रवासी मजदूर काम करते हैं। उनकी मेहनत से भेजी जाने वाली धनराशि बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान देती है। ऐसे में बांग्लादेश के सामने अपने नागरिकों के अधिकारों और सुरक्षा की रक्षा करने के साथ सऊदी अरब के साथ आर्थिक एवं धार्मिक संबंध बनाए रखने की चुनौती है।

निस्संदेह, धार्मिक स्थलों की पवित्रता और कानून का सम्मान आवश्यक है, लेकिन न्याय व्यवस्था में पारदर्शिता, मानवीय गरिमा और निष्पक्ष सुनवाई भी उतनी ही महत्वपूर्ण हैं। अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार मानकों के अनुसार मृत्युदंड का उपयोग अत्यंत सीमित परिस्थितियों में ही किया जाना चाहिए। कथित अनैतिक कृत्य या व्यभिचार जैसे आरोपों में मृत्युदंड दिए जाने पर गंभीर नैतिक और कानूनी बहस होती रही है। किसी भी देश की संप्रभुता का सम्मान करते हुए यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि न्यायिक प्रक्रिया निष्पक्ष हो और प्रत्येक व्यक्ति के मूल अधिकारों की रक्षा की जाए।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

बदलते परिवेश में हिमाचल की सांस्कृतिक विरासत पर संकट

आधुनिकता की दौड़ में विलुप्त होती ग्रामीण संस्कृति

कभी-कभी अनायास ही बदलते परिवेश और आधुनिक जीवन व्यवहार, मानवीय संवेदनशीलता और पारिवारिक और सामाजिक पृष्ठभूमि में हो रहे परिवर्तन सोचने पर मजबूर कर देते हैं कि आगामी कुछ वर्षों में जीवन का अर्थ और अस्तित्व क्या होगा। पर्यावरण और प्रकृति का बदलता स्वरूप, जीवनशैली और व्यवहार के बदलते पैमाने ,मानवीय संवेदना में निरंतर गिरावट निस्संदेह आज यह सोचने पर मजबूर कर देते हैं कि भावी पीढ़ी का जीवन और जीवन की गुणवत्ता कैसी होगी।



एआई निर्मित चित्र।

हिमाचल प्रदेश को देवभूमि कहा जाता है। यहां की पहचान केवल ऊंचे पर्वतों, बर्फ से ढकी चोटियों और प्राकृतिक सौंदर्य से ही नहीं, बल्कि उसकी समृद्ध ग्रामीण संस्कृति, लोक परंपराओं, भाईचारे और प्रकृति के साथ सामंजस्यपूर्ण जीवन शैली से रही है। कभी हिमाचल के गांव केवल रहने का स्थान नहीं होते थे, बल्कि वे संस्कृति, संस्कार और सामूहिक जीवन के जीवंत केंद्र हुआ करते थे। आज आधुनिकता की तेज रफ्तार में वही ग्रामीण संस्कृति धीरे-धीरे विलुप्त होती दिखाई दे रही है। यह परिवर्तन केवल जीवनशैली का बदलाव नहीं, बल्कि हमारी जड़ों से दूर होने की चेतावनी भी है।

एक समय था जब हिमाचल के गांवों में जीवन प्रकृति की लय के साथ चलता था। सुबह का आरंभ मंदिर की घंटियों, पशुओं की आवाज़ों और चश्मों के निर्मल जल से होता था। प्राकृतिक चश्मों का पानी केवल प्यास बुझाने का साधन नहीं था, बल्कि वह जीवन की शुद्धता और प्रकृति से जुड़ाव का प्रतीक था। आज वही चश्मे सूख रहे हैं या उपेक्षित पड़े हैं। पाइपलाइन और बोतलबंद पानी ने सुविधा तो दी, पर प्रकृति से हमारा रिश्ता कमजोर कर दिया। ग्रामीण संस्कृति की सबसे बड़ी पहचान थी — भाईचारा और सामूहिकता। किसी के घर शादी हो, निर्माण कार्य हो या कोई संकट — पूरा गांव एक परिवार बन जाता था। 'सेवा' और 'सहयोग' शब्द व्यवहार में दिखाई देते थे। आज मोबाइल और सोशल मीडिया ने लोगों को जोड़ने के बजाय कई बार अलग-थलग कर दिया है। पड़ोसी का हाल पूछने की जगह लोग स्क्रीन पर व्यस्त रहते हैं।



विक्रम वर्मा

पहले जहां चौपालों में बैठकर बुजुर्ग जीवन अनुभव साझा करते थे, आज वे परंपराएं लगभग समाप्त हो चुकी हैं। हिमाचल की लोक संस्कृति का सबसे सुंदर पक्ष उसके तीज-त्योहार और लोक उत्सव थे। फागली, लोहड़ी, बैसाखी, सैर, और स्थानीय देव मेलों में पूरा गांव एकत्र होता था। लोकगीतों की धुन, नाटी नृत्य की ताल और पारंपरिक वेशभूषा में झलकती सांस्कृतिक पहचान लोगों को जोड़ती थी। आज त्योहार औपचारिकता बनते जा रहे हैं। आधुनिक मनोरंजन और व्यस्त जीवनशैली ने सामूहिक उत्सवों की आत्मीयता को कम कर दिया है। त्योहारों की खुशी अब सोशल मीडिया पोस्ट तक सीमित होती जा रही है। एक और महत्वपूर्ण परिवर्तन भोजन और जीवनशैली में आया है।

पहले ग्रामीण जीवन में स्थानीय अनाज — मक्की, जौ, मंडुवा, राजमा और देसी सब्जियां प्रमुख थीं। ये केवल भोजन नहीं, बल्कि स्वास्थ्य और आत्मनिर्भरता का आधार थे। आज फास्ट फूड और बाजार पर निर्भरता बढ़ने से पारंपरिक खानपान पीछे छूट रहा है। इसके परिणामस्वरूप स्वास्थ्य समस्याएं भी बढ़ रही हैं। आधुनिकता स्वयं में गलत नहीं है, लेकिन समस्या तब उत्पन्न होती है जब हम आधुनिकता अपनाते हुए अपनी पहचान ही भूल जाते हैं। यदि संस्कृति समाप्त हो जाए तो विकास केवल भौतिक रह जाता है, उसमें आत्मा नहीं बचती।

समय आ गया है कि हम आधुनिकता के साथ अपनी जड़ों को भी थामे रखें। फिर से चश्मों का पानी बहे, चौपालों में हंसी गूंजे, त्योहारों में सामूहिक नृत्य हो और गांव फिर से परिवार बन जाएं — यही हिमाचल की आत्मा का पुनर्जागरण होगा। संस्कृति को बचाना किसी एक व्यक्ति का कार्य नहीं, बल्कि सामूहिक संकल्प है। जब हर गांव, हर परिवार और हर युवा यह ठान ले कि अपनी परंपराओं को जीवित रखना है, तब हिमाचल की विलुप्त होती पहचान फिर से मुस्कुराने लगेगी। सही मायनों में सच्चा विकास वहीं होता है जहां आधुनिकता भी हो और अपनी मिट्टी की खुशबू है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

संपादकीय

अपनी जड़ों को कभी न भूलें

जीवन में सफलता हासिल करना हर व्यक्ति का सपना होता है। कोई अच्छी नौकरी पाना चाहता है, तो कोई बड़ा व्यवसाय खड़ा करना चाहता है। कोई शिक्षा के क्षेत्र में नाम कमाना चाहता है, तो कोई अपनी प्रतिभा के दम पर दुनिया में पहचान बनाना चाहता है। इन सपनों को पूरा करने के लिए व्यक्ति दिन-रात मेहनत करता है, संघर्ष करता है और अनेक कठिनाइयों का सामना करता है। सफलता मिलने के बाद जीवन में कई बदलाव आते हैं। रहन-सहन बदल जाता है, लोगों के बीच पहचान बढ़ जाती है और समाज में सम्मान मिलने लगता है। लेकिन इन सबके बीच एक बात हमेशा याद रखनी चाहिए कि अपनी जड़ों को कभी नहीं भूलना चाहिए, क्योंकि वही हमारी पहचान और हमारे व्यक्तित्व की असली नींव होती हैं।

किसी भी पेड़ की मजबूती उसकी जड़ों पर निर्भर करती है। पेड़ कितना भी ऊंचा क्यों न हो जाए, यदि उसकी जड़ें कमजोर हो जाएं तो वह तेज हवा और तूफान का सामना नहीं कर सकता। ठीक इसी तरह मनुष्य का जीवन भी उसकी जड़ों से जुड़ा होता है। हमारा परिवार, गांव, समाज, संस्कृति, भाषा और वे लोग, जिन्होंने कठिन समय में हमारा साथ दिया, हमारी जड़ों का हिस्सा हैं। यही हमें जीवन के शुरुआती सबक सिखाते हैं और आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं।

बचपन में माता-पिता हमें सही और गलत का अंतर समझाते हैं। परिवार के बड़े-बुजुर्ग जीवन के अनुभव साझा करते हैं। शिक्षक हमें ज्ञान देते हैं और समाज हमें दूसरों के साथ मिलकर रहने की सीख देता है। जब हम जीवन में आगे बढ़ते हैं, तो अक्सर इन छोटी-छोटी बातों का महत्व समझ नहीं पाते। लेकिन समय के साथ यही संस्कार हमारे निर्णयों, व्यवहार और व्यक्तित्व में दिखाई देते हैं।

आज के दौर में सफलता को अक्सर धन, पद, प्रतिष्ठा और लोकप्रियता से जोड़कर देखा जाता है। व्यक्ति जितना अधिक सफल होता है, लोग उसे उतना ही अधिक महत्व देने लगते हैं। ऐसे में कई बार व्यक्ति अपने पुराने परिचितों, संघर्ष के दिनों और उन लोगों को भूलने लगता है, जिन्होंने उसकी यात्रा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। यही वह समय होता है, जब उसे अपनी जड़ों की अहमियत समझने की जरूरत होती है।

सच्ची सफलता केवल ऊंचे पद पर पहुंचने या अधिक धन कमाने में नहीं है। असली सफलता यह है कि व्यक्ति आगे बढ़ने के बाद भी अपने व्यवहार में विनम्रता बनाए रखे। वह अपने माता-पिता का सम्मान करे, अपने शिक्षकों को याद रखे और जरूरत पड़ने पर दूसरों की मदद के लिए आगे आए। जिस व्यक्ति के पास उपलब्धियां तो हैं, लेकिन अपने लोगों के लिए सम्मान नहीं है, उसकी सफलता अधूरी मानी जा सकती है।

विनम्रता व्यक्ति को छोटा नहीं बनाती, बल्कि उसके व्यक्तित्व को और अधिक प्रभावशाली बनाती है। अपनी उपलब्धियों पर गर्व करना गलत नहीं है, लेकिन उस गर्व को अहंकार में बदलने से बचना चाहिए।

अपनी जड़ों को याद रखने का अर्थ केवल परिवार के प्रति जिम्मेदारियां निभाना नहीं है। इसका अर्थ अपनी भाषा, संस्कृति, परंपराओं और सामाजिक मूल्यों को भी महत्व देना है। आज शिक्षा, रोजगार और बेहतर अवसरों की तलाश में युवा अपने गांवों और छोटे शहरों से निकलकर बड़े महानगरों तथा दूसरे देशों तक पहुंच रहे हैं। यह प्रगति का स्वाभाविक हिस्सा है। नए अवसरों को अपनाना और दुनिया के साथ कदम मिलाकर चलना जरूरी है, लेकिन इसके साथ अपनी पहचान को बनाए रखना भी उतना ही महत्वपूर्ण है।

अपनी मातृभाषा बोलने में संकोच नहीं होना चाहिए। त्योहारों और पारिवारिक परंपराओं से जुड़े रहना चाहिए। अपने क्षेत्र की संस्कृति, लोककला और सामाजिक विरासत को समझना चाहिए। आधुनिकता अपनाने का अर्थ अपनी पुरानी पहचान को छोड़ देना नहीं है। हम नई तकनीक, नए विचार और नई जीवनशैली अपना सकते हैं, फिर भी अपनी सांस्कृतिक विरासत को सुरक्षित रख सकते हैं।

विशेष रूप से युवाओं के लिए यह समझना जरूरी है कि अपनी जड़ों से जुड़ाव उन्हें पीछे नहीं ले जाता, बल्कि उन्हें एक मजबूत पहचान प्रदान करता है। जीवन हमेशा एक जैसा नहीं रहता। कभी सफलता मिलती है, तो कभी असफलता का सामना करना पड़ता है। कभी लोग हमारे साथ खड़े होते हैं, तो कभी परिस्थितियां हमें अकेला महसूस कराती हैं। ऐसे समय में परिवार, पुराने मित्र और अपनेपन से जुड़े रिश्ते सबसे बड़ा सहारा बनते हैं।

जब दुनिया हमारी उपलब्धियों के आधार पर हमें पहचानती है, तब अपने लोग हमें हमारे वास्तविक व्यक्तित्व के साथ स्वीकार करते हैं। वे हमारे संघर्षों को जानते हैं, हमारी कमजोरियों को समझते हैं और कठिन परिस्थितियों में हमारा हौसला बढ़ाते हैं। इसलिए उन रिश्तों की कद्र केवल तब नहीं करनी चाहिए, जब हमें उनकी जरूरत हो, बल्कि अच्छे समय में भी उनके लिए समय निकालना चाहिए। अपने माता-पिता से बातचीत करना, परिवार के बुजुर्गों के साथ बैठना, पुराने मित्रों से संपर्क बनाए रखना और अपने समाज के प्रति जिम्मेदारी निभाना छोटी बातें लग सकती हैं, लेकिन यही जीवन में भावनात्मक संतुलन बनाए रखती हैं।

-शिवांश धाकड़

आज की प्रमुख हस्ती

कम उम्र में अभिनय

असिन थोट्टुमकल भारतीय सिनेमा की जानी-मानी अभिनेत्रियों में से एक रही हैं। उनका जन्म 26 अक्टूबर 1985 को केरल में हुआ था। उन्होंने मुख्य रूप से तमिल, तेलुगु और हिंदी फिल्मों में अभिनय किया और अपनी प्रतिभा के दम पर दक्षिण भारतीय सिनेमा में खास पहचान बनाई। असिन को कई प्रतिष्ठित पुरस्कारों से सम्मानित किया जा चुका है। इनमें एक फिल्मफेयर पुरस्कार, दो फिल्मफेयर दक्षिण पुरस्कार और चार दक्षिण भारतीय अंतरराष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार शामिल हैं। वर्ष 2009 में तमिलनाडु सरकार ने उन्हें राज्य के सर्वोच्च नागरिक सम्मानों में शामिल कलैमामणि पुरस्कार से सम्मानित किया। असिन को 2000 के दशक की प्रमुख दक्षिण भारतीय अभिनेत्रियों में गिना जाता है और उन्हें तमिल सिनेमा की लोकप्रिय अभिनेत्रियों में विशेष स्थान प्राप्त है।



असिन थोट्टुमकल
जन्म : 26 अक्टूबर 1985

असिन ने कम उम्र में ही अभिनय की दुनिया में कदम रख दिया था। वह प्रशिक्षित भरतनाट्यम नृत्यांगना भी हैं। वर्ष 2001 में उन्होंने निर्देशक सत्यन अंतिक्कड़ की मलयालम फिल्म नरेंद्रन माकन जयकांतन वाका से अभिनय की शुरुआत की। उस समय उनकी उम्र लगभग 15 वर्ष थी। इसके बाद वर्ष 2003 में तेलुगु फिल्म अम्मा नन्ना ओ तमिला अम्मायी से उन्हें व्यावसायिक सफलता मिली। इस फिल्म में उनके अभिनय को दर्शकों ने खूब पसंद किया और उन्हें सर्वश्रेष्ठ तेलुगु अभिनेत्री का फिल्मफेयर पुरस्कार मिला। वर्ष 2004 में उन्होंने तमिल फिल्म एम. कुमारन सन ऑफ महालक्ष्मी से तमिल सिनेमा में कदम रखा। यह फिल्म सफल रही और इसके बाद असिन की लोकप्रियता लगातार बढ़ने लगी।

वर्ष 2005 में प्रदर्शित फिल्म गजनी उनके करियर की महत्वपूर्ण फिल्मों में शामिल है। इस फिल्म में उनके अभिनय को समीक्षकों और दर्शकों से सराहना मिली। इसके लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ तमिल अभिनेत्री का फिल्मफेयर पुरस्कार भी प्रदान किया गया। इसके बाद उन्होंने शिवकाशी, वरलारू, पोक्किरी, वेल और दशावतारम जैसी सफल फिल्मों में मुख्य भूमिकाएं निभाईं। इन फिल्मों के माध्यम से उन्होंने तमिल सिनेमा में अपनी मजबूत पहचान स्थापित की। उनकी अभिनय क्षमता, आकर्षक व्यक्तित्व और विभिन्न भूमिकाओं को निभाने की कला ने उन्हें दक्षिण भारतीय फिल्म जगत की लोकप्रिय अभिनेत्रियों की श्रेणी में पहुंचाया।

सोशल मीडिया के बढ़ते उपयोग के कारण युवाओं में एकाग्रता का अभाव

सोशल मीडिया के जिस दौर में हम प्रवेश कर चुके हैं, उस दौर में खासकर युवा पीढ़ी बेहतर जानकारी कम और सोशल मीडिया का गलत इस्तेमाल अधिक करती नजर आती है। इससे सबसे अधिक प्रभावित अगर कोई वर्ग हो रहा है तो वह है युवा पीढ़ी। जिस प्रकार सोशल मीडिया माध्यमों फेसबुक, इंस्टाग्राम व्हाट्सऐप इत्यादि में अश्लीलता को परोसने का कार्य किया जा रहा है, उससे आज की युवा पीढ़ी इनकी ओकर ज्यादा आकर्षित हो रही है। जिस प्रकार सोशल मीडिया में एक के बाद एक जानकारी एवं मनोरंजन के साधन उपलब्ध हो रहे हैं, उससे युवाओं को पढ़ाई व अन्य कार्यों में एकाग्रता बनाए रखना एक बड़ी चुनौती और समस्या बनती जा रही है।



एआई निर्मित चित्र।

इसमें कोई संदेह नहीं कि सोशल मीडिया घर बैठे हमारे जीवन और भविष्य के लिए अतिआवश्यक है। अगर हम सभी सदुपयोग करते हैं तो जहां समय की बचत हो रही है तो वहीं दूसरी ओर घर बैठे देशभर की पल-पल की खबर से जागरूकता मिल रही है। समाज के बुद्धिजीवियों और राजनीतिज्ञ के अनुभव अनुसार आज के युवाओं में एकाग्रता का अभाव देखने एवं सुनने को मिलता जो कि भविष्य के लिए चिंता का विषय माना जाता है, तो वहीं उनका मानना है कि हमारे जीवन को बेहतर और सफल बनाने में किताबों की सबसे बड़ी भूमिका मानी जाती है, तो वहीं प्रतिदिन विभिन्न अखबारों के माध्यम से अधिक ज्ञान अर्जित करना चाहिए।

आज की युवा पीढ़ी को सोशल मीडिया पर जरूरत से अधिक समय व्यतीत नहीं करना चाहिए, क्योंकि जिस प्रकार आज सोशल मीडिया तेज रफ्तार के साथ अनेकों प्रकार की पल पल की खबरों और देश-विदेश की जानकारियों से अवगत करवाने का प्रयास कर रही है, जिसको संजोकर रखना एक बड़ी चुनौती मानी जाती है, उस परिप्रेक्ष्य में युवा पीढ़ी शिक्षा पर ध्यान कम केंद्रित कर रही है और सोशल मीडिया पर अधिक समय व्यतीत कर रही हैं। इस प्रकार आज युवाओं और समाज को इस गंभीर विषय पर आत्मचिंतन और विश्लेषण करने की आवश्यकता है, ताकि भविष्य में युवा पीढ़ी सोशल मीडिया की बुरी लत से दूर रहे और अपना किमती समय शिक्षा और अपने भविष्य को संवारने में ईमानदारी और मेहनत से कार्य करतीं रहे।

इसकी शुरुआत हमें अपने परिवार और बच्चों से करनी होगी तभी हम समाज को भी संदेश और सुझाव दे सकते हैं। आज हर घर का युवा और बच्चे सोशल मीडिया की गिरफ्त में आ चुके हैं, इसलिए आज मीडिया बंधुओं के माध्यम से समाज तक जनहित में एक छोटा सा सुझाव और निवेदन है कि हमें आज इंटरनेट का सदुपयोग और जरूरत के मुताबिक प्रयोग करने की आवश्यकता है।



ठाकुर हेमराज राणा

इसका कारण यह है कि इंटरनेट पर परोसी जा रही अश्लीलता इत्यादि के कारण युवा पीढ़ी अपना किमती समय बर्बाद कर अनेकों प्रकार की घटनाओं को अंजाम दे रहे है। इंटरनेट पर परोसी जा रही अश्लीलता पर भारत सरकार को समय रहते प्रतिबंध लगाने की परम आवश्यकता है अन्यथा हमारी युवा पीढ़ी संस्कारहीन और दिशाहीन होती जाएगी।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

कविता

दावानल की आग

वीरेन्द्र शर्मा वात्स्यायन
ऊना (हिमाचल प्रदेश)

कैसी है यह आग
जो बुझाई नहीं बुझती
एक दो तीन गिनकर
आग से ही जलती
कैसी है यह आग
समूचे समाज में फैल
दावानल की यह आग
रक्त का छिड़ा यहाँ फाग
विरह की तान का विराग
धनी भी है बहुत निराश
भिखारी को भीख की आस
पेट भरने के लिए नारी लाचार
कैसी यह दावानल की आग
धधक रही है जो रोजाना
सीने में आग की ये चिंगारी
क्या खूब लाजवाब सी बात
हर कोई एक दूसरे से अग्रसर
होने की मन में आस रखते
ईर्ष्या की आग में जलकर
दावानल की आग समझकर
पश्चाताप करता हुआ सोचता
क्या है जीवन और मौत क्या आदि और अनादि
दावानल की आग है अद्भुत न इसका अंत न ही अनंत
यह बुझ कर भी न बुझे

'भारतेन्दु शिखर'

प्रकाशक, मुद्रक, संपादक एवं स्वामी शिवांश धाकड़ द्वारा शर्मा भवन, न्यू रणजीत नगर, एप्पल फ्रूट मंडी, नजदीक ढली टनल, शिमला (हि.प्र.) 171006 से प्रकाशित एवं बायोसर्ट इंटरनेशनल प्रा. लि. प्लॉट नंबर 8, फेज-2 इंडस्ट्रियल एरिया, नगरोटा बगवां, जिला कांगड़ा (हि.प्र.), पिन नंबर-176047 से मुद्रित। समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद शिमला न्यायालय के अधीन होंगे।

आरएनआई संदर्भ संख्या-HPHIN/2000/02437
ई-मेल : bhartendunewsmedia@gmail.com, फोन नंबर : 88946-77702

न्यूज ब्रीफ

बहन के घर पहुंचे भाई पर कुल्हाड़ी से हमला, बरमाणा पुलिस ने आरोपी दबोचा

अमर सिंह ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। बरमाणा थाना क्षेत्र के भोली गांव में बहन के घर गए व्यक्ति पर कुल्हाड़ी से हमला करने का मामला सामने आया है। शिकायतकर्ता प्रेम चंद निवासी थाच ने आरोप लगाया कि उसकी बहन के देवर परस राम ने रास्ता रोककर गाली-गलौज की और कुल्हाड़ी से हमला कर उसे घायल कर दिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर रविवार को आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। मामले की जांच जारी है।

स्ट्रेस आउट, फिटनेस इन: अब मरीजों का इलाज करने वाले डॉक्टर खेल के मैदान में बहाएंगे पसीना!

भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। डॉक्टरों की शारीरिक और मानसिक सेहत को बेहतर बनाने के लिए इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) धर्मशाला शाखा ने इनडोर खेल गतिविधियां शुरू की हैं। अध्यक्ष एवं बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. अतुल गुप्ता ने कहा कि बैडमिंटन और टेबल टेनिस जैसे खेल तनाव कम करने और एकाग्रता बढ़ाने में सहायक हैं। सचिव डॉ. अंकित शुक्ला ने कहा कि खेल डॉक्टरों के बीच आपसी तालमेल बढ़ाते हैं। उन्होंने लोगों से नियमित व्यायाम करने की अपील की।

सत्य के लिए खड़े होने का साहस देता है संघ-ओमप्रकाश

भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। दाड़ी में आयोजित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पथ संचलन कार्यक्रम में हिमाचल प्रांत के सह-प्रांत प्रचारक ओमप्रकाश ने कहा कि संघ समाज, संस्कृति और राष्ट्रहित में कार्य करता है। उन्होंने तकनीक के साथ विवेकपूर्ण चिंतन की आवश्यकता पर जोर दिया। कार्यक्रम अध्यक्ष सेवानिवृत्त कर्नल रंजीत प्रधान ने सेना और संघ की भूमिकाओं को महत्वपूर्ण बताया। पथ संचलन में 378 स्वयंसेवकों ने भाग लिया। इस दौरान 600 परिवारों से एकत्रित भोजन वितरित किया गया।

कजलोट के 28 परिवारों को शीघ्र भूमि पट्टे प्रदान करेंगे मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू : केवल सिंह पठानिया

भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। उपमुख्य सचेतक एवं शाहपुर विधायक केवल सिंह पठानिया ने कहा कि कजलोट गांव के 28 परिवारों को मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू शीघ्र भूमि पट्टे प्रदान करेंगे। वह महर्षि वाल्मीकि जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि महर्षि वाल्मीकि की शिक्षाएं समाज को सत्य, न्याय, करुणा और सदाचार के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती हैं। इस अवसर पर कजलोट से मैक्लोडगंज तक शोभायात्रा निकाली गई। पठानिया ने आयोजन समिति को 11 हजार रुपये दिए और गांव में पांच सोलर लाइटें लगाने की घोषणा की। राज्य अनुसूचित जाति आयोग के सदस्य दिग्विजय मल्होत्रा ने सामाजिक समरसता और समानता के लिए वाल्मीकि के आदर्श अपनाने का आह्वान किया।

एचपीएसओएस: 8वीं, 10वीं और 12वीं की मार्च 2027 परीक्षाओं के लिए 2 नवंबर से शुरू होंगे आवेदन

भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश राज्य मुक्त विद्यालय (एचपीएसओएस) की मार्च 2027 में होने वाली आठवीं, दसवीं और जमा दो की परीक्षाओं के लिए ऑनलाइन पंजीकरण दो नवंबर से शुरू होगा। स्कूल शिक्षा बोर्ड अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने शेड्यूल जारी किया है। विद्यार्थी 30 नवंबर तक बिना विलंब शुल्क आवेदन कर सकेंगे। एक से 31 दिसंबर तक आवेदन पर 1,000 रुपये और एक से 30 जनवरी 2027 तक 2,000 रुपये विलंब शुल्क देना होगा। कक्षा के अनुसार प्रवेश शुल्क 2,400 से 3,000 रुपये तक निर्धारित है। अतिरिक्त विषय के लिए 1,100 रुपये शुल्क लगेगा। री-अपीयर और इम्प्रूवमेंट परीक्षाओं की तिथियां बाद में घोषित होंगी। जानकारी के लिए बोर्ड की वेबसाइट पर संपर्क करें।

इंसानों की तरह देवी-देवताओं में भी रिश्तों की डोर कुल्लू दशहरा में दिखता है शिव परिवार का मिलन

देवताओं के दादा कतरूसी नारायण और दादी माता हिडिंबा की अनूठी परंपरा

धनेश गौतम, भारतेन्दु संवाददाता, कुल्लू। देवभूमि कुल्लू की प्राचीन देव संस्कृति में देवी-देवताओं के बीच पारिवारिक रिश्तों की अनूठी परंपरा आज भी श्रद्धा और आस्था के साथ निभाई जाती है। कहीं दादा-दादी का स्नेह है तो कहीं मामा-भांजे का संबंध। अंतरराष्ट्रीय कुल्लू दशहरा उत्सव में देवी-देवताओं के आगमन और आपसी मिलन के दौरान इन परंपराओं के दर्शन होते हैं।



कुल्लू दशहरा में देव परंपराओं के अनूठे रिश्तों का संगम।

देवताओं के दादा कतरूसी नारायण, दादी माता हिडिंबा: लगघाटी के कतरूसी नारायण को देवताओं का दादा, जबकि मनाली की माता हिडिंबा को दादी के रूप में सम्मान प्राप्त है। मान्यता है कि माता हिडिंबा ने राक्षसी प्रवृत्ति त्यागकर देवी स्वरूप धारण किया। दशहरा उत्सव में माता हिडिंबा का विशेष महत्व है। उनके आगमन के साथ देव परंपराओं का विधिवत आगाज माना जाता है। उन्हें सम्मानपूर्वक लाने के लिए भगवान रघुनाथ के छड़ीबरदार को रामशिला जाना पड़ता है। कतरूसी नारायण उत्सव में शामिल नहीं होते, फिर भी देव समाज में उनका विशिष्ट स्थान है।

एक स्थान पर विराजमान होता है शिव परिवार: दशहरा उत्सव में भगवान शिव के परिवार के एक साथ दर्शन भी आकर्षण का केंद्र रहते हैं। खराहल घाटी के बिजली महादेव, चौंग की माता पार्वती, ऊझी घाटी के घुड़दौड़ के गणेश और मनाली के कार्तिक स्वामी एक ही स्थान पर विराजमान होते हैं। श्रद्धालु इनके दर्शन कर आशीर्वाद मांगते हैं।

मामा-भांजे का रिश्ता भी निभाते हैं देवता: बाह्य सराज के टकरासी नारायण और खुड़ीजल देवता के बीच मामा-भांजे का संबंध माना जाता है। धार्मिक आयोजनों और मेलों में देवी-देवता एक-दूसरे के शिविरों में पहुंचकर भेंट करते हैं और पारंपरिक रीति-रिवाजों से रिश्तेदारी निभाते हैं।

सूर्यास्त के बाद निकलती है रथयात्रा: माता भेखली जगरनाथी से जुड़ी मान्यता के अनुसार, वह दिन में बाहर नहीं निकलतीं। इसी परंपरा के चलते भगवान रघुनाथ की रथयात्रा सूर्यास्त के बाद निकाली जाती है। कुल्लू में देवता श्रृंगा ऋषि, बालू नाग और महर्षि वेदव्यास से जुड़ी मान्यताएं भी प्रचलित हैं। जगतीपट्ट को देव समाज की धर्म संसद माना जाता है, जबकि मलाणा में देवता जमदग्नि ऋषि की विशिष्ट न्याय परंपरा है। लोक साहित्यकार मौलू राम ठाकुर के अनुसार, मेलों और त्योहारों में देवी-देवताओं के मिलन से रिश्तेदारी की यह परंपरा स्पष्ट दिखाई देती है। कुल्लू दशहरा इस सांस्कृतिक विरासत को जीवंत रखने का महत्वपूर्ण मंच है।

छह मेडिकल कॉलेजों के लिए 320 पीजी सीटें और 415 करोड़ स्वीकृत : प्रवीन कुमार

◆ प्रवीण कुमार ने प्रधानमंत्री मोदी और नड्डा का जताया आभार

भारतेन्दु संवाददाता, पालमपुर। हिमाचल प्रदेश के छह मेडिकल कॉलेजों के लिए 320 स्नातकोत्तर (पीजी) सीटों की स्वीकृति और इनके संचालन के लिए 415 करोड़ रुपये की मंजूरी को पालमपुर के पूर्व विधायक प्रवीण कुमार ने प्रदेश के स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा क्षेत्र के लिए ऐतिहासिक निर्णय करार दिया है। उन्होंने इस महत्वपूर्ण सौगात के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा का आभार जताया।



प्रवीण कुमार ने कहा कि केंद्र सरकार के इस निर्णय से प्रदेश में चिकित्सा शिक्षा को प्रोत्साहन मिलेगा और विशेषज्ञ चिकित्सकों की उपलब्धता बढ़ाने में मदद मिलेगी। इससे हिमाचल की स्वास्थ्य सेवाओं को नई मजबूती मिलने के साथ मेडिकल कॉलेजों की क्षमता का भी विस्तार होगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार स्वास्थ्य क्षेत्र को सुदृढ़ करने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जगत प्रकाश नड्डा का हिमाचल प्रदेश के प्रति योगदान सराहनीय है। प्रदेश की स्वास्थ्य संबंधी आवश्यकताओं और चिकित्सा शिक्षा से जुड़े मुद्दों को केंद्र के समक्ष प्रभावी ढंग से उठाकर इतनी बड़ी मंजूरी दिलाना महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

पूर्व विधायक ने कहा कि हिमाचल प्रदेश जैसे पहाड़ी राज्य में विशेषज्ञ चिकित्सकों की उपलब्धता सुनिश्चित करना हमेशा चुनौतीपूर्ण रहा है। पीजी सीटों की संख्या बढ़ने से भविष्य में विशेषज्ञ डॉक्टरों की संख्या में वृद्धि होगी। इसका लाभ दूरदराज और ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को भी मिलेगा। साथ ही, प्रदेश में चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता बेहतर बनाने में सहायता मिलेगी। प्रवीण कुमार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जगत प्रकाश नड्डा का धन्यवाद करते हुए कहा कि यह मंजूरी प्रदेश के स्वास्थ्य क्षेत्र के विकास में महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगी।

प्रवासी हिमाचली परस्पर सहयोग और स्थानीय उत्पादों को दें बढ़ावा : अनुराग सिंह ठाकुर

सुरेंद्र कटोच, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं हमीरपुर के सांसद अनुराग सिंह ठाकुर ने रविवार को नई दिल्ली में हिमाचल कल्याण सभा के 55वें वार्षिकोत्सव एवं हिमाचल मेले और अखिल भारतीय हिमाचल सामाजिक संस्था संघ के 107वें अर्धवार्षिक सम्मेलन के समापन समारोह में भाग लिया। उन्होंने प्रवासी हिमाचलियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि मेहनत, ईमानदारी और भरोसा देश-दुनिया में हिमाचलियों की पहचान बन चुके हैं।



अनुराग ठाकुर ने कहा कि हिमाचली जहां भी जाते हैं, वहां अपनी संस्कृति और परंपराओं से मिनी हिमाचल बसा देते हैं। प्रदेश से बाहर रहकर भी हिमाचलियों ने अपनी मेहनत से प्रदेश का मान-सम्मान बढ़ाया है और देश के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। हिमाचल ने देश को सैनिक, खिलाड़ी, शिक्षक, वैज्ञानिक और प्रशासनिक अधिकारी दिए हैं। उन्होंने कहा कि प्रवासी हिमाचली अपने कार्यक्षेत्र में प्रदेश की पहचान मजबूत करने के साथ स्थानीय उत्पादों, पर्यटन और सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा दें।

विकसित भारत का लक्ष्य विकसित हिमाचल के बिना पूरा नहीं हो सकता। इसके लिए युवाओं को रोजगार, किसानों-बागवानों का सशक्तीकरण और पर्यटन के माध्यम से स्थानीय आय बढ़ाना जरूरी है। सांसद ने कहा कि हिमाचल जैसे पहाड़ी राज्य में पर्यावरण और संस्कृति का संरक्षण करते हुए संतुलित विकास आवश्यक है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा और ऊर्जा सहित विभिन्न क्षेत्रों में पहाड़ी राज्यों की जरूरतों के अनुरूप विकास कार्यों को गति दे रही है।

उपायुक्त डॉ. अमित शर्मा ने मुक्केबाजी विजेताओं का बढ़ाया हौसला

भारतेन्दु संवाददाता, कुल्लू। जिला कुल्लू में आयोजित मुक्केबाजी प्रतियोगिता का समापन समारोह धूमधाम से हुआ। कार्यक्रम में उपायुक्त डॉ. अमित कुमार शर्मा ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। उन्होंने प्रतियोगिता के विजेताओं और उपविजेताओं को मेडल व प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए उपायुक्त ने कहा कि खेल शारीरिक विकास के साथ-साथ अनुशासन, टीम भावना और नेतृत्व क्षमता जैसे गुणों को विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहकर खेल गतिविधियों में बढ़-चढ़कर भाग लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि खेलों के माध्यम से युवा अपनी प्रतिभा निखारकर देश और प्रदेश का नाम रोशन कर सकते हैं। इस अवसर पर जिला खेलकूद अधिकारी कविता ठाकुर और कुल्लू मुक्केबाजी संघ के अध्यक्ष किशन ठाकुर विशेष रूप से उपस्थित रहे। कविता ठाकुर ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया और प्रतियोगिता के सफल आयोजन की जानकारी दी।

हल्दी की खेती से किसानों को बेहतर आमदनी फसल विविधीकरण से बढ़ रही आय की संभावनाएं

हिमाचल सरकार का प्रोत्साहन: हल्दी पर 150 रुपए प्रति किलो समर्थन मूल्य

भारतेन्दु संवाददाता, कांगड़ा। कृषि में फसल विविधीकरण का महत्व लगातार बढ़ रहा है। पारंपरिक फसलों के साथ वैकल्पिक फसलों की खेती अपनाकर किसान अपनी आमदनी बढ़ाने के अवसर तलाश रहे हैं। आवारा पशुओं और जंगली जानवरों से फसलों को होने वाले नुकसान के बीच बैजनाथ उपमंडल के सुनपुर गांव में हल्दी की खेती किसानों के लिए एक बेहतर विकल्प बनकर उभर रही है।



हल्दी की खेती से किसानों को बेहतर आमदनी की उम्मीद।

हिमाचल प्रदेश सरकार प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने और किसानों की आय सुरक्षित करने के उद्देश्य से विभिन्न फसलों पर न्यूनतम समर्थन मूल्य उपलब्ध करवा रही है। इनमें गेहूं, मक्का, जौ और हल्दी शामिल हैं। हल्दी के लिए 150 रुपये प्रति किलोग्राम समर्थन मूल्य निर्धारित होने से किसानों का रुझान इस फसल की ओर बढ़ा है। मसालों और खाद्य पदार्थों में व्यापक उपयोग के कारण हल्दी की मांग बनी रहती है, जिससे किसानों को अतिरिक्त आमदनी की उम्मीद है।

सुनपुर गांव की किसान प्रवीण कुमारी और सुजाता देवी हल्दी की खेती को लाभकारी विकल्प मानती हैं। प्रवीण कुमारी बताती हैं कि उनके खेतों में धान और मक्की सहित विभिन्न फसलें उगाई जाती हैं। इस बार उन्होंने पारंपरिक फसलों के साथ हल्दी की खेती भी की है। उनके अनुसार, हल्दी की फसल तैयार होने में लगभग एक वर्ष लगता है। बाजार में इसकी मांग और सरकार की ओर से निर्धारित समर्थन मूल्य किसानों को इसे अपनाने के लिए प्रोत्साहित कर रहा है। प्रवीण कुमारी के मुताबिक, पहले हल्दी की कीमत लगभग 90 रुपये प्रति किलोग्राम थी, जो अब बढ़कर 150 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई है। इससे किसानों को बेहतर आय की उम्मीद जगी है। वहीं, सुजाता देवी का कहना है कि हल्दी जैसी वैकल्पिक फसल किसानों के लिए नई संभावनाएं लेकर आई है। समर्थन मूल्य से उन्हें अपनी उपज का बेहतर दाम मिलने की उम्मीद है।

पांच प्रतिशत डीए को पेंशनर्स ने बताया ऊंट के मुंह में जीरा, बाकी किस्तों के भुगतान की उठाई मांग

भारतेन्दु संवाददाता, कुल्लू। हिमाचल प्रदेश ज्वॉइंट पेंशनर्स फैडरेशन ने कर्मचारियों और पेंशनरों को पांच प्रतिशत महंगाई भत्ता (डीए) जारी करने की घोषणा के लिए मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू का आभार जताया है। हालांकि, फैडरेशन ने इसे नाकाफी बताते हुए लंबित वित्तीय देनदारियों का दिवाली से पहले एकमुश्त भुगतान करने की मांग उठाई है।



फैडरेशन के प्रदेशाध्यक्ष एलआर गुलशन, वरिष्ठ उपाध्यक्ष नरेंद्र कुमार और प्रदेश महासचिव खुशहाल चंद नेगी ने संयुक्त बयान में कहा कि जुलाई 2023 से लंबित एक प्रतिशत और जनवरी 2024 से देय चार प्रतिशत महंगाई भत्ता जारी किया गया है, लेकिन कर्मचारियों और पेंशनरों के करोड़ों रुपये के बकाया अब भी लंबित हैं। प्रदेशाध्यक्ष एलआर गुलशन ने बताया कि फैडरेशन का प्रतिनिधिमंडल 27 अक्तूबर को अंतरराष्ट्रीय कुल्लू दशहरा उत्सव के समापन पर मुख्यमंत्री से मिलेगा। प्रतिनिधिमंडल मांगपत्र सौंपकर शेष महंगाई भत्ते और अन्य वित्तीय देनदारियों के भुगतान का आग्रह करेगा। फैडरेशन ने संशोधित वेतनमान के एरियर, रिटायरमेंट ग्रेच्युटी, पेंशन कम्यूटेशन और लीव इनकैशमेंट के लंबित भुगतान जल्द करने की मांग की। इसके अलावा पेंशनरों को एक जुलाई 2024 से जनवरी 2026 तक देय महंगाई राहत की चार किस्तों और जनवरी 2022 से सितंबर 2026 तक के महंगाई भत्ते के बकाया एरियर का भुगतान करने की मांग भी उठाई गई।

पेंशनरों की लंबित देनदारियां दिवाली से पहले चुकाने की मांग

फैडरेशन ने कहा कि संशोधित वेतनमान के एरियर, रिटायरमेंट ग्रेच्युटी, पेंशन कम्यूटेशन और लीव इनकैशमेंट का भुगतान पिछले कई वर्षों से लंबित है। इससे प्रदेश के लाखों पेंशनरों और कर्मचारियों में नाराजगी है। पदाधिकारियों ने बीमार और बुजुर्ग पेंशनरों के लंबित मेडिकल बिलों के भुगतान के लिए पर्याप्त बजट उपलब्ध करवाने की मांग भी की। इसके अतिरिक्त फैडरेशन जिला मुख्यालय कुल्लू में पेंशनर भवन के निर्माण के लिए 10 बिस्वा भूमि आवंटित करने का मामला भी मुख्यमंत्री के समक्ष उठाएगा। प्रदेशाध्यक्ष एलआर गुलशन ने कहा कि पेंशनर भवन बनने से जिले के बुजुर्ग पेंशनरों को आपसी मेलजोल और विभिन्न गतिविधियों के लिए उपयुक्त स्थान मिलेगा। उन्होंने सरकार से आग्रह किया कि पेंशनरों की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर हल कर लंबित वित्तीय देनदारियों का जल्द भुगतान सुनिश्चित किया जाए। फैडरेशन ने दिवाली से पहले सभी लंबित भुगतान कर पेंशनरों को राहत देने की मांग की।

15 देशों के लोक कलाकारों की प्रस्तुतियों ने बांधा समां

आयुष मंत्री ने लेजर शो और ड्रोन प्रदर्शन का लिया आनंद

धनेश गौतम, भारतेन्दु संवाददाता, कुल्लू। आयुष, युवा सेवाएं एवं खेल मंत्री यादविंद्र गोमा ने अंतरराष्ट्रीय कुल्लू दशहरा उत्सव के चौथे दिन ढालपुर स्थित रथ मैदान में आयोजित ग्लोबल डांस, लेजर शो और ड्रोन शो का आनंद लिया। उन्होंने विभिन्न देशों के लोक कलाकारों की प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए कहा कि कुल्लू दशहरा हिमाचल प्रदेश की समृद्ध देव संस्कृति, लोक परंपराओं और सांस्कृतिक विविधता का अद्भुत संगम है।



मंत्री ने कहा कि यह उत्सव देश-विदेश के पर्यटकों और श्रद्धालुओं के लिए आकर्षण का केंद्र है। यहां आयोजित होने वाला भव्य देव समागम कुल्लू दशहरा की विशिष्ट पहचान है। विभिन्न क्षेत्रों के देवी-देवताओं का ढालपुर पहुंचना सदियों पुरानी परंपराओं, आस्था और लोक संस्कृति को जीवंत बनाए रखता है।

यादविंद्र गोमा ने कहा कि ग्लोबल डांस कार्यक्रम में 15 देशों के लोक कलाकारों ने अपनी पारंपरिक प्रस्तुतियों से दर्शकों को विभिन्न देशों की कला, संगीत और नृत्य शैलियों से परिचित करवाया। विदेशी कलाकारों के साथ देश के विभिन्न राज्यों की सांस्कृतिक झलक भी देखने को मिली। ऐसे आयोजन आपसी समझ, सौहार्द और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देते हैं तथा कुल्लू दशहरा को वैश्विक पहचान दिलाने में सहायक हैं। मंत्री ने कहा कि रथ मैदान में आयोजित लेजर और ड्रोन शो आकर्षण का प्रमुख केंद्र रहे।

आधुनिक तकनीक के माध्यम से भगवान श्रीराम से जुड़े रामायण के विभिन्न प्रसंगों को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया। आसमान में ड्रोन से उकेरी गई आकृतियों और रोशनी की मनमोहक प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया। उन्होंने कहा कि पारंपरिक धार्मिक विषयों को आधुनिक तकनीक से जोड़ना युवा पीढ़ी को भारतीय संस्कृति से जोड़ने और पर्यटन को बढ़ावा देने की अभिनव पहल है।

बरमाणा पंचायत के प्रतिनिधियों ने उपायुक्त राहुल कुमार को किया सम्मानित

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। जिला बिलासपुर से स्थानांतरित हुए उपायुक्त राहुल कुमार को ग्राम पंचायत बरमाणा के प्रतिनिधियों ने उनके सफल एवं सराहनीय कार्यकाल के लिए सम्मानित किया। पंचायत प्रधान अवधेश भारद्वाज और उपप्रधान निखिल कुमार सहित अन्य प्रतिनिधियों ने उन्हें सम्मानित करते हुए उज्ज्वल भविष्य और नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं। स्थानांतरण के बाद राहुल कुमार परिवहन विभाग में प्रबंध निदेशक (एमडी) के रूप में अपनी सेवाएं देंगे। पंचायत प्रतिनिधियों ने कहा कि बिलासपुर में अपने कार्यकाल के दौरान राहुल कुमार ने विकास कार्यों को गति देने के साथ जनहित के मामलों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। उनके नेतृत्व में स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार, पर्यटन और ग्रामीण विकास सहित विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य हुए। प्रशासन की सक्रियता से विकास योजनाओं को आगे बढ़ाने में मदद मिली। पंचायत प्रधान अवधेश भारद्वाज ने कहा कि राहुल कुमार की प्रशासनिक कार्यशैली, जनसमस्याओं के प्रति संवेदनशीलता और विकास को लेकर सकारात्मक सोच सराहनीय रही है। उन्होंने बताया कि ग्राम पंचायत बरमाणा के विकास कार्यों में जिला प्रशासन का भरपूर सहयोग मिला।

धर्मपुर खंड में शस्त्र पूजन और पथ संचलन, 130 स्वयंसेवकों ने लिया भाग

भारतेन्दु संवाददाता, सोलन। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्थापना दिवस एवं विजयदशमी के अवसर पर रविवार को धर्मपुर खंड में शस्त्र पूजन और पथ संचलन का आयोजन किया गया। इसमें करीब 130 स्वयंसेवकों ने पूर्ण गणवेश में भाग लेकर अनुशासन, सामाजिक एकता और राष्ट्रभक्ति का संदेश दिया। कार्यक्रम में सेवानिवृत्त कर्नल हरिनाथ कौशल मुख्य अतिथि तथा संघ के सोलन विभाग के विभाग कार्यवाह कश्मीर सिंह मुख्य वक्ता रहे। मुख्य अतिथि ने नागरिकों से अधिकारों के साथ अपने कर्तव्यों के प्रति भी सजग रहने का आह्वान किया। मुख्य वक्ता कश्मीर सिंह ने संघ की सौ वर्षों की यात्रा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि शाखा के माध्यम से समाज में संस्कार, अनुशासन, सेवा और समर्पण की भावना विकसित होती है। उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम में हिमाचल के योगदान और वीर राम सिंह पठानिया के बलिदान को युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत बताया।

आत्मनिर्भरता चार दोस्तों की पहल से शुरू हुई इकाई में अब 70 लोगों को मिल रहा रोजगार

'हिल थ्रिल' एग्रो प्रोसेसर बना ग्रामीण आत्मनिर्भरता और रोजगार का प्रतीक

भगत सिंह गुलेरिया, भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। हिमाचल प्रदेश सरकार की प्रोत्साहन योजनाएं ग्रामीण क्षेत्रों में स्वरोजगार और आर्थिक आत्मनिर्भरता को बढ़ावा दे रही हैं। मंडी जिले की चच्योट तहसील के बाढ़ू गांव में स्थापित हिल थ्रिल एग्रो प्रोसेसर प्राइवेट लिमिटेड इसका उदाहरण है। फल एवं सब्जियों के प्रसंस्करण से जुड़ी यह इकाई वर्तमान में 70 लोगों को रोजगार दे रही है। कंपनी को एकीकृत बागवानी विकास मिशन के तहत वर्ष 2024 में 84 लाख रुपये का अनुदान मिला था।



सरकारी अनुदान से गांव में उद्योग, 70 लोगों को रोजगार।

कंपनी के प्रबंध निदेशक खीरामणी ने निजी क्षेत्र में नौकरी करते हुए अपने तीन साथियों भागीरथ चौहान, रविंद्र और इल्मदीन अली के साथ गांव में उद्योग स्थापित करने की योजना बनाई। इसका उद्देश्य स्थानीय लोगों को घर के पास रोजगार उपलब्ध करवाना और उन्हें नौकरी के लिए दूसरे क्षेत्रों में जाने से रोकना था। इसी सोच के साथ कंपनी की स्थापना की गई और जनवरी 2023 में व्यावसायिक उत्पादन शुरू हुआ। इकाई में अचार, चटनी, जैम, फ्रूट वाइन, फ्रूट साइडर और एप्पल साइडर विनेगर सहित 50 से अधिक उत्पाद तैयार किए जा रहे हैं। स्थानीय फलों एवं सब्जियों का प्रसंस्करण कर उनके मूल्य संवर्धन पर जोर दिया जा रहा है। कंपनी के उत्पाद हिमाचल के अलावा उत्तर प्रदेश, राजस्थान, दिल्ली और जम्मू-कश्मीर तक पहुंच रहे हैं। शुरुआत में कंपनी में 24 कर्मचारी कार्यरत थे, जिनकी संख्या अब बढ़कर 70 हो गई है। इनमें से 40 कर्मचारियों को कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ) और कर्मचारी राज्य बीमा (ईएसआई) जैसी सामाजिक सुरक्षा सुविधाएं मिल रही हैं। इससे स्थानीय लोगों को रोजगार के साथ आर्थिक स्थिरता भी मिल रही है।

ग्राम पंचायत बाढ़ू की प्रधान सीता ठाकुर ने कहा कि इकाई स्थापित होने से क्षेत्र के लोगों को घर के नजदीक रोजगार मिला है। कर्मचारियों जितेंद्र ठाकुर, गुंजन शर्मा और कमल शर्मा ने भी स्थानीय स्तर पर काम मिलने और कौशल सुधार के अवसर उपलब्ध होने पर संतोष जताया। कंपनी का उद्देश्य स्थानीय कृषि एवं बागवानी उत्पादों को व्यापक बाजार उपलब्ध करवाना है। इस तरह की प्रसंस्करण इकाइयां किसानों की उपज के बेहतर उपयोग, ग्रामीण उद्यमिता और स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं।

कांग्रेस ने 'वोट बचाओ, देश बचाओ' अभियान में चुनाव आयोग को घेरा

भारतेन्दु संवाददाता, सोलन। एसआईआर के विरोध में कांग्रेस ने 'वोट बचाओ, देश बचाओ' अभियान तेज कर दिया है। रविवार को सोलन में पत्रकारवार्ता के दौरान जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुभाष बरवानी ने चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि देशभर में बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम वोटर लिस्ट से हटाए गए हैं। उन्होंने मतदाता सूचियों की समीक्षा और पात्र मतदाताओं के नाम दोबारा जोड़ने की मांग की। बरवानी ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 326 के तहत वयस्क मताधिकार का प्रावधान है और किसी पात्र नागरिक को मतदान से वंचित नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने कथित वोट चोरी के मामले में करीब साढ़े 13 करोड़ वोट काटे जाने का दावा किया। साथ ही, ईवीएम और चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करने की मांग उठाई।

'मन की बात' राष्ट्र के जन-जन के परिश्रम, संकल्प और सेवा-भाव का उत्सव : विपिन सिंह परमार



भारतेन्दु संवाददाता, पालमपुर। भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं सुलह विधायक विपिन सिंह परमार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' की 139वीं कड़ी को प्रेरणादायी बताते हुए कहा कि यह कार्यक्रम समाजहित में कार्य करने वाले नागरिकों के योगदान को राष्ट्रीय मंच प्रदान करता है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री का 'वोकल फॉर लोकल' पर जोर आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को मजबूत करता है। बिहार के मखाने का ग्रीस और कर्नाटक की अरहर दाल का मालदीव तक पहुंचना स्थानीय उत्पादों की वैश्विक क्षमता दर्शाता है। महाराष्ट्र के आदिवासी उत्पादों को मिली पहचान भी स्थानीय उद्यमिता का उदाहरण है।

परमार ने कहा कि हिमाचल में कांगड़ा चाय, चंबा रूमाल, हस्तशिल्प, पारंपरिक वस्त्र और स्थानीय खाद्य उत्पादों को बढ़ावा देने की अपार संभावनाएं हैं। बेहतर पैकेजिंग, ब्रांडिंग और डिजिटल विपणन से किसानों, कारीगरों, महिला स्वयं सहायता समूहों और युवाओं के लिए नए अवसर पैदा हो सकते हैं। उन्होंने जल संरक्षण, प्राकृतिक कृषि, स्वच्छता और पर्यावरण सुरक्षा में जनभागीदारी बढ़ाने पर भी जोर दिया। परमार ने प्रदेशवासियों से स्थानीय उत्पादों को प्राथमिकता देने और किसानों, कारीगरों व उद्यमियों को प्रोत्साहित करने का आह्वान किया।

स्थायी नौकरी की मांग को लेकर गेस्ट टीचरों का शक्ति प्रदर्शन

◆ताज पार्क में जुटेंगे 10,757 गेस्ट टीचर, उठाएंगे मांगें

भारतेन्दु संवादाता, कुरुक्षेत्र। हरियाणा के सरकारी स्कूलों में कार्यरत 10,757 गेस्ट टीचर नौकरी पक्की कराने की मांग को लेकर रविवार को कुरुक्षेत्र में न्याय रैली करेंगे। प्रदेशभर से गेस्ट टीचर दोपहर को पिपली के पास स्थित ताज पार्क में एकत्रित होंगे। रैली के बाद शिक्षक चंडीगढ़ तक पैदल मार्च निकालेंगे और अपनी मांगों को सरकार के सामने रखेंगे। गेस्ट टीचरों की मुख्य मांग वर्ष 2014 में बनाई गई नीति के तहत उनकी सेवाएं नियमित करना है।

शिक्षक लंबे समय से नौकरी की सुरक्षा और स्थायी रोजगार की मांग उठा रहे हैं। उनका कहना है कि सरकारी स्कूलों में सेवाएं देने के बावजूद उन्हें नियमित कर्मचारियों जैसी नौकरी की सुरक्षा नहीं मिल रही है। रविवार को आयोजित न्याय रैली के जरिए शिक्षक सरकार का ध्यान अपनी मांगों की ओर आकर्षित करेंगे। इसके बाद चंडीगढ़ तक पैदल मार्च निकालकर अपनी आवाज बुलंद करने की योजना है। रैली में प्रदेश के विभिन्न जिलों से गेस्ट टीचरों के शामिल होने की उम्मीद है। इससे पहले भी गेस्ट टीचर अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन कर चुके हैं।

10 अक्टूबर को शिक्षकों ने मुख्यमंत्री आवास के पास स्थित चौक पर प्रदर्शन किया था। इसके बावजूद मांग पूरी नहीं होने पर अब न्याय रैली और पैदल मार्च के माध्यम से आंदोलन को आगे बढ़ाने की तैयारी की गई है। गेस्ट टीचरों का आंदोलन ऐसे समय में हो रहा है, जब वे अपनी सेवाओं को नियमित करने के लिए सरकार से ठोस निर्णय की अपेक्षा कर रहे हैं। शिक्षकों की नजर अब सरकार के अगले कदम पर है। न्याय रैली और चंडीगढ़ तक प्रस्तावित मार्च के जरिए वे वर्ष 2014 की नीति के अनुसार नौकरी पक्की करने की मांग को प्रमुखता से उठाएंगे।

न्याय रैली से सरकार तक आवाज पहुंचाने की उम्मीद

शिक्षकों का कहना है कि वे लंबे समय से सरकारी स्कूलों में अपनी सेवाएं दे रहे हैं, इसलिए उनकी नौकरी को नियमित करने के लिए सरकार को जल्द फैसला लेना चाहिए। उनके अनुसार, स्थायी रोजगार मिलने से न केवल नौकरी की सुरक्षा सुनिश्चित होगी, बल्कि वे बिना किसी अनिश्चितता के विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा देने पर भी ध्यान केंद्रित कर सकेंगे। गेस्ट टीचरों को उम्मीद है कि न्याय रैली और पैदल मार्च के जरिए सरकार तक उनकी मांग प्रभावी ढंग से पहुंचेगी। प्रदेशभर से शिक्षकों की भागीदारी के साथ वे अपनी एकजुटता भी प्रदर्शित करेंगे। अब देखना होगा कि सरकार उनकी मांगों पर क्या रुख अपनाती है और वर्ष 2014 की नीति के तहत सेवाएं नियमित करने की दिशा में कोई ठोस कदम उठाती है या नहीं।

पांच करोड़ की झील परियोजना फाइलों में अटकी

नगर परिषद ने संशोधित प्रस्ताव भेजा, मुख्यालय से अंतिम मंजूरी का इंतजार

भारतेन्दु संवादाता, हांसी। शहर की ऐतिहासिक आमटी झील को चंडीगढ़ की सुखना लेक की तर्ज पर विकसित कर पर्यटन स्थल बनाने की योजना सरकारी फाइलों में अटक गई है। करीब पांच करोड़ रुपये की प्रस्तावित परियोजना को एक साल बीतने के बाद भी अंतिम मंजूरी नहीं मिल पाई है। उधर, झील की हालत लगातार बिगड़ रही है। पानी काला पड़ने के साथ सतह पर काई की मोटी परत जमने लगी है। पार्क में फैली गंदगी, टूटी सुरक्षा ग्रिल और रोशनी की कमी से भी परिसर बदहाल नजर आने लगा है।



परियोजना के तहत आमटी झील और उसके आसपास के क्षेत्र को आकर्षक पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने की योजना बनाई गई थी। इसमें लोगों के लिए बोटिंग की सुविधा, रंगीन लाइटें, वॉकिंग पाथ, पार्क और रिफ्रेशमेंट जोन बनाने का प्रस्ताव शामिल है। योजना सिरे चढ़ने पर स्थानीय लोगों को घूमने-फिरने के लिए बेहतर जगह मिलने के साथ शहर में पर्यटन गतिविधियों को भी बढ़ावा मिल सकता है। हालांकि, मंजूरी में देरी के कारण यह योजना अभी कागजों तक ही सीमित है। नगर परिषद ने आमटी झील और आसपास के पार्क के विकास के लिए आर्किटेक्ट फर्म से डिजाइन तैयार करवाया था। इसके बाद प्रस्ताव को स्वीकृति के लिए शहरी स्थानीय निकाय मुख्यालय भेजा गया। वहां से डिजाइन और अनुमान को लेकर कई आपत्तियां लगाई गईं। इन आपत्तियों के बाद नगर परिषद ने प्रस्ताव में जरूरी संशोधन किए और फाइल दोबारा मुख्यालय भेज दी। इसके बावजूद कई महीने बीत जाने के बाद भी परियोजना को अंतिम स्वीकृति नहीं मिल सकी है। एक ओर झील के विकास की योजना मंजूरी की बाट जोह रही है, वहीं दूसरी ओर मौजूदा स्थिति चिंता बढ़ा रही है। झील का पानी काला पड़ने लगा है और सतह पर काई की मोटी परत दिखाई देने लगी है। आसपास के पार्क में भी गंदगी फैली हुई है। ऐसे में यहां आने वाले लोगों को असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। समय रहते सफाई और रखरखाव पर ध्यान नहीं दिया गया तो झील की स्थिति और बिगड़ सकती है। झील परिसर में सुरक्षा ग्रिल टूटी हुई हैं और पर्याप्त रोशनी का अभाव है। इससे शाम के समय यहां आने वाले लोगों की सुरक्षा को लेकर चिंता बनी रहती है।

सफाई, रोशनी और मरम्मत को तरस रही झील

ऐसे में आमटी झील के विकास के साथ-साथ मौजूदा व्यवस्थाओं को सुधारने की जरूरत भी महसूस की जा रही है। झील और पार्क की नियमित सफाई, टूटी सुरक्षा ग्रिल की मरम्मत तथा पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था से परिसर की स्थिति में सुधार हो सकता है। पांच करोड़ रुपये की परियोजना को मंजूरी मिलने से विकास कार्यों को गति मिलने की उम्मीद है, लेकिन फिलहाल लोगों को इसका इंतजार करना पड़ रहा है। ऐतिहासिक झील को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने की योजना तभी सफल हो सकेगी, जब प्रशासनिक स्तर पर मंजूरी की प्रक्रिया पूरी करने के साथ रखरखाव पर भी ध्यान दिया जाएगा।

करनाल में चाकूबाजी के पांच आरोपी पैदल बाजार में घुमाए, पुलिस ने कराई निशानदेही

पुरानी रंजिश में दो युवकों पर लाठी-डंडों और चाकू से हमला

भारतेन्दु संवादाता, करनाल। हरियाणा के करनाल में पुरानी रंजिश के चलते दो युवकों पर लाठी-डंडों और चाकू से हमला करने के मामले में पुलिस ने पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। हमले में दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए थे। वारदात के दो दिन बाद पुलिस आरोपियों को घटनास्थल की निशानदेही कराने के लिए बाजार में लेकर पहुंची।



इस दौरान आरोपी गर्दन झुकाकर चलते और चेहरा छिपाते नजर आए। वे लंगड़ाते हुए भी दिखाई दिए और माफी मांगते रहे। पुलिस की इस कार्रवाई के दौरान बाजार में लोगों की नजरें आरोपियों पर टिकी रहीं। जानकारी के अनुसार, करनाल निवासी सागर और मलकीत ने अपने तीन अन्य साथियों के साथ मिलकर दो युवकों पर हमला किया था। आरोप है कि हमलावरों ने लाठी-डंडों और चाकू का इस्तेमाल किया, जिससे दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू की और कार्रवाई करते हुए पांचों आरोपियों को काबू कर लिया। आरोपियों को पकड़ने के बाद पुलिस उन्हें अदालत में पेश करने और घटनास्थल की निशानदेही कराने के लिए लेकर पहुंची। पुलिस के अनुसार, आरोपियों को ले जाने के दौरान वाहन खराब हो गया था। इस कारण उन्हें पैदल ही बाजार से ले जाकर निशानदेही करानी पड़ी। पुलिस मामले में आगे की कार्रवाई कर रही है। पुरानी रंजिश के चलते हुई इस वारदात में दोनों घायलों की स्थिति और घटना से जुड़े अन्य पहलुओं की जांच की जा रही है।

पुलिस का कहना है कि मामले में नियमानुसार कार्रवाई जारी रहेगी। पुलिस की कार्रवाई के दौरान बाजार में लोगों की भीड़ भी जुट गई। आरोपी पैदल चलते हुए घटनास्थल तक पहुंचे, जहां पुलिस ने उनसे वारदात से जुड़े घटनाक्रम की जानकारी ली। जांच में यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि हमले से पहले आरोपियों और घायल युवकों के बीच किस बात को लेकर विवाद हुआ था। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर घटना के क्रम और इसमें शामिल अन्य पहलुओं की जानकारी जुटा रही है। पुलिस के अनुसार, पुरानी रंजिश के कारण हुई इस वारदात में पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

रेवाड़ी-नारनौल रेलमार्ग पर मिला 75 वर्षीय बुजुर्ग का शव

भारतेन्दु संवादाता, रेवाड़ी। रेवाड़ी जिले में रेवाड़ी-नारनौल रेलमार्ग पर रेलवे स्टेशन से करीब एक किलोमीटर दूर रविवार को एक अज्ञात बुजुर्ग का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना मिलने पर राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) की टीम मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू की। मृतक की उम्र करीब 75 वर्ष बताई जा रही है। फिलहाल उसकी पहचान नहीं हो पाई है। पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई के बाद शव को शिनाख्त के लिए अस्पताल में रखवा दिया है। जीआरपी मृतक की पहचान करने के प्रयास कर रही है, ताकि उसके परिजनों तक सूचना पहुंचाई जा सके। इसके लिए आसपास के क्षेत्रों में जानकारी जुटाने के साथ अन्य आवश्यक प्रक्रियाएं अपनाई जा रही हैं।

◆रेल पटरी पर शव मिलने से इलाके में मची हलचल

रेलवे स्टेशन से लगभग एक किलोमीटर की दूरी पर शव मिलने के बाद पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि बुजुर्ग वहां किन परिस्थितियों में पहुंचा था। उसकी मौत कैसे हुई, इस संबंध में अभी कोई स्पष्ट जानकारी सामने नहीं आई है। पुलिस सभी संभावित पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। जीआरपी के अनुसार, मृतक की पहचान होने के बाद ही उसके परिवार और अन्य संबंधित जानकारियों का पता चल सकेगा। फिलहाल शव को अस्पताल में सुरक्षित रखवाया गया है। पुलिस ने लोगों से भी अपील की है कि यदि किसी को मृतक के बारे में जानकारी हो तो वह संबंधित पुलिस टीम को सूचित करे। पहचान और जांच की प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही मामले से जुड़ी स्थिति स्पष्ट हो पाएगी।

गुरुग्राम के तावडू रोड पर तेज रफ्तार वाहन ने ली दो युवकों की जान



गुरुग्राम में दर्दनाक हादसा।

भारतेन्दु संवादाता, गुरुग्राम। गुरुग्राम के बिलासपुर थाना क्षेत्र में तावडू रोड पर रात हुए सड़क हादसे में दो युवकों की मौत हो गई, जबकि एक गंभीर रूप से घायल हो गया। तीनों युवक ड्यूटी खत्म होने के बाद घर लौट रहे थे। इसी दौरान सड़क किनारे खड़े होकर बातचीत करते समय तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी। हादसे के बाद चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस के अनुसार, दुर्घटना रात करीब नौ बजे तावडू रोड स्थित ई-कॉम वेयरहाउस के पास हुई। तावडू के जौरासी गांव निवासी संजय ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि गांव के मोहित, पंकज और मुकुल एक ही वेयरहाउस में काम करते थे।

रात ड्यूटी खत्म होने के बाद तीनों घर जाने के लिए निकले थे। रास्ते में वे सड़क किनारे खड़े होकर आपस में बात कर रहे थे, तभी लापरवाही से तेज गति में आ रहे अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर लगने से तीनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें उपचार के लिए निजी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने मोहित और पंकज को मृत घोषित कर दिया।

घायल मुकुल का अस्पताल में इलाज चल रहा है। बिलासपुर थाना पुलिस ने बताया कि आरोपी वाहन चालक की पहचान के लिए घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है।

15 साल में अपराध की दुनिया में रखा कदम 18 मामलों वाला गैंगस्टर अमेरिका में गिरफ्तार

रोहतक से दिल्ली तक दर्ज हैं हिमांशु भाऊ के खिलाफ मामले

भारतेन्दु संवादाता, रोहतक। हरियाणा के रोहतक जिले के रिटौली गांव से जुड़ा गैंगस्टर हिमांशु भाऊ एक बार फिर चर्चा में है। 15 साल की उम्र में आपराधिक गतिविधियों से जुड़ा उसका नाम अब लास वेगास में गिरफ्तारी के बाद सुर्खियों में आया है। हिमांशु भाऊ के खिलाफ करीब 18 आपराधिक मामले दर्ज बताए जा रहे हैं।



15 साल में अपराध की दुनिया में आया हिमांशु भाऊ।

उसका आपराधिक सफर किशोरावस्था में ही शुरू हो गया था और धीरे-धीरे गंभीर घटनाओं तक पहुंच गया। वर्ष 2019 में रिटौली गांव के स्टेडियम में सन्नी रिटौलिया के साथ विवाद और गोली चलने की घटना के बाद हिमांशु भाऊ का नाम गंभीर आपराधिक घटनाक्रम से जुड़ा। उस समय उसकी उम्र करीब 17 साल थी। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर हिसार स्थित बाल सुधार गृह भेज दिया था। हालांकि, कुछ समय बाद वह वहां से फरार हो गया। इसके बाद उसकी तलाश शुरू हुई और उसके खिलाफ दर्ज मामलों का दायरा बढ़ता गया।

मार्च 2022 में पांच दिन के भीतर हुई तीन हत्याओं ने क्षेत्र में तनाव बढ़ा दिया था। इन घटनाओं के सिलसिले में भी हिमांशु भाऊ का नाम सामने आया। पुलिस के लिए उसकी तलाश चुनौती बनती गई। रोहतक के अलावा झज्जर और दिल्ली तक दर्ज आपराधिक मामलों के कारण जांच का दायरा भी बढ़ा।

हिमांशु भाऊ पर जाली पासपोर्ट के सहारे विदेश भागने का आरोप भी लगा। भारत से बाहर पहुंचने के बाद उसकी तलाश अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंच गई। अब लास वेगास में उसकी गिरफ्तारी की खबर सामने आई है। इस घटनाक्रम को उसके लंबे आपराधिक सफर में अहम माना जा रहा है। हिमांशु भाऊ का नाम हिमांशु सिगरोहा के रूप में भी सामने आता रहा है। किशोर उम्र में पुलिस रिकॉर्ड में आने से लेकर बाल सुधार गृह से फरार होने और विदेश पहुंचने तक की घटनाओं ने उसे हरियाणा के चर्चित गैंगस्टरों में शामिल कर दिया।

जींद में जमीन विवाद तहसीलदार-कानूनगो और पटवारी पर एफआईआर

भारतेन्दु संवादाता, जींद। जींद में जमीन विवाद के मामले में पिल्लूखेड़ा थाना पुलिस ने नायब तहसीलदार, कानूनगो और हलका पटवारी के खिलाफ जालसाजी तथा धोखाधड़ी सहित विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया है। तीनों राजस्व कर्मचारियों पर आरोप है कि उन्होंने रजाना खुर्द गांव की विवादित जमीन का इंतकाल उस समय दर्ज किया, जब इससे संबंधित मामला कमिश्नर और एसडीएम कोर्ट में लंबित था। जमीन को लेकर स्टे ऑर्डर भी जारी था। शिकायत के अनुसार, विवादित जमीन के इंतकाल की प्रक्रिया पर कानूनी रोक होने के बावजूद राजस्व अधिकारियों और कर्मचारियों ने इंतकाल दर्ज कर दिया। इस कार्रवाई को लेकर शिकायतकर्ता ने आपत्ति जताई और मामले में कानूनी कार्रवाई की मांग की। शिकायत के आधार पर पुलिस ने तीनों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामले में नायब तहसीलदार, कानूनगो और हलका पटवारी की भूमिका की जांच की जाएगी। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास करेगी कि विवादित जमीन का इंतकाल किन परिस्थितियों में दर्ज किया गया और क्या इस दौरान निर्धारित नियमों तथा न्यायालय के आदेशों का पालन किया गया था।

फरीदाबाद के सीएनजी पंप पर मिक्सर ट्रक का सिलिंडर फटा, बड़ा हादसा टला

सीएनजी सिलिंडरों की सुरक्षा और तकनीकी जांच पर उठे सवाल

भारतेन्दु संवादाता, फरीदाबाद। मेवला महाराजपुर स्थित सीएनजी पंप पर रविवार को मिक्सर ट्रक का सीएनजी सिलिंडर फटने से अफरा-तफरी मच गई। धमाका इतना जोरदार था कि सिलिंडर उछलकर दूर जा गिरा। घटना में सीएनजी पंप के कुछ हिस्सों और वहां खड़ी एक कार को नुकसान पहुंचा है। गनीमत रही कि हादसे में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है।



एआई चित्र

जानकारी के अनुसार, मिक्सर ट्रक सीएनजी पंप पर पहुंचा था। इसी दौरान अचानक उसका सीएनजी सिलिंडर फट गया। तेज धमाके की आवाज सुनकर पंप पर मौजूद लोगों में हड़कंप मच गया। सिलिंडर दूर जा गिरने से आसपास के क्षेत्र में भी दहशत फैल गई। घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। हादसे के बाद संबंधित एजेंसियों ने घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि सिलिंडर किस वजह से फटा।

जांच पूरी होने के बाद ही दुर्घटना के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा। अधिकारियों की ओर से घटना से जुड़े तथ्यों की पड़ताल की जा रही है। फरीदाबाद में सीएनजी सिलिंडर फटने की यह घटना ऐसे समय हुई है, जब कुछ दिन पहले सूरजकुंड क्षेत्र में भी इसी तरह का हादसा सामने आया था। लगातार सामने आ रही ऐसी घटनाओं से वाहनों में लगे सीएनजी सिलिंडरों की सुरक्षा और उनकी तकनीकी जांच को लेकर सवाल उठ रहे हैं।

सिलिंडर सुरक्षा पर सवाल

घटना के बाद सीएनजी सिलिंडरों की सुरक्षा और समय-समय पर होने वाली तकनीकी जांच को लेकर चिंता बढ़ गई है। विशेषज्ञों के अनुसार, वाहनों में लगे गैस सिलिंडरों की नियमित जांच और निर्धारित सुरक्षा मानकों का पालन करना जरूरी है। इससे संभावित तकनीकी खामियों का समय रहते पता लगाया जा सकता है। मेवला महाराजपुर में हुए हादसे की जांच के दौरान सिलिंडर की स्थिति और विस्फोट के संभावित कारणों की पड़ताल की जाएगी। जांच रिपोर्ट सामने आने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा कि घटना के पीछे तकनीकी खराबी थी या कोई अन्य वजह। लगातार सामने आ रहे ऐसे हादसों के मद्देनजर सीएनजी सिलिंडरों की जांच व्यवस्था और सुरक्षा नियमों के प्रभावी पालन पर ध्यान देना आवश्यक है।

हरियाणा के किसान के बाजरा बिस्कुट विदेशों में छाए, अमेरिका और इंग्लैंड से मिल रहे ऑर्डर

प्राकृतिक खेती से तैयार बिस्कुट अमेरिका और इंग्लैंड तक पहुंचे

भारतेन्दु संवादाता, नारनौंद। हरियाणा के हिसार जिले के गांव कोथ कलां के किसान राजपाल श्योरान ने अपनी मेहनत और नए प्रयोग से देश-विदेश में पहचान बनाई है। प्राकृतिक खेती से बाजरा उगाने और उससे बिस्कुट तैयार करने की पहल ने उन्हें अलग पहचान दिलाई है। उनके बनाए बाजरे के बिस्कुट की मांग अब भारत के साथ विदेशों में भी बढ़ रही है। अमेरिका और इंग्लैंड सहित कई देशों से इन बिस्कुट के ऑर्डर मिल रहे हैं।



◆राजपाल श्योरान के बाजरे के बिस्कुट की विदेशों में बढ़ी मांग

राजपाल श्योरान ने कुछ अलग करने के उद्देश्य से पारंपरिक खेती के साथ कृषि उत्पादों का मूल्य संवर्धन करने की दिशा में कदम बढ़ाया। उन्होंने बाजरे को केवल अनाज के रूप में बेचने के बजाय उससे बिस्कुट तैयार करने का प्रयोग किया। इससे बाजरे को नए उत्पाद के रूप में बाजार तक पहुंचाने का अवसर मिला। प्राकृतिक खेती से तैयार बाजरे से बने बिस्कुट लोगों को पसंद आ रहे हैं और धीरे-धीरे इनकी पहचान विदेशों तक पहुंच गई है।

प्राकृतिक खेती से बढ़ी कमाई

इस पहल से राजपाल श्योरान ने यह साबित किया है कि किसान अपनी उपज का प्रसंस्करण करके आमदनी बढ़ाने के नए अवसर तलाश सकते हैं। बाजरे से बिस्कुट तैयार करने से जहां मोटे अनाज को नया बाजार मिला है, वहीं किसानों के लिए कृषि आधारित छोटे कारोबार की संभावनाएं भी सामने आई हैं। उनके उत्पादों को अमेरिका और इंग्लैंड जैसे देशों से मिल रहे ऑर्डर इस बात का संकेत हैं कि स्थानीय उत्पादों की मांग अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी बन सकती है।

निगरानी सीएक्यूएम सिटी एक्शन प्लान के तहत कार्यों की होगी नियमित समीक्षा

धूल प्रदूषण नियंत्रण के लिए नगर निगम ने कसी कमर

भारतेन्दु संवादाता, गुरुग्राम। शहर में धूल प्रदूषण पर नियंत्रण और वायु गुणवत्ता में सुधार के लिए नगर निगम ने निगरानी व्यवस्था को मजबूत किया है। नगर निगम गुरुग्राम की ओर से सीएक्यूएम सिटी एक्शन प्लान के क्रियान्वयन और धूल नियंत्रण उपायों की समीक्षा के लिए वरिष्ठ अधिकारियों को अलग-अलग जोन की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इस व्यवस्था के तहत अधिकारी अपने निर्धारित क्षेत्रों में चल रहे कार्यों की निगरानी करेंगे और योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित करेंगे।



एआई जेनरेटेड इमेज।

जारी आदेश के अनुसार, जोन एक और जोन दो की निगरानी की जिम्मेदारी निगमायुक्त स्वयं संभालेंगे। वहीं, अतिरिक्त निगमायुक्त अंकिता चौधरी को जोन तीन और जोन चार की जिम्मेदारी दी गई है। अतिरिक्त निगमायुक्त यश जालुका जोन पांच और जोन छह में धूल प्रदूषण नियंत्रण से जुड़े कार्यों की निगरानी करेंगे। इसके अलावा अतिरिक्त निगमायुक्त रविंद्र यादव को सभी जोन में बागवानी संबंधी कार्यों की निगरानी का दायित्व सौंपा गया है।

नगर निगम की इस व्यवस्था का उद्देश्य सीएक्यूएम सिटी एक्शन प्लान के तहत किए जा रहे कार्यों की वास्तविक स्थिति का आकलन करना है। संबंधित अधिकारी अपने-अपने क्षेत्रों में धूल नियंत्रण के लिए उठाए गए कदमों की समीक्षा करेंगे। इसके साथ ही योजना के अंतर्गत पुनर्विकसित की गई सड़कों का सत्यापन भी किया जाएगा। सड़कों पर धूल को नियंत्रित करने के लिए लागू किए गए उपायों की प्रभावशीलता का आकलन करना भी निगरानी प्रक्रिया का हिस्सा होगा। इससे यह पता लगाने में मदद मिलेगी कि निर्धारित उपायों को सही तरीके से लागू किया जा रहा है या नहीं। नगर निगम की ओर से अधिकारियों को जोनवार जिम्मेदारी सौंपने से निगरानी प्रक्रिया को व्यवस्थित बनाने का प्रयास किया गया है।

प्रदूषण नियंत्रण की जवाबदेही

नगर निगम अधिकारियों की निगरानी में धूल नियंत्रण के लिए किए जा रहे कार्यों की प्रगति और गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। जोनवार जिम्मेदारी तय होने से संबंधित क्षेत्रों में योजनाओं के क्रियान्वयन की जवाबदेही भी सुनिश्चित होगी। अधिकारी सड़कों की स्थिति, धूल नियंत्रण के उपायों और बागवानी कार्यों का निरीक्षण कर आवश्यक सुधारों की पहचान करेंगे। इसके आधार पर कमियों को दूर करने और निर्धारित मानकों के अनुसार कार्य पूरा कराने पर जोर रहेगा। निगम का प्रयास है कि सीएक्यूएम सिटी एक्शन प्लान के तहत उठाए जा रहे कदम केवल कागजों तक सीमित न रहें, बल्कि उनका प्रभाव जमीन पर भी दिखाई दे। नियमित समीक्षा और सत्यापन से धूल प्रदूषण कम करने के प्रयासों को प्रभावी बनाने में मदद मिलेगी।

रेखा गुप्ता सरकार का बड़ा फैसला, दिल्ली के 48 गांव होंगे शहरीकृत

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व वाली सरकार ने राजधानी के नियोजित और एकीकृत विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है। सरकार ने दिल्ली के 48 गांवों को शहरीकृत करने का निर्णय लिया है। यह फैसला दिल्ली नगर निगम अधिनियम, 1957 की धारा 507(ए) के तहत लिया गया है। इसका उद्देश्य गांवों की वैधानिक स्थिति को बदलते शहरी परिदृश्य के अनुरूप बनाना और उनके भविष्य के विकास की बेहतर योजना तैयार करना है।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के अनुसार, इस निर्णय से संबंधित गांवों में भूमि उपयोग, सड़क संपर्क, सीवर व्यवस्था, जलापूर्ति, स्वच्छता और अन्य नागरिक सुविधाओं की जरूरतों का व्यवस्थित आकलन किया जा सकेगा। साथ ही, विभिन्न सरकारी एजेंसियों के बीच समन्वय मजबूत करने और विकास कार्यों की बेहतर योजना बनाने में भी मदद मिलेगी।



दिल्ली के 48 गांवों को मिलेगा शहरी दर्जा, विकास का रास्ता साफ

गांवों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने पर जोर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली के गांव राजधानी की सांस्कृतिक विरासत, सामाजिक जीवन और विकास यात्रा का अभिन्न हिस्सा हैं।

गांवों की खुशहाली, वहां रहने वाले परिवारों के जीवन स्तर में सुधार और बेहतर बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए सुनियोजित विकास आवश्यक है। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य दिल्ली का संतुलित, समावेशी और भविष्य की जरूरतों के अनुरूप विकास करना है। 48 गांवों का शहरीकरण इसी दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इससे गांवों की विकास संबंधी आवश्यकताओं का आकलन करने, नागरिक सुविधाओं की बेहतर योजना बनाने और संबंधित विभागों के बीच तालमेल स्थापित करने का आधार तैयार होगा। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि सरकार गांवों की पहचान और उनकी ऐतिहासिक विरासत का सम्मान करते हुए उन्हें विकास की मुख्यधारा से जोड़ना चाहती है।

इन 48 गांवों को किया जाएगा शहरीकृत सरकार के निर्णय के तहत उत्तर, उत्तर-पश्चिम, दक्षिण-पश्चिम और अन्य क्षेत्रों के विभिन्न गांव शामिल हैं। इनमें बकौली, हमीदपुर, पल्ला, कुलकपुर, सिंघोला, सुंगरपुर दिल्ली, सुंगरपुर शाहदरा, ताजपुर कलां, टिहरी दौलतपुर, राजपुर कलां, औचंदी, मुंगेशपुर, शाहपुर गढ़ी, निजामपुर रसिदपुर, चटेसर और पुर दिल्ली शामिल हैं। इसके अलावा जगतपुर दिल्ली, सुल्तानपुर माजरा, पुर शाहदरा, सबापुर दिल्ली, बदरपुर खादर, बाकीआबाद, खानपुर खानी, जाफराबाद, जगतपुर शाहदरा, बदरपुर माजरा बुराड़ी, फतेहपुर बेरी, चंदनहोला, बदूसराय, देवराला, घुम्मनहेड़ा और जैनपुर को भी इस सूची में शामिल किया गया है। अन्य गांवों में झटिकरा, कांगनहेड़ी, राघोपुर, रावता, शिकारपुर, बिजवासन, नानक हेड़ी, बकरगढ़, ढांसा, गालिबपुर, इस्सापुर, कैर, मुंडेला कलां, मुंडेला खुर्द, सुरखपुर और चक चिल्ला शामिल हैं।

शिकायतकर्ता ही जांच अधिकारी तो निष्पक्षता पर सवाल, दिल्ली हाईकोर्ट का अहम फैसला

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली हाईकोर्ट ने पुलिस जांच की निष्पक्षता को लेकर महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए स्पष्ट किया है कि एक ही व्यक्ति का शिकायतकर्ता और जांच अधिकारी होना प्राकृतिक न्याय तथा निष्पक्ष सुनवाई के सिद्धांतों के खिलाफ है। न्यायमूर्ति प्रतीक जालान की पीठ ने इसी आधार पर तिमारपुर पार्षद प्रोमिला गुप्ता के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी और उससे जुड़ी सभी कानूनी कार्यवाहियों को रद्द करने का आदेश दिया। मामला दिल्ली संपत्ति विरूपण निवारण अधिनियम, 2007 की धारा तीन के तहत तिमारपुर थाने में 29 नवंबर 2022 को दर्ज प्राथमिकी से संबंधित था।

पार्षद ने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर प्राथमिकी रद्द करने की मांग की थी। **शिकायतकर्ता ही कर रहा था जांच** याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता दुष्यंत नायक ने अदालत को बताया कि मामले में सब-इंस्पेक्टर सुरेंद्र सिंह शिकायतकर्ता होने के साथ जांच अधिकारी भी थे।



दिल्ली हाईकोर्ट का निष्पक्ष जांच पर अहम फैसला

प्राथमिकी और आरोपपत्र में भी यही तथ्य सामने आया। **पुराने फैसलों का दिया हवाला** याचिकाकर्ता के अधिवक्ता ने दलील दी कि हाईकोर्ट पहले भी ऐसे मामलों में प्राथमिकी रद्द कर चुका है। इसके लिए प्रेरणा बनाम राज्य और अमित कुमार बनाम दिल्ली सरकार के फैसलों का हवाला दिया गया। ये मामले भी संबंधित अधिनियम की धारा तीन के तहत दर्ज प्राथमिकी से जुड़े थे।

न्यूज ब्रीफ

ग्रेटर नोएडा में 40 हजार वर्ग मीटर जमीन पर गरजा बुलडोजर, अवैध निर्माण ध्वस्त

एजेंसी ,नई दिल्ली ग्रेटर नोएडा में अवैध निर्माण और जमीन पर कब्जे के खिलाफ प्राधिकरण ने कार्रवाई तेज कर दी है। शनिवार को ग्रेनो प्राधिकरण की टीम ने पुराने हैबतपुर गांव के डूब क्षेत्र में करीब 40 हजार वर्ग मीटर जमीन पर किए गए अवैध निर्माण को बुलडोजर चलाकर ध्वस्त कर दिया। एनजीटी के आदेश पर पुलिस के सहयोग से यह कार्रवाई की गई, जिससे अवैध निर्माण करने वालों में हड़कंप मच गया। प्राधिकरण के परियोजना विभाग के महाप्रबंधक एके सिंह ने बताया कि डूब क्षेत्र की जमीन पर कालोनाइजर अवैध कॉलोनी बसाने की तैयारी कर रहे थे। इसके लिए बाउंड्री बनाकर जमीन पर कब्जा करने का प्रयास किया जा रहा था। परियोजना विभाग के वर्क सर्किल-1 के वरिष्ठ प्रबंधक प्रभात शंकर के नेतृत्व में टीम ने मौके पर पहुंचकर अवैध निर्माण ध्वस्त कर दिया। कार्रवाई के दौरान प्रबंधक प्रशांत समाधिया सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। प्राधिकरण ने स्पष्ट किया कि डूब क्षेत्र में अवैध निर्माण और अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। दोबारा कब्जा करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।



आईटीआई में प्रवेश की अंतिम तिथि बढ़ी, अब 30 अक्टूबर तक मिलेगा मौका

एजेंसी, नई दिल्ली मेरठ के राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) में रिक्त सीटों पर प्रवेश लेने के इच्छुक अभ्यर्थियों के लिए राहत की खबर है। प्रवेश की अंतिम तिथि बढ़ाकर अब 30 अक्टूबर कर दी गई है। अभ्यर्थी संबंधित आईटीआई में पहुंचकर ऑनस्पॉट पंजीकरण कराते हुए प्रवेश ले सकते हैं। जनपद के सभी राजकीय आईटीआई में पंचम चरण के प्रवेश के लिए पहले 19 अक्टूबर अंतिम तिथि निर्धारित की गई थी। इस दौरान वॉक-इन पद्धति से प्रवेश प्रक्रिया संचालित की गई, लेकिन इसके बावजूद सीटें पूरी तरह नहीं भर सकीं। जिले के छह राजकीय आईटीआई में से पांच संस्थानों में अब भी सीटें रिक्त हैं। राजकीय आईटीआई सावेत में ही करीब 250 सीटें खाली हैं, जबकि जिले के सभी राजकीय आईटीआई में रिक्त सीटों की संख्या 700 से अधिक है। राजकीय आईटीआई के मीडिया प्रभारी कुलदीप सिंह ने बताया कि अभ्यर्थियों को प्रवेश का एक और अवसर देने के लिए अंतिम तिथि 30 अक्टूबर तक बढ़ाई गई है। जिन अभ्यर्थियों ने अभी तक पंजीकरण नहीं कराया है, वे भी संस्थान पहुंचकर ऑनस्पॉट पंजीकरण कराकर प्रवेश ले सकते हैं। इच्छुक अभ्यर्थियों से समय सीमा के भीतर प्रवेश प्रक्रिया पूरी करने की अपील की गई है।

आगरा शिक्षक चुनाव में धांधली की शिकायत, तीन बूथों पर सोमवार को फिर पड़ेंगे वोट

एजेंसी, नई दिल्ली आगरा खंड शिक्षक चुनाव में मतदान के दौरान गड़बड़ी की शिकायत के बाद निर्वाचन आयोग ने सख्त कदम उठाया है। शुक्रवार को हुए मतदान को निरस्त करते हुए तीन बूथों पर सोमवार को दोबारा मतदान कराने का निर्णय लिया गया है। इसके लिए पोलिंग पार्टियां रवाना हो गई हैं। जानकारी के अनुसार, फतेहाबाद सहित तीन बूथों पर मतदान में धांधली की शिकायत मिली थी। एमएलसी और सपा प्रत्याशी डॉ. आकाश अग्रवाल ने रिटर्निंग अधिकारी नगेंद्र प्रताप से शिकायत कर भाजपा कार्यकर्ताओं पर बूथ कैप्चरिंग और मारपीट के आरोप लगाए थे। इस बीच, इंटरनेट मीडिया पर बूथ के अंदर बैलेट पेपर बिखरे होने सहित अन्य वीडियो भी प्रसारित हुए। शिकायतों और सामने आए वीडियो के बाद निर्वाचन आयोग ने तीनों बूथों पर शुक्रवार को हुए मतदान को निरस्त कर दिया। आयोग के आदेश पर जिला प्रशासन सोमवार को दोबारा मतदान कराएगा। इसके लिए तैयारियां पूरी की जा रही हैं। प्रशासन की निगरानी में मतदान प्रक्रिया संपन्न कराई जाएगी।



दिल्ली में 4.4 लाख वृद्धावस्था पेंशन लाभार्थियों का सत्यापन शुरू, 25% नाम हटने की संभावना



दिल्ली के वृद्धावस्था पेंशन योजना सूची का होगा सत्यापन

एजेंसी, नई दिल्ली दिल्ली सरकार ने वृद्धावस्था पेंशन योजना के करीब 4.4 लाख लाभार्थियों का सत्यापन अभियान शनिवार से शुरू कर दिया है। इस अभियान का उद्देश्य अपात्र लाभार्थियों की पहचान कर उन्हें पेंशन सूची से हटाना है। अधिकारियों के अनुमान के मुताबिक, सत्यापन प्रक्रिया पूरी होने के बाद मौजूदा सूची में 20 से 25 प्रतिशत तक नाम कम हो सकते हैं। सरकारी अधिकारियों ने बताया कि इस अभियान को तीन महीने के भीतर पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके तहत लाभार्थियों की पात्रता की जांच की जाएगी, ताकि पेंशन का लाभ सही लोगों तक पहुंच सके। अधिकारियों के अनुसार, सत्यापन अभियान पहले शुरू किया जाना था, लेकिन तीसरे पक्ष के माध्यम से लाभार्थियों का आधार प्रमाणीकरण कराने की अनुमति नहीं मिलने के कारण प्रक्रिया रोकनी पड़ी थी। अब आवश्यक अनुमति मिलने के बाद घर-घर जाकर बायोमेट्रिक सत्यापन शुरू कर दिया गया है। इस दौरान लाभार्थियों की पहचान और पात्रता से संबंधित जानकारी की जांच की जाएगी। सत्यापन पूरा होने के बाद ही अपात्र लाभार्थियों के नाम हटाने की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाएगी। सरकार का लक्ष्य पेंशन वितरण व्यवस्था को अधिक पारदर्शी बनाना और पात्र बुजुर्गों तक योजना का लाभ सुनिश्चित करना है। हालांकि, 20 से 25 प्रतिशत नाम हटने का आंकड़ा फिलहाल अधिकारियों का अनुमान है, अंतिम संख्या सत्यापन पूरा होने के बाद स्पष्ट होगी। सरकार के इस कदम से पेंशन वितरण व्यवस्था में पारदर्शिता बढ़ने की उम्मीद है। सत्यापन के दौरान लाभार्थियों को अपनी पहचान और जरूरी दस्तावेज उपलब्ध कराने पड़ सकते हैं। अभियान पूरा होने के बाद पात्र बुजुर्गों को पेंशन का लाभ मिलता रहेगा।

बाल्मीकि मोहल्ले में पसरा मातम : सोनू, अनिल और रवि की मौत, अभिषेक अस्पताल में भर्ती

एजेंसी, नई दिल्ली

हरियाणा के सोहना स्थित बाल्मीकि मोहल्ले में रविवार अलसुबह हुए दर्दनाक सड़क हादसे ने तीन परिवारों को गहरे सदमे में डाल दिया। इस भीषण दुर्घटना में सोनू, अनिल और रवि की मौत हो गई, जबकि अभिषेक गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे की खबर मिलते ही पूरे मोहल्ले में शोक की लहर दौड़ गई। मृतकों के घरों में मातम छा गया और परिवारों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। जानकारी के अनुसार, सोहना के बाल्मीकि मोहल्ले में रहने वाले सोनू, अनिल और रवि एक पारिवारिक समारोह में शामिल होने के बाद घर लौट रहे थे। चारों लोग इको गाड़ी में सवार थे। रविवार तड़के घर लौटते समय उनकी गाड़ी दुर्घटनाग्रस्त हो गई।

हादसा इतना दर्दनाक था कि सोनू, अनिल और रवि की जान चली गई, जबकि अभिषेक गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल अभिषेक को उपचार के लिए नूंह के नल्हड़ अस्पताल में भर्ती कराया



एआई जेनरेटेड इमेज

गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है। हादसे की सूचना मिलने के बाद मृतकों के परिजनों और परिचितों में चीख-पुकार मच गई। देखते ही देखते मोहल्ले में लोगों की भीड़ जुट गई और हर आंख नम हो गई।

बताया जा रहा है कि रवि, अनिल के जीजा थे और उनके चाचा बिल्लू के दामाद थे। इस हादसे ने परिवार के कई सदस्यों को गहरा दुख पहुंचाया है। तीनों मृतकों के अंतिम संस्कार के लिए जब एक साथ अर्थियां उठीं तो माहौल गमगीन हो गया। परिजनों का दर्द देखकर वहां मौजूद हर व्यक्ति भावुक हो उठा। मोहल्ले में शोक का माहौल ऐसा था कि कई घरों में चूल्हे तक नहीं जले।

65 की उम्र में फिटनेस का जुनून, 100 से ज्यादा पदक और 60 से अधिक मैराथन का सफर

एजेंसी, नई दिल्ली

उम्र केवल एक संख्या है, अगर मन में कुछ कर गुजरने का जुनून हो तो कोई भी मंजिल मुश्किल नहीं। राजनगर एक्सटेंशन निवासी 65 वर्षीय महिपाल सिंह ने इस बात को सच साबित कर दिखाया है। फिटनेस के प्रति उनके जुनून और अनुशासित दिनचर्या ने उन्हें एक नई पहचान दिलाई है। लोग उन्हें प्यार से 'फिट दादाजी' के नाम से जानते हैं। महिपाल सिंह की फिटनेस यात्रा उस समय शुरू हुई, जब उन्हें मधुमेह होने का पता चला। स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए उन्होंने शुरुआत में प्रतिदिन केवल 10 से 15 मिनट की सैर करना शुरू किया। धीरे-धीरे उन्होंने अपनी दिनचर्या में व्यायाम और दौड़ को शामिल किया। लगातार मेहनत, नियमित अभ्यास और मजबूत इच्छाशक्ति के दम पर उन्होंने लंबा सफर तय किया। आज 65 वर्ष की उम्र में महिपाल सिंह 60 से अधिक राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मैराथन प्रतियोगिताओं में हिस्सा ले चुके हैं।

1976 बैच के शोधार्थियों का खास मिलन, आगरा कॉलेज में गूंजे पुरानी यादों के किस्से

एजेंसी, नई दिल्ली

आगरा कॉलेज के रसायन विज्ञान विभाग के 1976 बैच के पूर्व शोधार्थियों ने शनिवार को अपनी गोल्डन जुबली धूमधाम से मनाई। इस खास अवसर पर पूर्व छात्र अपने परिवारों के साथ कॉलेज पहुंचे और पांच दशक पुरानी यादों को फिर से जीवंत किया। किसी के साथ उनकी पत्नी थीं तो कोई अपने बच्चों के साथ समारोह में शामिल हुआ। वर्षों बाद अपने पुराने साथियों से मिलकर सभी के चेहरे खिल उठे। वहीं, कॉलेज के दिनों की यादें साझा करते समय कई पूर्व छात्र भावुक भी हो गए।

समारोह में रसायन विज्ञान विभाग के 1970 से 1976 के बीच शोध करने वाले पूर्व विद्यार्थियों ने अपने अनुभव साझा किए। इस दौरान उन्होंने अपने शिक्षकों के योगदान को याद करते हुए कहा कि गुरु केवल पढ़ाई ही नहीं कराते थे, बल्कि अभिभावकों की तरह विद्यार्थियों के भविष्य और



आगरा कॉलेज के 1976 बैच के शोधार्थी परिवार संग जुटे

परेशानियों की भी चिंता करते थे। शिक्षकों का स्नेह, मार्गदर्शन और सहयोग ही उनकी सफलता की मजबूत नींव बना। गोल्डन जुबली समारोह में बरेली कॉलेज, बरेली से सेवानिवृत्त प्रोफेसर सुनील शर्मा ने अपने विद्यार्थी जीवन का एक भावुक प्रसंग साझा किया।

उन्होंने बताया कि डॉ. जीके चतुर्वेदी उनके शोध निर्देशक थे। शोध के दौरान ही उनकी नियुक्ति बरेली कॉलेज में हो गई थी, लेकिन वहां तक पहुंचने के लिए उनके पास किराए के पैसे भी नहीं थे। ऐसे कठिन समय में डॉ. चतुर्वेदी ने उनकी मदद की और यात्रा का किराया दिया। प्रो. सुनील शर्मा ने बताया कि उनके शिक्षक के इस सहयोग ने उनके जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

उन्होंने अपने गुरु के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके मार्गदर्शन और मदद के कारण ही वह एक सफल शिक्षक बन सके। उनके इस अनुभव ने समारोह में मौजूद पूर्व छात्रों को भावुक कर दिया। पांच दशक बाद आयोजित इस मिलन समारोह में पूर्व विद्यार्थियों ने अपने कॉलेज जीवन के अनुभव, शोध के दिनों की चुनौतियां और शिक्षकों से जुड़ी यादें साझा कीं।

नीला ड्रम कांड: साहिल-मुस्कान की हाईकोर्ट में अपील, बच्ची के भविष्य को लेकर उठी भावुक मांग



साहिल-मुस्कान और अमरदीप-रविता

एजेंसी, नई दिल्ली

मेरठ। चर्चित नीला ड्रम हत्याकांड में मृत्युदंड की सजा पाने वाले साहिल शुक्ला और मुस्कान रस्तोगी ने निचली अदालत के फैसले को हाईकोर्ट में चुनौती दी है। दोनों ने वरिष्ठ अधिवक्ता के माध्यम से अपील दायर कर मृत्युदंड के फैसले पर पुनर्विचार की मांग की है। हालांकि, निचली अदालत द्वारा सुनाई गई फांसी की सजा को अभी हाईकोर्ट की मंजूरी नहीं मिली है। वहीं, अमित हत्याकांड में मृत्युदंड पाने वाले अमरदीप और रविता भी हाईकोर्ट में अपील करने की तैयारी कर रहे हैं।

200 पन्नों से अधिक के फैसले के बाद हाईकोर्ट में अपील मेरठ के ब्रह्मपुरी क्षेत्र में तीन मार्च 2025 को सौरभ राजपूत की हत्या कर दी गई थी। उसकी पत्नी मुस्कान रस्तोगी और मुस्कान के प्रेमी साहिल शुक्ला पर हत्या का आरोप साबित हुआ। वारदात के बाद शव को नीले ड्रम में रखकर सीमेंट से ढक दिया गया था। इस मामले में जिला जज अरविंद कुमार मिश्र की अदालत ने 14 अक्टूबर को दोनों दोषियों को मृत्युदंड सुनाया था। निचली अदालत का 165 पन्नों का फैसला मृत्युदंड की पुष्टि के लिए हाईकोर्ट भेजा गया है। अभी तक वहां से सजा की पुष्टि नहीं हुई है। गुरुवार को वरिष्ठ अधिवक्ता सुशील शुक्ला के माध्यम से साहिल और मुस्कान की ओर से अपील दायर की गई।

अधिवक्ता के अनुसार, दोनों ने उन्हें अपना वकील नियुक्त करने की सहमति दी थी। फिलहाल हाईकोर्ट में सुनवाई की तारीख तय नहीं हुई है। **अमित हत्याकांड के दोषी भी करेंगे अपील** दूसरी ओर, अमित हत्याकांड में मृत्युदंड की सजा पाए अमरदीप और उसकी पत्नी रविता भी फैसले को हाईकोर्ट में चुनौती देने की तैयारी कर रहे हैं। जेल प्रशासन को भी उनकी अपील की तैयारी के संबंध में जानकारी मिली है।

अमेठी के 108 गांवों में खुलेंगी डिजिटल लाइब्रेरी, 4.32 करोड़ रुपये होंगे खर्च

एजेंसी, नई दिल्ली

अमेठी। जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले छात्र-छात्राओं के लिए अच्छी खबर है। अब उन्हें पढ़ाई के लिए निजी लाइब्रेरी में पैसे खर्च नहीं करने पड़ेंगे। सरकार की योजना के तहत 108 पंचायत भवनों में डिजिटल लाइब्रेरी स्थापित की जाएंगी। इस परियोजना पर 4.32 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। डिजिटल लाइब्रेरी में विद्यार्थियों को निशुल्क पढ़ाई करने की सुविधा मिलेगी। यहां प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए जरूरी किताबें और डिजिटल संसाधन उपलब्ध कराए जाएंगे। इसके लिए नेशनल बुक ट्रस्ट से पुस्तकें खरीदी जाएंगी। साथ ही कंप्यूटर, कैमरा और अन्य आवश्यक उपकरणों की व्यवस्था भी की जाएगी। योजना को लागू करने के लिए संबंधित विभाग की ओर से गांवों का चयन किया जा रहा है। चयन प्रक्रिया पूरी होने के बाद प्रस्ताव शासन को भेजा जाएगा।

दिल्ली में जल बोर्ड की लापरवाही! सीवर लाइन बिछाकर भूला विभाग, 15 दिन से टूटी सड़क पर चल रहे लोग

एजेंसी, नई दिल्ली

पूर्वी दिल्ली के बलदेव पार्क में सीवर पाइपलाइन बिछाने के बाद सड़क की मरम्मत नहीं होने से स्थानीय लोगों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। गली नंबर-2 में पिछले करीब 15 दिनों से सड़क बदहाल पड़ी है। जगह-जगह गड्ढे, खुला सीवर मैनहोल और सड़क पर फैला मलबा लोगों के लिए परेशानी का कारण बना हुआ है। स्थानीय निवासियों का आरोप है कि शिकायतों के बावजूद संबंधित विभाग के अधिकारी समस्या पर ध्यान नहीं दे रहे हैं।

15 दिन बाद भी नहीं हुई सड़क की मरम्मत

स्थानीय लोगों के अनुसार, करीब 15 दिन पहले सीवर पाइपलाइन डालने के लिए सड़क की खोदाई की गई थी। काम पूरा होने के बाद सड़क को दोबारा दुरुस्त किया जाना चाहिए था, लेकिन अब तक मरम्मत नहीं हुई



पाइपलाइन डालकर छोड़ी सड़क।

है। इसके कारण लोगों को रोजाना बदहाल रास्ते से गुजरना पड़ रहा है।

सड़क पर जगह-जगह गड्ढे होने और मलबा बिखरा रहने से पैदल चलने वालों के साथ अन्य राहगीरों को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। लोगों को संभलकर रास्ता पार करना पड़ता है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि सड़क की खराब स्थिति से आवागमन प्रभावित हो रहा है। बलदेव पार्क की गली नंबर-2 में खुले गड्ढे और सीवर का मैनहोल लोगों की सुरक्षा के लिए चिंता का विषय बने हुए हैं।

चांदी सस्ती होते ही चमका आगरा का सराफा बाजार, लक्ष्मी-गणेश की भारी मूर्तियों की बढ़ी मांग

पहले हल्की मूर्तियों की मांग, अब 150 से 250 ग्राम तक के ऑर्डर; चांदी सस्ती होने का असर

एजेंसी, नई दिल्ली

आगरा में चांदी की कीमतों में गिरावट आने से त्योहारी सीजन में आगरा के सराफा बाजार की रौनक लौट आई है। नवरात्र से शुरू हुए त्योहारों के मौसम में चांदी के आभूषणों और धार्मिक उत्पादों की मांग में तेजी देखने को मिल रही है। चांदी सस्ती होने से ग्राहकों का रुझान अब हल्के वजन के उत्पादों के साथ-साथ भारी वजन की लक्ष्मी-गणेश की मूर्तियों और चांदी के सिक्कों की ओर भी बढ़ने लगा है। इससे सराफा कारोबारियों को आगामी धनतेरस और दीपावली के दौरान कारोबार में और तेजी आने की उम्मीद है। पिछले कुछ समय से चांदी की कीमतों में उतार-चढ़ाव के कारण ग्राहक खरीदारी को लेकर सतर्क थे।

कई ग्राहक कम वजन वाले उत्पादों को प्राथमिकता दे रहे थे, ताकि सीमित बजट में त्योहारों के लिए खरीदारी की जा सके। हालांकि, कीमतों में गिरावट आने के बाद बाजार का माहौल बदलने लगा है। अब ग्राहक अपनी पसंद और बजट के अनुसार अधिक



लक्ष्मी-गणेश की मूर्ति और चांदी के बने बिस्कुट

वजन वाले चांदी के उत्पाद खरीदने में रुचि दिखा रहे हैं। इसका सीधा असर सराफा बाजार में दिखाई देने लगा है। **भारी वजन की लक्ष्मी-गणेश मूर्तियों की बढ़ी मांग**

त्योहारी सीजन में भगवान लक्ष्मी और गणेश की चांदी की मूर्तियां विशेष आकर्षण का केंद्र रहती हैं। पहले ग्राहक हल्के वजन की होलोग्राम वाली मूर्तियों को अधिक पसंद कर रहे थे। इन मूर्तियों की कीमत अपेक्षाकृत कम होने के कारण सीमित बजट वाले ग्राहकों के बीच इनकी मांग बनी हुई थी। लेकिन चांदी सस्ती होने के बाद अब 150, 200 और 250 ग्राम वजन वाली लक्ष्मी-गणेश की मूर्तियों के ऑर्डर भी मिलने लगे हैं। धनतेरस और दीपावली पर इन मूर्तियों की खरीदारी को शुभ माना जाता है। लोग घरों और प्रतिष्ठानों में पूजा के लिए चांदी की मूर्तियां खरीदते हैं। ऐसे में कीमतों में आई गिरावट ग्राहकों के लिए राहत लेकर आई है। कारोबारियों को उम्मीद है कि त्योहार नजदीक आने के साथ ही इन उत्पादों की बिक्री में और बढ़ोतरी होगी।

चांदी के सिक्कों के बाजार में भी लौटी रौनक

लक्ष्मी-गणेश की मूर्तियों के साथ चांदी के सिक्कों की मांग में भी तेजी आने लगी है। धनतेरस पर चांदी के सिक्के खरीदना शुभ माना जाता है। कई परिवार पूजा के लिए सिक्के खरीदते हैं, जबकि कारोबारी और संस्थान इन्हें उपहार के रूप में भी देते हैं। चांदी की कीमतों में गिरावट से ग्राहक अपनी जरूरत के अनुसार सिक्कों की खरीदारी करने के लिए आगे आ रहे हैं। त्योहारी सीजन में चांदी की पूजा थालियों और उपहार में दिए जाने वाले अन्य उत्पादों की भी अच्छी मांग रहती है। दीपावली के अवसर पर इन वस्तुओं की खरीदारी बढ़ने से सराफा कारोबारियों को बाजार में सकारात्मक बदलाव की उम्मीद है।

पारले-जी बिस्कुट के साथ त्योहारों पर दिए जाने वाले पारंपरिक उपहारों का भी बाजार में विशेष महत्व बना हुआ है। चांदी की कीमतों में गिरावट का असर करवाचौथ के बाजार में भी दिखाई दे रहा है। इस अवसर पर महिलाएं पायल और बिछुए जैसे चांदी के आभूषण खरीदती हैं। कीमतें कम होने से ग्राहकों को खरीदारी में राहत मिलती है। इससे इन पारंपरिक आभूषणों की मांग बढ़ने की संभावना है। आगरा देश के प्रमुख चांदी कारोबार केंद्रों में शामिल है। यहां प्रतिदिन करीब पांच टन चांदी का कारोबार होता है।

जामिया में 20 साल से नहीं हुए छात्रसंघ चुनाव हिंसक घटनाओं के बाद भंग हुआ था संगठन

एजेंसी, नई दिल्ली

नई दिल्ली में जामिया मिल्लिया इस्लामिया में छात्रसंघ चुनाव बहाल करने की मांग एक बार फिर चर्चा में है। विश्वविद्यालय में आखिरी बार वर्ष 2006 में छात्रसंघ चुनाव हुए थे। उस दौरान संस्थान और छात्रों के बीच लगातार बढ़ते गतिरोध तथा हिंसक घटनाओं के बाद छात्रसंघ को पूरी तरह भंग कर दिया गया था। इसके बाद से अब तक विश्वविद्यालय में नियमित छात्रसंघ चुनाव नहीं हो सके हैं। करीब दो दशक से छात्र चुनाव बहाल होने का इंतजार कर रहे हैं।

छात्रों का कहना है कि छात्रसंघ किसी भी विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों की समस्याओं को प्रशासन तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण माध्यम होता है। इसके जरिए छात्र अपनी मांगों, शिकायतों और शैक्षणिक समस्याओं को सामूहिक रूप से उठा सकते हैं। उनका आरोप है कि वर्तमान व्यवस्था विद्यार्थियों की समस्याओं का प्रभावी समाधान करने में सफल नहीं हो रही है। ऐसे में छात्रसंघ चुनाव बहाल करना जरूरी है, ताकि विद्यार्थियों को अपनी बात रखने के लिए लोकतांत्रिक मंच मिल सके।



जामिया मिल्लिया इस्लामिया। सोशल मीडिया

2006 में क्यों भंग हुआ था छात्रसंघ?

जामिया मिल्लिया इस्लामिया में वर्ष 2006 में हुए छात्रसंघ चुनावों के बाद हालात तनावपूर्ण हो गए थे। संस्थान और छात्रों के बीच लगातार बढ़ते विवाद तथा हिंसक घटनाओं ने स्थिति को गंभीर बना दिया। इसके बाद विश्वविद्यालय में छात्रसंघ को पूरी तरह भंग कर दिया गया। तब से विद्यार्थियों को अपने प्रतिनिधियों का चुनाव करने का अवसर नहीं मिला है। छात्रों के लिए यह मुद्दा लंबे समय से चिंता का विषय बना हुआ है। उनका मानना है कि छात्रसंघ के अभाव में विद्यार्थियों की सामूहिक आवाज कमजोर पड़ती है और प्रशासन के सामने समस्याओं को प्रभावी ढंग से उठाना मुश्किल हो जाता है।

2012 में फिर उठी चुनाव बहाली की मांग

वर्ष 2012 में जामिया में छात्रसंघ चुनाव बहाल करने की मांग ने दोबारा जोर पकड़ा। इस मामले में छात्र हमीदुर्रहमान ने हाई कोर्ट का रुख किया था। छात्रों के अनुसार, उस समय विश्वविद्यालय प्रशासन ने अदालत में चुनाव कराने के लिए परिस्थितियों को अनुकूल नहीं बताया था। इसके बाद भी छात्रसंघ चुनाव बहाल करने की मांग समय-समय पर उठती रही। विद्यार्थियों का कहना है कि विश्वविद्यालय में लोकतांत्रिक व्यवस्था मजबूत करने के लिए चुनाव आवश्यक हैं।

न्यूज ब्रीफ

गोमा ने रघुनाथ के अस्थायी शिविर में नवाया शीश



भारतेन्दु संवाददाता, कुल्लू। आयुष, युवा सेवाएं व खेल मंत्री यादविंदर गोमा ने रविवार को अंतरराष्ट्रीय कुल्लू दशहरा उत्सव के दौरान ढालपुर स्थित भगवान रघुनाथ के अस्थायी शिविर में शीश नवाया और पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान उन्होंने देवभूमि कुल्लू की समृद्ध देव संस्कृति, धार्मिक आस्था और सदियों पुरानी परंपराओं के प्रति श्रद्धा व्यक्त की। मंत्री ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय कुल्लू दशहरा उत्सव हिमाचल प्रदेश की विशिष्ट सांस्कृतिक पहचान का प्रतीक है। उत्सव में विभिन्न देवी-देवताओं का समागम प्राचीन देव परंपराओं और धार्मिक मान्यताओं को जीवंत बनाता है। उन्होंने कहा कि कुल्लू दशहरा केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, सामाजिक समरसता और जनआस्था का भी प्रतीक है। यह उत्सव पीढ़ियों से चली आ रही देव परंपराओं के संरक्षण और संवर्धन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालु और पर्यटक यहां की लोक संस्कृति तथा पारंपरिक रीति-रिवाजों से रूबरू होते हैं।

सीएम सुक्खू कर्मचारी वर्ग के सच्चे हितैषी : राजन शर्मा

भारतेन्दु संवाददाता, गोंदपुर बनेहड़ा। हिमाचल प्रदेश स्कूल लेक्चरर संघ के प्रांतीय मुख्य मीडिया सचिव राजन शर्मा ने लंबित महंगाई भत्ता (डीए) जारी करने पर मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू का आभार जताया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने कर्मचारियों की मांग को पूरा किया है। संघ ने डीए जारी करने का आग्रह किया था, जिसे मुख्यमंत्री ने स्वीकार किया। राजन शर्मा ने कहा कि प्रदेश के कर्मचारी पुरानी पेंशन योजना बहाल करने के लिए भी मुख्यमंत्री के आभारी हैं। उन्होंने लंबित एरियर जारी करने की मांग उठाते हुए बताया कि मुख्यमंत्री की ओर से इसे जल्द पूरा करने का आश्वासन मिला है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री कर्मचारी संगठनों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हैं और उनके समाधान का प्रयास करते हैं। राजन शर्मा ने बेसहारा बच्चों के लिए शुरू की गई सुख आश्रय योजना को भी सराहनीय पहल बताया।

बीमारी का मजाक उड़ाना असंवेदनशीलता: विनय शर्मा

भारतेन्दु संवाददाता, ऊना। भाजपा जिला प्रवक्ता विनय शर्मा ने कांग्रेस नेता एवं



पूर्व विधायक सतपाल रायजादा के कथित वायरल वीडियो में भाजपा विधायक सतपाल सिंह सत्ती के ऑपरेशन को लेकर की गई टिप्पणी पर नाराजगी जताई है। उन्होंने कहा कि बीमारी और व्यक्तिगत पीड़ा का मजाक उड़ाना उचित नहीं है। शर्मा ने कहा कि राजनीतिक मतभेद अपनी जगह हैं, लेकिन मानवीय संवेदनाओं और विरोधियों के प्रति सम्मान बनाए रखना जरूरी है। उन्होंने दावा किया कि रायजादा के अस्वस्थ होने पर भाजपा नेताओं ने उनका हालचाल पूछा था। उन्होंने रायजादा से अपील की कि यदि वायरल वीडियो में टिप्पणी उन्हीं की है, तो वे सार्वजनिक रूप से खेद जताकर माफी मांगें। शर्मा ने कहा कि भाजपा लोकतांत्रिक तरीके से कांग्रेस का विरोध जारी रखेगी, लेकिन बीमारी का उपहास स्वीकार्य नहीं है।

स्वयंसेवियों ने चमकाई बावड़ी व संवारा शिव मंदिर



भारतेन्दु संवाददाता, बंगाणा। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला हटली में चल रहे सात दिवसीय एनएसएस शिविर के तहत शनिवार को स्वयंसेवियों ने स्वच्छता अभियान चलाया। विद्यार्थियों ने गोद लिए गांव की बावड़ी, शिव मंदिर परिसर और स्कूल से मंदिर तक जाने वाले रास्ते की सफाई कर स्वच्छता का संदेश दिया। स्वयंसेवियों ने श्रमदान कर बावड़ी के आसपास जमा कूड़ा-कचरा हटाया और धार्मिक स्थल को स्वच्छ बनाया। अभियान का उद्देश्य विद्यार्थियों में समाज सेवा, सामूहिक सहयोग और पर्यावरण संरक्षण की भावना विकसित करना रहा। इस दौरान पंचायत प्रधान सरिता शर्मा, बीडीसी सदस्य शेर सिंह और युवा नेता शशि राणा सहित स्थानीय लोगों ने स्वयंसेवियों के प्रयासों की सराहना की। सरिता शर्मा, शशि राणा और किशोरी लाल ने एनएसएस इकाई के लिए फल एवं रिफ्रेशमेंट की व्यवस्था कर विद्यार्थियों का उत्साह बढ़ाया। इस अवसर पर एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी सुशील शर्मा, प्रवक्ता विवेकशील, मैडम मीनू, मैडम चंपा, स्कूल प्रबंधन समिति अध्यक्ष विपिन राणा, संसार चंद सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

एनएसएस शिविर में बताए नशे के दुष्प्रभाव

भारतेन्दु संवाददाता, ऊना। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय चुरुडू और भंजाल में चल रहे सात दिवसीय एनएसएस शिविरों में विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों और राष्ट्रीय सेवा योजना के महत्व की जानकारी दी गई। मुख्य वक्ता सतीश शर्मा ने बच्चों को नशे से दूर रहने और अच्छी संगत अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि नशा शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाता है। एनएसएस विद्यार्थियों में अनुशासन, समाजसेवा और जिम्मेदारी की भावना विकसित करता है। इस अवसर पर दोनों विद्यालयों के एनएसएस अधिकारी और शिक्षक मौजूद रहे।

भोरंज में वायरल वीडियो मामले की जांच जारी: एसडीएम

भारतेन्दु संवाददाता, भोरंज। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो को लेकर एसडीएम शशिपाल शर्मा ने बताया कि यह वीडियो नेशनल हाईवे-70 के भूमि अधिग्रहण के लिए नियुक्त सेवानिवृत्त नायब तहसीलदार के कार्यालय का है। मामला भूमि अधिग्रहण के मुआवजे में अतिरिक्त भुगतान की रिकवरी से संबंधित है। प्रारंभिक जांच में संबंधित भूमि मालिक को अतिरिक्त राशि दिए जाने का मामला सामने आया है, जिसकी रिकवरी प्रक्रिया जारी है। एसडीएम के अनुसार, आवेदक ने दस्तावेजों की प्रतियां मांगी थीं, जिन्हें प्राप्त करने के लिए 7 और 11 नवंबर की तिथियां निर्धारित की गई थीं। फिलहाल मामले की जांच जारी है। जांच पूरी होने के बाद आगामी कार्रवाई की जाएगी।

युवाओं को कौशल विकास व एआई की दी जानकारी

भारतेन्दु संवाददाता, सुजानपुर। आईसेक्ट की 'समर्थ भारत, सक्षम भारत' थीम पर आयोजित कौशल विकास यात्रा 2026 के तहत गोल्डन इंस्टीट्यूट ऑफ स्किल डेवलपमेंट, सुजानपुर में जागरूकता कार्यक्रम हुआ। इसमें युवाओं को कौशल आधारित शिक्षा, रोजगार के अवसरों और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के महत्व से अवगत करवाया गया। व्यापार मंडल सुजानपुर के अध्यक्ष शैलेन्द्र गुप्ता ने मुख्यातिथि के रूप में युवाओं को व्यावहारिक कौशल और आधुनिक तकनीक अपनाने के लिए प्रेरित किया। आईसेक्ट के राज्य समन्वयक नरेंद्र कुमार भट्ट ने एआई में करियर संभावनाओं की जानकारी दी। संस्थान के प्रबंध निदेशक पवन कुमार भी उपस्थित रहे।

आंगनबाड़ी पदों के लिए 20 नवंबर तक मांगे आवेदन

भारतेन्दु संवाददाता, भोरंज। बाल विकास परियोजना भोरंज के तहत प्लासी, भौंखर और कठियानवीं आंगनबाड़ी केंद्रों में सहायिका के एक-एक पद के लिए 20 नवंबर तक आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। सीडीपीओ सुनील कुमार ने बताया कि अधिकतम वार्षिक पारिवारिक आय सीमा 50 हजार से बढ़ाकर 75 हजार रुपए कर दी गई है। पहले आवेदन कर चुकी महिलाओं को दोबारा आवेदन करने की आवश्यकता नहीं है। आवेदक की आयु 18 से 35 वर्ष और शैक्षणिक योग्यता बारहवीं पास होनी चाहिए। साक्षात्कार 21 नवंबर को सुबह 11 बजे एसडीएम कार्यालय भोरंज में होंगे। भर्ती प्रक्रिया 25 अंकों के आधार पर होगी।

स्वास्थ्य क्रांति की ओर बढ़ते कदम: 630 करोड़ की लागत वाले हमीरपुर मेडिकल कॉलेज का होगा शुभारंभ

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू 27 अक्तूबर को करेंगे जोल सप्पड़ में मेडिकल कॉलेज का उद्घाटन

सुरेंद्र कटोच, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। जिला हमीरपुर को एक बहुत बड़ी सौगात मिलने जा रही है। पिछले अढाई वर्षों से जिस मेडिकल कॉलेज का शुभारंभ की प्रतीक्षा की जा रही थी, अब समाप्त होने वाली है। तय कार्यक्रम के अनुसार मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू 27 अक्तूबर को जिला हमीरपुर के एकदिवसीय दौरे के दौरान मेडिकल कॉलेज के अकादमिक ब्लॉक सहित कई परियोजनाओं के उद्घाटन एवं शिलान्यास करेंगे।

निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार मुख्यमंत्री 27 अक्तूबर की सुबह कुल्लू के अंतरराष्ट्रीय दशहरा उत्सव के समापन के बाद दोपहर को हमीरपुर के निकट जसकोट की हैलीपोर्ट पर पहुंचेंगे और तुरंत जोल सप्पड़ रवाना होंगे। जोल सप्पड़ में वह डॉ. राधाकृष्णन राजकीय मेडिकल कॉलेज (आरकेजीएमसी) के अकादमिक ब्लॉक का उद्घाटन करेंगे तथा कॉलेज के विद्यार्थियों के साथ संवाद करेंगे। इसके बाद वह रकड़ियाल में हिमाचल प्रदेश राज्य चयन आयोग की कॉलोनी का उद्घाटन करेंगे और कुछ देर के लिए सर्किट हाउस में रुकेंगे। इसके पश्चात मुख्यमंत्री हीरानगर के चिल्ड्रन पार्क में स्ट्रीट फूड पार्क और गांव तरोपका में बाल देखभाल संस्थान की आधारशिला भी रखेंगे। शाम को वह शिमला लौट जाएंगे। मुख्यमंत्री के दौरे के मद्देनजर जिला प्रशासन, मेडिकल कालेज और अन्य संबंधित विभागों ने पहले ही तैयारियां शुरू कर दी हैं।

डीसी गंधर्वा राठौड़ ने रविवार को जोल सप्पड़ स्थित मेडिकल कॉलेज के नए परिसर का दौरा करके मुख्यमंत्री के कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा की तथा अधिकारियों को दिशा-निर्देश जारी किए। उन्होंने जिला के सभी वरिष्ठ अधिकारियों को मुख्यमंत्री के दौरे के दौरान व्यक्तिगत रूप से उपस्थित रहने के निर्देश भी जारी किए हैं।

सुक्खू के प्रयासों से मिली थी हमीरपुर मेडिकल कॉलेज को मंजूरी, 2014 में हुआ था ऐलान



हिमाचल प्रदेश के वर्तमान मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू (जो उस समय क्षेत्र के तत्कालीन कांग्रेस नेता/विधायक थे) उनके निरंतर प्रयासों से इस मेडिकल कॉलेज को मंजूरी मिली थी। उनके आग्रह पर केंद्र सरकार ने यह कदम उठाया था। केंद्र में डॉ. मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली यूपीए-2 सरकार के दौरान 4 मार्च 2014 को तत्कालीन केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री गुलाम नबी आजाद ने बजट (189 करोड़) के साथ इस मेडिकल कॉलेज को औपचारिक स्वीकृति प्रदान की थी। राजनीतिक स्तर पर हमीरपुर मेडिकल कॉलेज की स्वीकृति और निर्माण का श्रेय कांग्रेस सरकार और मुख्यमंत्री सुक्खू को दिया जाता है, जबकि विपक्षी नेताओं (जैसे हमीरपुर के सांसद अनुराग ठाकुर) द्वारा भी समय-समय पर इस संस्थान के विकास में योगदान के दावे किए जाते रहे हैं।

- **जोल सप्पड़ में नया परिसर:** यह मेडिकल कॉलेज पहले हमीरपुर के जोनल अस्पताल से चल रहा था, लेकिन अब इसे नादौन निर्वाचन क्षेत्र के जोल सप्पड़ में करीब 60 एकड़ भूमि पर बन रहे नए आधुनिक परिसर में स्थानांतरित किया जा रहा है।
- **बजट और लागत:** शुरुआत में स्वीकृत बजट की तुलना में इस भव्य परिसर के निर्माण की संशोधित अनुमानित लागत लगभग 350 करोड़ से 630 करोड़ के बीच पहुंच चुकी है।
- **अस्पताल और अकादमिक ब्लॉक:** नए कैंपस में 240 बिस्तरों वाला हॉस्पिटल ब्लॉक और अकादमी ब्लॉक का मुख्य ढांचा तैयार हो चुका है। बुनियादी ढांचा और फर्नीचर की प्रक्रिया पूरी होने के बाद प्रमुख विभागों को यहां शिफ्ट करने और ओपीडी सेवाएं शुरू करने का काम चल रहा है।
- **क्रिटिकल केयर ब्लॉक:** मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने जोल सप्पड़ कैंपस में लगभग 35 करोड़ की लागत से बनने वाले एक अत्याधुनिक क्रिटिकल केयर ब्लॉक का शिलान्यास भी किया है।

छायाकार बीरबल शर्मा को फोटोग्राफी अखिल भारतीय प्रतियोगिता में मिला गोल्ड

भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। मणिकर्णिका आर्ट गैलरी द्वारा आयोजित 54 वीं अखिल भारतीय फोटोग्राफी प्रतियोगिता में हिमाचल के वरिष्ठ छायाकार बीरबल शर्मा को गोल्ड मेडल मिला। हिमाचल दर्शन फोटो गैलरी के संस्थापक छायाकार बीरबल शर्मा को यह गोल्ड मेडल उनके दो छाया चित्रों पर हासिल हुआ है। 13 से 22 अक्तूबर तक चली इस प्रतियोगिता में देश भर के 43 छायाकारों ने भाग लिया। 10 दिन तक इसकी प्रदर्शनी भी चली। चयनकर्ताओं ने बीरबल शर्मा के दो छायाचित्रों को सर्वश्रेष्ठ मानते हुए उन्हें गोल्ड मेडल घोषित किया। बीरबल शर्मा ने बताया कि हर छायाकार से पांच छायाचित्र मांगे गए थे, जिनमें से दो-दो छायाचित्रों का चयन किया गया था। बीरबल शर्मा ने भी पांच छायाचित्र इस प्रतियोगिता के लिए भेजे थे, जिनमें से दो का चयन हुआ। इनमें एक स्पीति घाटी के तांदी संगम का विहंगम नजारा और दूसरा बीते सितंबर महीने में उस समय क्लिक किया गया था जब उन्होंने इस आयु में भी यूला कांडा जैसी कठिन यात्रा की।

आरकेजीएमसी में रैगिंग रोकने के लिए कड़े प्रबंध: डॉ. रमेश भारती



भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। डॉ. राधाकृष्णन राजकीय आयुर्विज्ञान महाविद्यालय (आरकेजीएमसी) हमीरपुर की एंटी रैगिंग कमेटी की बैठक प्रधानाचार्य डॉ. रमेश भारती की अध्यक्षता में आयोजित की गई, जिसमें महाविद्यालय के अधिकारियों के अलावा प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों, अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों, विद्यार्थियों के प्रतिनिधियों तथा हॉस्टल संचालकों ने भी भाग लिया।

इस अवसर पर प्रधानाचार्य डॉ. रमेश भारती ने कहा कि संस्थान में इस सत्र से पहले रैगिंग का कोई भी मामला सामने नहीं आया था, लेकिन इस सत्र के शुरुआत में ही रैगिंग का एक मामला सामने आने से संस्थान की छवि प्रभावित हुई है। इस मामले में संस्थान ने त्वरित एवं कड़ी कार्रवाई की है। भविष्य में इस तरह की घटनाओं को रोकने के लिए बहुत ही कड़े प्रबंध किए गए हैं। उन्होंने संस्थान के अधिकारियों, विद्यार्थियों के प्रतिनिधियों और हॉस्टल संचालकों को अलर्ट रहने तथा किसी भी तरह संदिग्ध गतिविधि की तुरंत सूचना देने के निर्देश दिए। उन्होंने पुलिस अधिकारियों से भी हॉस्टलों और पीजी के आस-पास नियमित रूप से गश्त लगाने की अपील की। डॉ. रमेश भारती ने कहा कि संस्थान, हॉस्टल और इनके आस-पास के सभी महत्वपूर्ण स्थानों पर हेल्पलाइन नंबर भी प्रदर्शित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि एंटी रैगिंग कमेटी, समस्त फैकल्टी और छात्र प्रतिनिधियों के सामूहिक प्रयासों से ही संस्थान और इसके आस-पास के पूरे परिसर को रैगिंग मुक्त बनाया जा सकता है। बैठक में आरकेजीएमसी के अतिरिक्त निदेशक संजीव शर्मा, आरकेजीएमसी अस्पताल के मेडिकल सुपरिंटेंडेंट डॉ. देशराज और अन्य अधिकारियों ने भी महत्वपूर्ण सुझाव रखे।

छह माह पहले आवेदन, अब उसी गाड़ी की शिकायत पर आरटीओ ने मांगा जवाब

भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। हमीरपुर में निजी ड्राइविंग ट्रेनिंग स्कूल के प्रशिक्षण वाहन को लेकर उठे विवाद में अब आरटीओ कार्यालय की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो गए हैं।

स्कूल प्रबंधन का दावा है कि जिस गाड़ी को लेकर अब शिकायत की गई है, उसे बदलने की अनुमति के लिए करीब छह माह पहले तत्कालीन क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी (आरटीओ) कार्यालय में आवेदन किया गया था। आवेदन की रिसीविंग होने के बावजूद विभाग ने न तो अनुमति पर फैसला सुनाया और न ही कोई लिखित जवाब दिया, ऐसे में सवाल है कि जब स्कूल ने पहले ही विभाग के समक्ष मामला उठाया था, तो आवेदन पर कार्रवाई क्यों नहीं हुई। स्कूल प्रबंधन के अनुसार, एलएमवी प्रशिक्षण के लिए पुराने वाहन नंबर एचपी-67ए-3100 के स्थान पर एचपी-21बी-3100 को शामिल करने की अनुमति मांगी गई थी। निर्धारित प्रक्रिया के तहत आवेदन देने के बाद भी छह माह तक स्थिति स्पष्ट नहीं होना विभागीय कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े करता है। यदि आवेदन में कोई कमी थी या नियमों के तहत अनुमति संभव नहीं थी, तो कार्यालय को स्कूल प्रबंधन को लिखित रूप से अवगत करवाना चाहिए था, अब उसी वाहन को लेकर शिकायत सामने आने पर पुराने आवेदन की अनदेखी कर स्कूल की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाना कितना उचित है।

स्कूल प्रबंधन ने मौजूदा शिकायत को संस्थान की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने की कोशिश बताया है, जबकि वाहन बदलने के लिए विभाग से पहले ही अनुमति मांगी गई थी। प्रबंधन ने परिवहन निदेशालय के आदेशों का हवाला देते हुए प्रशिक्षण और ड्राइविंग क्षमता की परीक्षा से संबंधित नियमों की ओर भी ध्यान दिलाया है। ऐसे मे यदि स्कूल प्रबधन का दावा सही है, तो आरटीओ कार्यालय की कार्यप्रणाली पर सवाल उठना लाजमी है।

विभाग के आदेश में वैकल्पिक व्यवस्था का प्रावधान

हिमाचल प्रदेश परिवहन विभाग ने 29 दिसंबर 2012 के आदेश में स्पष्ट किया था कि एचटीवी (बस) श्रेणी के ड्राइविंग टेस्ट मुख्यालय अथवा विभाग से अधिकृत ड्राइविंग ट्रेनिंग स्कूलों में भी लिए जा सकते हैं। ऐसे मामलों में संबंधित बोर्ड के निकटवर्ती पंजीकरण एवं लाइसेंसिंग प्राधिकरण (आरएलए) के तकनीकी सदस्य यानी मोटर वाहन निरीक्षक टेस्ट रिपोर्ट पर प्रतिहस्ताक्षर कर सकते हैं। इसके आधार पर मूल क्षेत्राधिकार वाला आरएलए ड्राइविंग लाइसेंस जारी करने की आगे की कार्रवाई कर सकता है। आदेश का उद्देश्य दूरदराज के आवेदकों को भारी वाहन की व्यवस्था करने में होने वाली परेशानी से राहत देना था। ऐसे में शिकायत पर लगे आरोप निराधार साबित हो रहे हैं।

- **आवेदन की रिसीविंग के बावजूद अनुमति पर फैसला नहीं, आरटीओ कार्यालय से जवाब की मांग**
- **प्रशिक्षण वाहन विवाद: स्कूल प्रबंधन ने विभागीय कार्रवाई में देरी पर उठाए सवाल**

ड्राइविंग स्कूल के प्रबंधक वीरेंद्र ठाकुर ने बताया कि मेरे ड्राइविंग स्कूल के खिलाफ शिकायत मेरी प्रतिष्ठा को ठेस पंहुचाने के लिए की गई है, जिस गाड़ी को लेकर शिकायत हुई है संस्थान उसे बदलने के लिए 6 माह पहले ही संबधित कार्यालय को आवेदन कर चूका है लेकिन कार्यालय की तरफ से कोई जबाब नहीं मिला।

आरटीओ राजीव कुमार ने बताया कि इस संबंध में उचित समय पर जवाब मांगा गया है। उन्होंने कहा कि कार्यालय में किसी प्रकार का कोई गलत काम नहीं होने दिया जाएगा, जिससे भी संबंधित जवाब मांगा जाएगा वो अपना पक्ष रखे, फिर उचित कार्रवाई की जाएगी।

दंगलों से मजबूत हो रही खेल व लोक संस्कृति की परंपरा: मुकेश अग्निहोत्री



भारतेन्दु संवाददाता, ऊना। उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने शनिवार देर शाम हरोली विधानसभा क्षेत्र के भंडियारां और बालीवाल में आयोजित विशाल दंगल में शिरकत की। इस दौरान उन्होंने भंडियारां में दंगल मैदान के विकास के लिए 25 लाख रुपए देने की घोषणा की। साथ ही, अपनी दिवंगत धर्मपत्नी प्रो. सिम्मी अग्निहोत्री की स्मृति में भंडियारां और बालीवाल दंगल कमेटियों को एक-एक लाख रुपए देने का ऐलान किया।

मुकेश अग्निहोत्री ने कहा कि दंगल हमारी समृद्ध लोक संस्कृति और पारंपरिक खेलों का अभिन्न हिस्सा हैं। ऐसे आयोजन आपसी भाईचारे और सामाजिक सद्भाव को मजबूत करने के साथ नई पीढ़ी को अपनी परंपराओं से जोड़ते हैं। उन्होंने कहा कि युवाओं को नशे से दूर रखने और खेलों के प्रति प्रेरित करने में भी इनकी महत्वपूर्ण भूमिका है।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि नशे के अवैध कारोबार में संलिप्त लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। ऊना जिले में नशे से जुड़े मामलों में संपत्तियां जब्त करने और दोषी कर्मचारियों के विरुद्ध कार्रवाई जैसे कदम उठाए गए हैं। नशामुक्त समाज के निर्माण के लिए प्रशासन, पंचायतों और आम लोगों को मिलकर प्रयास करने होंगे। उन्होंने नशे के खिलाफ पंचायतों की सक्रिय भागीदारी को सराहनीय बताया।

- **भंडियारां और बालीवाल दंगल कमेटियों को एक-एक लाख देने का भी ऐलान**

डेरा बाबा रुद्रानंद में अग्निहोत्री और रजनी पाटिल ने टेका माथा

भारतेन्दु संवाददाता, बंगाणा। कुटलैहड़ के प्रसिद्ध धार्मिक स्थल डेरा बाबा रुद्रानंद में विधायक एवं प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मुख्य प्रवक्ता विवेक शर्मा ने उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री और हिमाचल कांग्रेस प्रभारी रजनी पाटिल का स्वागत किया। इस दौरान तीनों नेताओं ने अखंड धूने पर माथा टेककर आशीर्वाद लिया और विधिवत पूजा-अर्चना की। पूजा-अर्चना के दौरान सभी ने प्रदेश की सुख-समृद्धि, खुशहाली और शांति की कामना की। डेरा बाबा रुद्रानंद क्षेत्र के प्रमुख धार्मिक स्थलों में से एक है। अखंड धूने की धार्मिक मान्यता के कारण यहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन करने पहुंचते हैं। विधायक विवेक शर्मा ने उपमुख्यमंत्री और प्रदेश कांग्रेस प्रभारी के साथ धार्मिक परंपराओं का निर्वहन करते हुए शीश नवाया। इस अवसर पर प्रदेश में भाईचारे, सामाजिक सद्भाव और जनकल्याण की भावना मजबूत होने की कामना की गई। डेरा बाबा रुद्रानंद में श्रद्धालु पूजा-अर्चना कर अपने परिवार की खुशहाली और समाज के कल्याण की प्रार्थना करते हैं। नेताओं की इस यात्रा के दौरान धार्मिक स्थल का वातावरण श्रद्धा और आस्था से परिपूर्ण रहा। हिमाचल प्रदेश में धार्मिक स्थलों पर पहुंचकर आशीर्वाद लेना समृद्ध सांस्कृतिक और आध्यात्मिक परंपरा का हिस्सा है। इस दौरान प्रदेश की उन्नति और लोगों की खुशहाली के लिए प्रार्थना की गई।

ठाकुरद्वारा से गाहलियां तक साढ़े सात करोड़ की पेयजल योजना का कार्य तेज



भारतेन्दु संवाददाता, पलेरा। ठाकुरद्वारा से गाहलियां गांव तक साढ़े सात करोड़ रुपये की पेयजल योजना का कार्य युद्धस्तर पर जारी है। जल्द ही इसे जनता को समर्पित किया जाएगा। यह जानकारी 'आपका सेवक आपके द्वार' कार्यक्रम के तहत गांव पलेरा के टीका जटेहड़ में लोगों को संबोधित करते हुए दी गई।

कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों ने सामुदायिक भवन, बिजली, पानी और अन्य जनसमस्याओं को उठाया। समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर सुनते हुए उनके शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया गया। जानकारी के अनुसार, जिले में गाहलियां-ठाकुरद्वारा, राजियाना और रानीताल की पेयजल योजनाओं के सुधार कार्य किए जा रहे हैं। इन योजनाओं से छह पंचायतों—राजियाना, भंगवार, रानीताल, गाहलियां, ठाकुरद्वारा और पलेरा के लगभग 13,311 लोगों तथा 4,248 विद्यार्थियों को लाभ मिलने का अनुमान है। योजना के तहत दस जलाशय शामिल हैं। इस अवसर पर उपस्थित सरकारी कर्मचारियों ने महंगाई भत्ते की किस्त जारी करने के आदेश पर प्रदेश सरकार का आभार जताया। कार्यक्रम में रमन कुमार, केवल चौधरी, सरोज कुमारी सहित अन्य सदस्य और गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे। पेयजल योजना पूरी होने से क्षेत्र में पानी की उपलब्धता बेहतर होने की उम्मीद है।

जयसिंहपुर में भाजपा ने बढ़ाया कुनबा, भुआणा पंचायत के एक दर्जन से अधिक लोग पार्टी में शामिल



भारतेन्दु संवाददाता, लंबागांव। जयसिंहपुर विधानसभा क्षेत्र में भारतीय जनता पार्टी ने अपना संगठनात्मक कुनबा बढ़ाने की दिशा में कदम बढ़ाया है।

भुआणा पंचायत से संबंध रखने वाले शिक्षा विभाग के सेवानिवृत्त कर्मचारियों सहित एक दर्जन से अधिक लोगों ने रविवार को जांगल स्थित भाजपा कार्यालय में पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीतियों से प्रभावित होकर भाजपा से जुड़े इन नए सदस्यों का जयसिंहपुर के पूर्व विधायक रविंद्र धीमान ने पार्टी का पटका पहनाकर स्वागत किया। भाजपा में शामिल होने वालों में रंजीत शास्त्री, चैन सिंह, राज कुमार, सतीश कुमार, संतोष कुमार, आशीष और साहिल सहित एक दर्जन से लोग शामिल हुए। नए सदस्यों के पार्टी से जुड़ने को संगठनात्मक विस्तार के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इस अवसर पर पूर्व विधायक रविंद्र धीमान ने नए सदस्यों का पार्टी परिवार में स्वागत करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि किसी भी राजनीतिक संगठन की असली ताकत उसके कार्यकर्ता होते हैं। अनुभवी लोगों के संगठन से जुड़ने से न केवल संगठनात्मक गतिविधियों को गति मिलती है, बल्कि जनसेवा के कार्यों को भी मजबूती मिलती है।

उन्होंने नए सदस्यों से पार्टी की नीतियों और कार्यक्रमों को जन-जन तक पहुंचाने, संगठनात्मक गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी निभाने तथा जनहित से जुड़े मुद्दों को प्राथमिकता देने का आह्वान किया। कार्यकर्ताओं की सक्रियता और सामूहिक प्रयासों से ही संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत बनाया जा सकता है।

- **जांगल स्थित भाजपा कार्यालय में पूर्व विधायक रविंद्र धीमान ने पटका पहनाकर किया स्वागत**

प्रदेश के ऊंचे इलाकों में बर्फबारी, केलांग में माइनस 2.2 डिग्री पारा

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश के ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी से ठंड बढ़ गई है। रोहतांग दर्रे, अटल टनल के आसपास, लाहौल-स्पीति, किन्नौर और चंबा के ऊंचे क्षेत्रों में हिमपात हुआ है। जनजातीय जिला लाहौल-स्पीति के मुख्यालय केलांग में न्यूनतम तापमान गिरकर -2.2 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया, जो राज्य में सबसे कम रहा। मौसम विभाग के अनुसार 26 से 29 अक्तूबर तक मौसम साफ रहने की संभावना है, जबकि 30 और 31 अक्तूबर को पहाड़ी क्षेत्रों में फिर बारिश और बर्फबारी हो सकती है। रविवार को चंबा, कांगड़ा, कुल्लू और लाहौल-स्पीति में भी बारिश या बर्फबारी के आसार हैं।

मौसम विभाग के रविवार के आंकड़ों के अनुसार लाहौल स्पीति जिला के केलांग में न्यूनतम तापमान -2.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इस सीजन में पहली बार केलांग में पारा इस स्तर तक रिकार्ड हुआ है। यहां सीजन की सबसे सर्द रात रही। कुकुमसेरी में -1.1 और ताबो में 0.2 डिग्री तापमान रहा। किन्नौर के कल्पा में न्यूनतम तापमान 2.4 डिग्री दर्ज किया गया। मनाली में 7.4, कुफरी में 6.1 और शिमला में 10.0 डिग्री सेल्सियस तापमान रहा। राज्य के औसत न्यूनतम तापमान में बीते 24 घंटों के दौरान 0.1 डिग्री की गिरावट दर्ज की गई। शिमला में भी न्यूनतम तापमान एक डिग्री गिरा है। राज्य में उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार चंबा और सोलन में न्यूनतम तापमान 9.6-9.6, भुंतर में 10.2, पालमपुर में 10.0, शिमला में 10.0, जुब्बड़हट्टी में 12.5, देहरा गोपीपुर में 12.0, कांगड़ा में 13.0, नाहन में 13.6, बर्थिन में 13.9, सुंदरनगर में 14.0, मंडी में 14.3, बिलासपुर में 14.5, धर्मशाला में 16.0, ऊना में 16.0, सराहन में 17.0 और पांवटा साहिब में 18.0 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। इसके अलावा बजुआरा में 9.9, हमीरपुर में 15.1 और नेरी में 15.1 डिग्री तापमान दर्ज हुआ। सामान्य से कम तापमान की बात करें तो चंबा में तापमान सामान्य से 1.8 डिग्री, पालमपुर में 2.6, नाहन और केलांग में 3.2-3.2 तथा शिमला में 0.2 डिग्री नीचे रहा। कल्पा का तापमान सामान्य से 0.1 डिग्री कम था।



सिरमौर के पांवटा साहिब में 5 मिलीमीटर बारिश, महीने के अंत में फिर बदलेगा मौसम

बीते 24 घंटों के दौरान सिरमौर जिले के पांवटा साहिब में सबसे अधिक 5 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। मंडी जिले के मुरारी देवी में 3 मिलीमीटर और शिमला जिले के कोटखाई में 1.1 मिलीमीटर बारिश हुई। भरमौर में 1.4 मिलीमीटर, सुंदरनगर और कल्पा में 0.4-0.4, भुंतर में 0.4 तथा बैजौरा में 0.5 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। कांगड़ा में बूंदाबांदी दर्ज हुई। रविवार को शिमला में बादलों और धूप के बीच आंखमिचौली बनी हुई है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार 29 अक्तूबर तक प्रदेश में मौसम मुख्य रूप से साफ रह सकता है। इसके बाद 30 और 31 अक्तूबर को पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से ऊंचे पहाड़ी क्षेत्रों में बारिश और बर्फबारी की संभावना है।

न्यूज ब्रीफ

पठानकोट में 26 अक्तूबर को 16 वर्ष से कम आयु वर्ग के क्रिकेट खिलाड़ियों का चयन परीक्षण

भारतेन्दु संवाददाता, पठानकोट। पंजाब क्रिकेट संघ, मोहाली से संबद्ध क्रिकेट एसोसिएशन पठानकोट द्वारा 26 अक्तूबर 2026 को सोलह वर्ष से कम आयु वर्ग के लड़कों के क्रिकेट चयन परीक्षण आयोजित किए जाएंगे। ये परीक्षण कुठेर क्रिकेट मैदान, रक्षा मार्ग, गांव कुठेर, पठानकोट में सुबह दस बजे शुरू होंगे। एसोसिएशन के अनुसार, 1 सितंबर 2011 से 31 अगस्त 2013 के बीच जन्मे खिलाड़ी इन परीक्षणों में भाग लेने के पात्र होंगे। सभी खिलाड़ियों का सुबह साढ़े नौ बजे तक मैदान में पहुंचना अनिवार्य है। खिलाड़ियों को सफेद क्रिकेट वर्दी पहनकर आना होगा। साथ ही क्रिकेट सामग्री का थैला, जन्म प्रमाण पत्र का डिजिटल अभिलेख, आधार कार्ड का इतिहास तथा शैक्षणिक प्रमाण पत्र लाना आवश्यक है। खिलाड़ियों को भोजन का डिब्बा और पानी की बोतल भी साथ लानी होगी। पंजीकरण और प्रवेश सुबह ग्यारह बजे बंद कर दिए जाएंगे। एसोसिएशन के सचिव सन्नी महाजन ने कहा कि ये परीक्षण युवा खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा, अनुशासन व समर्पण दिखाने का अवसर प्रदान करेंगे। अध्यक्ष बलबीर मनहास ने कहा कि इन प्रयासों का उद्देश्य जमीनी स्तर पर क्रिकेट को बढ़ावा देना और उभरती प्रतिभाओं को आगे बढ़ने के अवसर प्रदान करना है।

ग्रीनलैंड पब्लिक स्कूल सूरजपुर मोहटली में शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित



भारतेन्दु संवाददाता, सूरजपुर मोहटली। ग्रीनलैंड पब्लिक स्कूल, सूरजपुर मोहटली में अध्यक्ष रणबीर सिंह, सचिव कमलजीत सिंह तथा प्रधानाचार्या अनुमीत कौर की अध्यक्षता में एकदिवसीय शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें विभिन्न विद्यालयों के कुल 60 अध्यापकों ने भाग लिया। कार्यक्रम का मुख्य विषय 'कहानी सुनाने का शिक्षाशास्त्र' रहा। इसमें राजीव सिंह निरियाल और जागृति वर्मा ने मुख्य प्रशिक्षकों के रूप में भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत में विद्यालय प्रबंधन समिति की ओर से सभी अतिथियों और अध्यापकों का स्वागत किया गया। प्रशिक्षकों ने कहानी सुनाने की कला के माध्यम से शिक्षण को अधिक रोचक, सरल और प्रभावशाली बनाने के विभिन्न तरीके बताए। इस दौरान अध्यापकों ने भी अपने जीवन के रोचक अनुभव साझा किए, जिससे पूरा कार्यक्रम ज्ञानवर्धक और मनोरंजक बन गया। विद्यालय प्रबंधन की ओर से प्रतिभागियों के भोजन की उचित व्यवस्था की गई। कार्यक्रम के समापन पर प्रशिक्षकों को स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया। उपस्थित अध्यापकों ने विद्यालय प्रबंधन के इस प्रयास की सराहना की और कार्यक्रम को उपयोगी बताया।

हरखर-बैरी में पेवर ब्लॉक लगाने का कार्य शुरू, ग्रामीणों ने जताया आभार



भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। ग्राम पंचायत बरमाणा के अंतर्गत हरखर-बैरी क्षेत्र में सड़क किनारे पेवर ब्लॉक लगाने का कार्य शुरू हो गया है। लोक निर्माण विभाग बिलासपुर के अधिशाषी अभियंता रोहित गुप्ता के निर्देशानुसार बैरी खंड के सहायक अभियंता और कनिष्ठ अभियंता की देखरेख में ठेकेदार ने कार्य शुरू करवाया है। इससे स्थानीय ग्रामीणों में खुशी का माहौल है। पंचायत प्रधान अवधेश भारद्वाज के नेतृत्व में पंचायत प्रतिनिधियों और ग्रामीणों ने इस कार्य की मांग को लेकर विभाग को ज्ञापन सौंपा था। मांग पूरी होने पर ग्रामीणों ने विभागीय अधिकारियों का आभार जताया। प्रधान अवधेश भारद्वाज ने कहा कि क्षेत्र में सड़क सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए विकास कार्यों को प्राथमिकता दी जा रही है। उन्होंने बताया कि अगले वर्ष हरखर से कैंचीमोड़ तक सड़क के दोनों किनारों पर चिन्हित स्थानों पर भी पेवर ब्लॉक लगाने का प्रयास किया जाएगा। इसके लिए उपायुक्त के माध्यम से ज्ञापन सौंपा जाएगा। उन्होंने कहा कि पंचायत ग्रामीणों की समस्याओं के समाधान और क्षेत्र के विकास के लिए प्रतिबद्ध है।

मजारी स्कूल में विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए करवाया सुखमणि साहिब का पाठ

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला मजारी में विद्यालय प्रबंधन समिति की ओर से स्कूल की उन्नति और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए श्री सुखमणि साहिब का पाठ करवाया गया। विद्यालय की अध्यापिका हरप्रीत कौर ने विधिवत पाठ संपन्न करवाया। इस दौरान विद्यार्थियों को प्रसाद और भोजन वितरित किया गया। समिति के प्रधान गुरमेल ने कहा कि बच्चों को किताबी शिक्षा के साथ अच्छे संस्कार देना भी जरूरी है। इससे युवा पीढ़ी अपनी संस्कृति और परंपराओं से जुड़ी रहेगी। प्रधानाचार्य सुरजीत ठाकुर ने कहा कि शिक्षा का मुख्य उद्देश्य चरित्र निर्माण है। उन्होंने विद्यालय के विकास में समिति के योगदान की सराहना की। इस अवसर पर पूर्व समिति प्रधान सोहन सिंह, गुरचैन सिंह, सूबेदार दिलबाग सिंह, उपप्रधानाचार्य नीलम धीमान, शिक्षक, अभिभावक और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

कृषि यंत्रों पर मिलेगा 50 प्रतिशत तक अनुदान, 25 अक्तूबर से आवेदन शुरू

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। कृषि यंत्रों की खरीद पर अनुदान प्राप्त करने के लिए भारत सरकार का कृषि मशीनरी पोर्टल 25 अक्तूबर 2026 को दोपहर 12 बजे से खुलेगा। उपनिदेशक कृषि बिलासपुर कुलभूषण धीमान ने बताया कि किसान 29 अक्तूबर तक ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। पात्र किसानों का चयन 30 अक्तूबर को कम्प्यूटरीकृत लॉटरी से होगा। कृषि अभियांत्रिकी उप-मिशन के तहत लघु एवं सीमांत, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति तथा महिला किसानों को स्वीकृत कृषि यंत्रों की खरीद पर 50 प्रतिशत तक अनुदान दिया जाएगा। इसमें पावर टिलर, पावर वीडर सहित अन्य आधुनिक कृषि यंत्र शामिल हैं। किसान विभागीय वेबसाइट ड्डह्वद्बद्गड्डष्द्बद्गट्टद्गह्व4.ट्टद्बष्.द्बट्ट पर आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने किसानों से पंजीकृत फर्मों और स्वीकृत मॉडलों से ही यंत्र खरीदने की अपील की। अधिक जानकारी के लिए किसान नजदीकी कृषि विकास अधिकारी या उपनिदेशक कृषि कार्यालय बिलासपुर से संपर्क कर सकते हैं।

लगदाघाट स्कूल में एनएसएस शिविर के पहले तीन दिनों में स्वयंसेवियों ने किया श्रमदान



भारतेंदु संवाददाता, अर्की। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला लगदाघाट, जिला सोलन में राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय विशेष शिविर के पहले तीन दिनों में स्वच्छता, परिसर सौंदर्यीकरण, रास्ता निर्माण और सांस्कृतिक गतिविधियां आयोजित की गईं। शिविर का शुभारंभ 22 अक्तूबर को ग्राम पंचायत प्रधान शकुंतला देवी ने किया। इस अवसर पर पंचायत सचिव अनोखी राम, पंचायत प्रतिनिधि, विद्यालय प्रबंधन समिति के पदाधिकारी और अभिभावक उपस्थित रहे। उपप्रधानाचार्य शंकर देव शर्मा ने विद्यालय की आवश्यकताओं से अवगत करवाया, जबकि प्रधानाचार्य हरबिंदर पाल सिंह ने विद्यार्थियों को राष्ट्रीय सेवा योजना के उद्देश्यों की जानकारी दी। मुख्य अतिथि शकुंतला देवी ने विद्यालय में निर्माण कार्य के लिए दो लाख रुपये देने की घोषणा की और प्रवेश द्वार निर्माण का आश्वासन दिया। शिविर के दूसरे दिन स्वयंसेवियों ने विद्यालय परिसर की सफाई, झाड़ियों की कटाई और सौंदर्यीकरण में श्रमदान किया। बौद्धिक सत्र में घरयाच विद्यालय के प्रवक्ता अमरदेव शर्मा ने पर्यावरण संरक्षण, अनुशासन और सामाजिक दायित्वों पर विचार साझा किए। तीसरे दिन स्वयंसेवियों ने रास्ता निर्माण सहित विभिन्न कार्य किए। उपप्रधानाचार्य शंकर देव शर्मा ने एनएसएस की उपयोगिता और स्वयंसेवियों की भूमिका पर प्रकाश डाला। शाम को सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। शिविर का उद्देश्य विद्यार्थियों में सेवा भावना, नेतृत्व क्षमता, अनुशासन और सामाजिक उत्तरदायित्व विकसित करना है।

हमीरपुर के मसेरडू में 25 लाख से बना पुल जनता को समर्पित, 6 पंचायतों को मिलेगी राहत

विधायक आशीष शर्मा ने किया नवनिर्मित पुल का उद्घाटन, ग्रामीणों ने जताया आभार

सुरेंद्र कटोच, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। विधानसभा क्षेत्र हमीरपुर के विधायक आशीष शर्मा ने ग्राम पंचायत साहनवीं के मसेरडू गांव में विधायक निधि व स्थानीय जनसहयोग से नवनिर्मित पुल का उद्घाटन कर इसे जनता को समर्पित किया।

25 लाख रुपए की लागत से बने इस महत्वपूर्ण पुल से क्षेत्र की आधा दर्जन पंचायतों के करीब तीन दर्जन गांवों के लोगों को आवागमन में बड़ी राहत मिलेगी। इस पुल के निर्माण में जनसहयोग का भी विशेष योगदान रहा है। स्थानीय निवासी अश्वनी शर्मा व ग्रामीणों ने अपनी निजी कमाई से 6 लाख रुपए का योगदान दिया, जबकि शेष राशि विधायक निधि से खर्च की गई। उद्घाटन समारोह के दौरान स्थानीय लोगों ने विधायक आशीष



शर्मा को सम्मानित किया और पुल की चिरलंबित मांग को पूरा करने के लिए उनका आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर विधायक आशीष शर्मा ने क्षेत्रवासियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि क्षेत्र का एक प्रतिनिधिमंडल इस पुल के निर्माण की मांग को लेकर उनसे मिला था, जिसके बाद तुरंत विधायक निधि से राशि जारी की गई।

विधायक आशीष शर्मा ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने विधायक निधि की राशि को आधा कर दिया है, जो समय पर विधायकों को जारी नहीं हो रही है।

अखबारों में विधायक निधि जारी कर दी जाती है, लेकिन धरातल पर दिए गए कामों के लिए कोष से राशि जारी नहीं हो रही है। तीन तीन माह से बिल लटके हुए हैं। उन्होंने सरकार से मांग की है कि विधायक निधि एवं ऐच्छिक निधि को समय पर जारी किया जाएं ताकि विकास कार्य समय अनुसार पूर्ण हो सकें।

स्थानीय पंचायत प्रधान राकेश कुमार ने कहा कि विधायक आशीष शर्मा जनता द्वारा बताए गए हर विकास कार्य को पूरी निष्ठा से पूरा करते हैं। उन्होंने समस्त पंचायत व क्षेत्र की तरफ से विधायक का आभार व्यक्त किया। वहीं कार्यक्रम के बाद बूथ 74 मसरडू गांव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम को सुना। इस दौरान झंडूता विधानसभा क्षेत्र के विधायक जेआर कटवाल भी विशेष रूप से उपस्थित रहे, जिन्होंने ग्रामीणों को 'एसआईआर' के बारे में जागरूक किया।

भीड़ा की नेशनल मैडलिस्ट एथलीट के घर पहुंचे सुनील शर्मा बिट्टू, सरकारी मदद का दिया भरोसा



अनिल कुमार, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। ग्रामीण क्षेत्र के एक सामान्य परिवार की होनहार प्रतिभाशाली एथलीट की मदद करके राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में उसकी भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए मुख्यमंत्री के राजनीतिक सलाहकार सुनील शर्मा बिट्टू ने विशेष पहल की है।

सुनील शर्मा बिट्टू ने हाल ही में अंडर-23 नेशनल एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 1500 मीटर की दौड़ में रजत पदक जीतने वाली गांव भीड़ा की प्रतिभाशाली एथलीट राशि के घर पहुंच कर उन्हें इस बड़ी उपलब्धि के लिए बधाई दी और विशेष रूप से सम्मानित भी किया। सुनील शर्मा बिट्टू ने राशि का उत्साहवर्द्धन करते हुए प्रदेश सरकार की ओर से हरसंभव मदद का भरोसा दिया। राशि के पिता सुरेंद्र कुमार का देहांत हो चुका है और उसकी माता सुषमा देवी जैसे-तैसे अपनी प्रतिभाशाली बेटी की कोचिंग एवं राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में भागीदारी का खर्चा वहन कर रही है। सुनील शर्मा बिट्टू ने कहा कि मुख्यमंत्री सुक्खू ने प्रदेश के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने और उन्हें वर्ल्ड क्लास सुविधाएं उपलब्ध करवाने की दिशा में कई सराहनीय निर्णय लिए हैं। मुख्यमंत्री ने व्यक्तिगत रूप से भी ऐसे जरुरतमंद प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की आर्थिक मदद की है। सुनील शर्मा बिट्टू ने कहा कि गांव भीड़ा की राशि की भी भरपूर मदद की जाएगी, ताकि वह राष्ट्रीय और अंतराष्ट्रीय स्तर पर हिमाचल प्रदेश का नाम ऊंचा कर सके।

कुलदीप शर्मा के गीतों पर झूमे दर्शक, पुलिस बैंड ने भी बांधा समां

तत्वा बैंड की प्रस्तुतियों ने मचाया धमाल, हारमनी ऑफ द पाइन्स ने देशभक्ति गीतों से जगाया जोश

भारतेन्दु संवाददाता, कुल्लू। अंतरराष्ट्रीय कुल्लू दशहरा उत्सव की चौथी सांस्कृतिक संध्या हिमाचल के प्रसिद्ध लोक गायक कुलदीप शर्मा के नाम रही। उनके लोकप्रिय पहाड़ी गीतों पर दर्शक देर तक झूमते रहे।

वहीं, हारमनी ऑफ द पाइन्स पुलिस बैंड, तत्वा बैंड और अन्य कलाकारों की शानदार प्रस्तुतियों ने सांस्कृतिक संध्या को यादगार बना दिया। कुलदीप शर्मा ने 'दरोगा जी छोरुआ जो ले समझाई', 'रोहड़ू जाना मेरी आमिए रोहड़ू जाना हो', 'रंग रूप बड़ा प्यारा शिल्पा शिमले आलिए' और 'इन्ना बढ़िया जो तड़का ला ओ ठेकेदारनिए' जैसे लोकप्रिय गीत प्रस्तुत कर दर्शकों को नाचने पर मजबूर कर दिया। उनके गीतों पर पंडाल में मौजूद दर्शक उत्साह से झूमते नजर आए। वहीं, तत्वा बैंड ने 'सैयां रे', 'तू तो बदला नहीं है' और 'ये काली-काली आंखें, गोरे-गोरे गाल' जैसे गीतों से खूब मनोरंजन किया। हारमनी ऑफ द पाइन्स पुलिस बैंड ने 'संदेशे आते हैं', 'मेरा रंग दे बसंती चोला' और 'चक दे इंडिया' जैसे देशभक्ति गीतों की प्रस्तुति देकर माहौल में जोश भर दिया।



कार्यक्रम में आयुष मंत्री यादविंद्र गोमा ने मुख्यातिथि के रूप में शिरकत की। उत्सव समिति के उपाध्यक्ष एवं उपायुक्त कुल्लू डॉ. अमित शर्मा ने उनका कुल्लवी टोपी, मफलर और स्मृति चिह्न भेंट कर स्वागत एवं सम्मान किया। सांस्कृतिक संध्या में अर्पिता अडोरा ग्रुप के फैशन शो ने भी दर्शकों का ध्यान आकर्षित किया। इसके अलावा बीएस भारद्वाज, बालकृष्ण, सुरेश शांडिल्य और अनिल सूर्यवंशी सहित विभिन्न कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियों से समां बांधा। सूत्रधार कला संगम की नाटी ने हिमाचल की समृद्ध लोक संस्कृति की झलक पेश की। इससे पहले खेमराज ठाकुर, टीकम राम, खेम सिंह, एमके वर्मा, मन्नत कला मंच, मोहन गुलेरिया, वीर सिंह ठाकुर, रितिका, दिनेश कुमार, देवेंद्र कुमार, बीएन आनंद, करण सिंह, एम. दिलीप सिंह, धारी लाल वर्धन, आईएस चांदनी और गौरी शंकर ठाकुर सहित अन्य कलाकारों ने भी प्रस्तुतियां दीं। अंतरराष्ट्रीय कुल्लू दशहरा उत्सव के चौथे दिन रथ मैदान में सजे मंच पर भी कलाकारों और सांस्कृतिक दलों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। यहां चंद्रमणि ठाकुर, कांता ठाकुर, भूपेंद्र सिंह, सुखदास लाहौली, किरण सैनी, चेतराम प्रभाकर, कलाश्री नृत्य अकादमी, राजीव जरयाल, शारदा कुमारी, घनश्याम ठाकुर, ख्याल मंच, नरेंद्र ठाकुर, सोनू म्यूजिकल ग्रुप और अक्षत सोनम नेगी ने प्रस्तुतियां दीं। इसके अलावा लेखराज, गुंजन एवं समूह, पूर्ण ठाकुर, विनय सोणी, ओम प्रकाश, यशिता, चेतन, आशीष पुजारी, ललित कुमार, लता देवी, नरेश कुमार, दुष्यंत कुमार, सिमरन भारती, राजपूत दिनेश, गेहर सिंह, कमलदीप, राकेश कुमार, निर्दोष शर्मा, दीपक और द एलीट क्रू ने भी अपनी कला से दर्शकों का मनोरंजन किया। रथ मैदान में आयोजित फैशन शो ने कार्यक्रम की रौनक और बढ़ा दी।

अर्की के भाजपा कार्यकर्ताओं ने अनुराग ठाकुर को दी जन्मदिन की शुभकामनाएं



भारतेन्दु संवाददाता, अर्की। अर्की विधानसभा क्षेत्र के भाजपा पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने समीरपुर स्थित निवास पर हमीरपुर के सांसद अनुराग सिंह ठाकुर से मुलाकात कर उन्हें जन्मदिन की बधाई दी। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने उनके स्वस्थ जीवन, दीर्घायु और उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

मुलाकात के दौरान भारतीय जनता युवा मोर्चा के विभिन्न पदाधिकारियों सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे। सभी ने सांसद को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए उनके सार्वजनिक जीवन में निरंतर सफलता की कामना की। इस अवसर पर युवा मोर्चा के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य एवं ग्राम पंचायत चमाकड़ी के प्रधान नरेंद्र हांडा, महामंत्री भीम शर्मा, बीडीसी उपाध्यक्ष जय देव शर्मा, दाड़लाघाट मंडल युवा मोर्चा अध्यक्ष एवं ग्राम पंचायत मांगू के उपप्रधान राजेश पुरी तथा अर्की मंडल युवा मोर्चा अध्यक्ष एवं ग्राम पंचायत घनागुघाट के उपप्रधान हरीश शर्मा उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त कश्लोग पंचायत से राकेश गांधी, राहुल भारद्वाज, हरीश सहित अन्य पदाधिकारी और कार्यकर्ता भी इस अवसर पर मौजूद रहे। कार्यकर्ताओं ने अनुराग ठाकुर के प्रति अपनी शुभकामनाएं व्यक्त करते हुए उनके अच्छे स्वास्थ्य और लंबी आयु की कामना की। इस मुलाकात के दौरान कार्यकर्ताओं में उत्साह देखने को मिला।

मुख्यमंत्री सुक्खू आज और कल कुल्लू दौरे पर

भारतेन्दु संवाददाता, कुल्लू। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू 26 और 27 अक्तूबर को कुल्लू जिले के दौरे पर रहेंगे। डीसी डॉ. अमित कुमार शर्मा ने बताया कि इस दौरान मुख्यमंत्री विभिन्न विकास योजनाओं के लोकार्पण और शिलान्यास के साथ अंतरराष्ट्रीय कुल्लू दशहरा उत्सव के कार्यक्रमों में भाग लेंगे। मुख्यमंत्री 26 अक्तूबर को दोपहर 12:20 बजे भुंतर हवाई अड्डे पर राष्ट्रीय कैडेट कोर के हैंगर विस्तार का लोकार्पण करेंगे। इसके बाद बजौरा और पिरड़ी में बंजार तथा कुल्लू विधानसभा क्षेत्रों की विकास योजनाओं के लोकार्पण एवं शिलान्यास करेंगे। शाम को मुख्यमंत्री ढालपुर के रथ मैदान में ड्रोन शो, लेजर शो और वैश्विक नृत्य कार्यक्रम देखेंगे। इसके बाद भगवान रघुनाथ जी के शिविर में पूजा-अर्चना कर लालचंद प्रार्थी कलाकेंद्र में सांस्कृतिक कार्यक्रम में शामिल होंगे। 27 अक्तूबर को मुख्यमंत्री कुल्लू कार्निवल में भाग लेने के बाद अंतरराष्ट्रीय कुल्लू दशहरा उत्सव के समापन समारोह में शिरकत करेंगे।

सुक्खू सरकार ने पेंशनर्स और कर्मचारियों को राहत देकर संवेदनशीलता दिखाई: कल्याण

भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। पेंशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन हिमाचल प्रदेश के राज्य



वरिष्ठ उपाध्यक्ष कल्याण भंडारी ने मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू के नेतृत्व वाली प्रदेश सरकार की सराहना की है। उन्होंने कहा कि सरकार ने आर्थिक चुनौतियों के बावजूद कर्मचारियों और पेंशनर्स को राहत देने के लिए कदम उठाए हैं। भंडारी के अनुसार, सरकार ने महंगाई भत्ते और महंगाई राहत की किश्तें जारी की हैं। उन्होंने दावा किया कि प्रदेश के लगभग 1.80 लाख पेंशनर्स और पारिवारिक पेंशनर्स के संशोधित पेंशन एरियर का भुगतान किया जा चुका है। इसके अतिरिक्त चतुर्थ श्रेणी के सेवानिवृत्त कर्मचारियों की ग्रेच्युटी और अवकाश नकदीकरण का पूरा भुगतान किया गया है। चतुर्थ श्रेणी के सेवारत कर्मचारियों को वेतन एरियर की किश्तें भी दी गई हैं। उन्होंने कहा कि आपदाओं और आर्थिक चुनौतियों के बीच सरकार के इन फैसलों से पेंशनर्स को राहत मिली है। एसोसिएशन ने मुख्यमंत्री और प्रदेश सरकार का आभार जताया। सांसद अनुराग ठाकुर के कर्मचारियों और पेंशनर्स की देनदारियों संबंधी बयान पर भंडारी ने कहा कि पूर्व सरकार के दौरान रोके गए एरियर के लिए भी जिम्मेदारी तय होनी चाहिए।

स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण पर प्रदेश सरकार ने खर्च किए हजारों करोड़ रुपए : केवल सिंह पठानिया

भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश विधानसभा के उपमुख्य सचेतक केवल सिंह पठानिया ने धर्मशाला में आयोजित प्रेसवार्ता में प्रदेश सरकार की स्वास्थ्य क्षेत्र में उपलब्धियों को साझा किया।

उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार ने सत्ता संभालते ही स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण को प्राथमिकता देते हुए प्रदेश के प्रमुख स्वास्थ्य संस्थानों में पुरानी मशीनरी को बदलने और आधुनिक चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश के छह प्रमुख स्वास्थ्य संस्थानों में पुरानी एवं आउटडेटेड मशीनरी को बदलने के लिए पहली कैबिनेट में ही 1,000 करोड़ रुपए जारी किए गए। इसके तहत आधुनिक एमआरआई, सीटी स्कैन, अल्ट्रासाउंड और एक्स-रे मशीनों सहित अत्याधुनिक उपकरण उपलब्ध करवाए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि सरकार के कार्यकाल में चिकित्सकों के स्वीकृत पदों में से भरे पदों का



अनुपात लगभग 30 प्रतिशत से बढ़कर 70 प्रतिशत हो गया है। पठानिया ने कहा कि प्रदेश में पहली बार रोबोटिक सर्जरी जैसी अत्याधुनिक सुविधा शुरू की गई है। वर्तमान में आईजीएमसी शिमला, टांडा, नेरचौक मेडिकल कॉलेज तथा चमियाणा स्थित अटल इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल सुपर स्पेशियलिटीज में यह सुविधा उपलब्ध करवाई जा रही है। निजी अस्पतालों में जिस रोबोटिक सर्जरी पर लगभग 6 से 7 लाख रुपये खर्च होते हैं, वही प्रक्रिया प्रदेश के सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में लगभग 30 हजार से 80 हजार रुपए में उपलब्ध करवाई जा रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में 70 आदर्श स्वास्थ्य संस्थान विकसित किए जा रहे हैं, जहां छह-छह विशेषज्ञ चिकित्सकों, 134 प्रकार की प्रयोगशाला जांचों, आधुनिक चिकित्सा उपकरणों और आवश्यक पैरामेडिकल स्टाफ सहित बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध करवाने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं के आधुनिकीकरण, बेहतर जांच सुविधाओं और विशेषज्ञ चिकित्सा सेवाओं के विस्तार के लिए निरंतर प्रयासरत है, ताकि लोगों को प्रदेश में ही सुलभ, किफायती और गुणवत्तापूर्ण उपचार मिल सके। प्रेसवार्ता में राज्य कांग्रेस प्रवक्ता पुनीत मल्ली,ब्लॉक कांग्रेस धर्मशाला हरभजन सिंह व शाहपुर सुदेश पटाकू, अध्यक्ष होटल एसोसिएशन राहुल धीमान व ओल्ड स्टूडेंट एसोसिएशन धर्मशाला कॉलेज संजीव गाँधी भी साथ रहे।

बिलासपुर में मारपीट के तीन और राष्ट्रीय राजमार्ग बाधित करने का एक मामला दर्ज

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। जिला बिलासपुर के विभिन्न पुलिस थानों में मारपीट, गाली-गलौज, जान से मारने की धमकी और राष्ट्रीय राजमार्ग पर बाधा उत्पन्न करने के आरोप में चार मामले दर्ज किए गए हैं। पुलिस ने मामलों की जांच शुरू कर दी है। बरमाणा थाने में मंडी जिले के पांगणा निवासी भीम चंद ने जंदेड गांव के एक व्यक्ति पर सड़क निर्माण कार्य के दौरान मारपीट और गाली-गलौज करने का आरोप लगाया है। वहीं, थाच गांव के प्रेम चंद ने भोली गांव के एक व्यक्ति पर रास्ता रोककर मारपीट करने की शिकायत दी है। कोट-कहलूर थाने में दबट निवासी पवना देवी ने मारपीट, मोबाइल फोन तोड़ने और धमकी देने की शिकायत दर्ज करवाई है। इसके अलावा, सदर थाना पुलिस ने तलसरी में राष्ट्रीय राजमार्ग पर रेत डालकर यातायात बाधित करने के आरोप में मामला दर्ज किया है। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत कार्रवाई शुरू कर दी है।

पूर्णिमा पर बरलाज गायन का आयोजन

भारतेन्दु संवाददाता, अर्की। नगर पंचायत के वार्ड नंबर दो स्थित देवता मड़ोड़ मंदिर में पूर्णिमा के अवसर पर बरलाज गायन का भव्य आयोजन किया गया। इस दौरान सेंज समोती से आए कलाकारों ने रामायण की कथा को गीतों के माध्यम से प्रस्तुत किया। बरलाज गायन हिमाचल की पारंपरिक लोकगायन शैली है, जिसमें संपूर्ण रामायण का वर्णन गीतों के माध्यम से किया जाता है। इस धार्मिक आयोजन में क्षेत्र के लोगों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम के उपरांत श्रद्धालुओं के लिए भंडारे का आयोजन भी किया गया। इस अवसर पर पार्षद देवेंद्र कुमार, देवता समिति के प्रधान बालक राम, जलाना पंचायत के पूर्व उपप्रधान महेंद्र शर्मा, समाजसेवी रोशन लाल वर्मा, अशोक शर्मा, मनसा राम कश्यप, बालक राम ठागरु, राकेश सिंह, तरसेम लाल, अजय शर्मा, दिला राम, दौलत राम, बिट्टू और राजू सहित अनेक लोग उपस्थित रहे। आयोजन से क्षेत्र में धार्मिक आस्था और लोकसंस्कृति के संरक्षण का संदेश दिया गया।

कॉम्प्लेक्स प्रणाली के विरोध में धुंधन के प्राथमिक शिक्षकों ने लगाए काले बैज



भारतेन्दु संवाददाता, अर्की। प्रदेश सरकार की ओर से लागू की जा रही कॉम्प्लेक्स प्रणाली के विरोध में प्राथमिक शिक्षक संघ खंड धुंधन ने विरोध दर्ज करवाया। खंड के अंतर्गत आयोजित निपुण कार्यशाला के दौरान सभी शिक्षकों ने काले बैज लगाकर शिक्षण कार्य किया और सरकार के निर्णय के प्रति नाराजगी जताई। खंड प्रधान धुंधन ने कहा कि कॉम्प्लेक्स प्रणाली व्यावहारिक नहीं है और इससे प्राथमिक शिक्षा व्यवस्था कमजोर होने की आशंका है। उन्होंने यह भी कहा कि इस व्यवस्था से प्रदेश में लगभग 10 हजार मिड-डे मील कार्यकर्ताओं की नौकरियों पर संकट खड़ा हो सकता है। शिक्षक संघ ने सरकार से मांग की कि कॉम्प्लेक्स प्रणाली को तुरंत वापस लिया जाए और पुरानी प्राथमिक शिक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने की दिशा में कदम उठाए जाएं। इस विरोध प्रदर्शन में खंड धुंधन के सभी जेबीटी, सीएचटी और अन्य शिक्षक उपस्थित रहे। शिक्षकों ने अपनी मांगों को लेकर एकजुटता प्रदर्शित की और सरकार से इस विषय पर पुनर्विचार करने का आग्रह किया।

महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने पर दिया जोर

भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। मंडी सदर विधानसभा क्षेत्र की मांथला पंचायत के देवधार गांव में महिला कांग्रेस की बैठक ब्लॉक अध्यक्ष पदमा गुलेरिया की अध्यक्षता में आयोजित हुई। इसमें प्रदेश अध्यक्ष तृप्ता ठाकुर मुख्य अतिथि, प्रदेश कांग्रेस महासचिव दीपक शर्मा विशेष अतिथि और जिला कांग्रेस अध्यक्ष अंजय कुमारी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। अतिथियों का फूलमालाओं से स्वागत किया गया। तृप्ता ठाकुर ने महिलाओं के अधिकारों और सशक्तिकरण पर विचार रखे। दीपक शर्मा ने कहा कि राजनीति और सामाजिक जीवन में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी लोकतंत्र को मजबूत बनाती है। अंजय कुमारी ने संगठन की मजबूती के लिए महिलाओं से आगे आने का आह्वान किया। बैठक में प्रदेश सरकार की योजनाओं की जानकारी देने वाली पुस्तिकाओं का वितरण अभियान भी शुरू किया गया। पदमा गुलेरिया ने अधिक महिलाओं को संगठन से जोड़ने और जनसमस्याओं को उठाने पर जोर दिया।

बिलासपुर में पांच हेक्टेयर वन भूमि पर लगाए एक हजार पौधे

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। प्रदेश सरकार वन महोत्सव के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण के साथ पोषण और स्वस्थ जीवनशैली का संदेश दे रही है। इसी उद्देश्य से मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने 14 अगस्त को घुमारवीं विधानसभा क्षेत्र के दधोल कलां स्थित निहारी वन बीट में 77वें राज्य स्तरीय वन महोत्सव का शुभारंभ मोरिंगा का पौधा रोपित कर किया था। राष्ट्रीय प्रतिपूरक वनीकरण योजना के तहत पांच हेक्टेयर वन भूमि पर विभिन्न प्रजातियों के एक हजार पौधे लगाए गए हैं, जिनमें लगभग 350 मोरिंगा के पौधे शामिल हैं। नगर एवं ग्राम नियोजन, आवास तथा तकनीकी शिक्षा मंत्री राजेश धर्माणी ने मोरिंगा को 'जादुई पौधा' बताते हुए कहा कि यह पोषक तत्वों से भरपूर है। इसकी पत्तियों, फूलों और फलियों का उपयोग भोजन में किया जाता है। उन्होंने लोगों से अधिकाधिक पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण और पोषण को बढ़ावा देने की अपील की।

सामिया आरजू का खूबसूरत अंदाज

पाकिस्तान क्रिकेटर हसन अली की पत्नी सामिया आरजू हरियाणा के नूंह जिले के मेवात की रहने वाली हैं। आरजू फ्लाइट अटेंडेंट भी रही हैं। इसी दौरान दुबई में उनकी मुलाकात हसन अली से हुई थी। सामिया के इंस्टाग्राम पर 3 लाख से अधिक फॉलोअर्स हैं।



अंडर-15 विश्व फुटबॉल कप में भारत ने कैमरून को दी शिकस्त

टीम की जीत में गोलकीपर जेनित निंगथौजम ने निभाई अहम भूमिका

एजेंसी, नई दिल्ली

फीफा अंडर-15 विश्व कप फुटबॉल टूर्नामेंट में टीम इंडिया ने शानदार प्रदर्शन किया है। भारत ने ने अजरबैजान में रविवार को यहां ग्रुप के में अपने दूसरे मैच में कैमरून को 2-1 से हराकर अपना विजय अभियान जारी रखा। भारतीय टीम ने फैरेल न्गोबो के पहले मिनट में किए गए आत्मघाती गोल से बढ़त बनाई लेकिन कैमरून ने हाफटाइम से ठीक पहले मुहम्मद सोहिल खान के आत्मघाती गोल (20वें मिनट) से बराबरी कर ली।

आर लालरेमरुआत्फेला (27वें मिनट) ने दूसरे हाफ में भारत को फिर से बढ़त दिलाई। भारतीय टीम की जीत में गोलकीपर जेनित निंगथौजम ने अहम भूमिका निभाई। उन्होंने पेनल्टी रोकने सहित कई शानदार बचाव करते हुए जीत सुनिश्चित की। ग्रुप के में भारत



एकमात्र ऐसी टीम है जिसने अब तक अपने दोनों मैच जीते हैं। बारिश के बावजूद भारतीय टीम ने खेल शुरू होते ही अपना प्रभाव छोड़ा।

पहले ही मिनट में दीपक सिंह अरंबम के कॉर्नर को बचाने के प्रयास में न्गोबो ने हेडर से गेंद को गोल में डाल दिया। भारत का अगला मुकाबला ग्रेनाडा से होगा। इस जीत के साथ भारत ग्रुप-के में लगातार दो मैच जीतकर शीर्ष पर बना हुआ है। इससे पहले भारत ने अपने पहले मुकाबले में लाओस को 4-2 से हराया था

पहले मुकाबले में लाओस को 4-2 से दी थी मात

भारत ने अपने पहले मुकाबले में शनिवार को बाकू के होवसन प्रतियोगिता परिसर के पिच 1बी पर खेले गए ग्रुप के के पहले मैच में लाओस पर 4-2 की जीत के साथ उद्घाटन फीफा अंडर-15 विश्व कप और महोत्सव अजरबैजान 2026 में अपने अभियान की शुरुआत की थी। कसान मैकडॉनिश नगैरंगबम और आर लालरेमरुआत्फेला ने लाओस को शुरुआती बढ़त दिलाते हुए दो गोल किए, जिसके बाद अनाविन ज़ाय्यासोने ने गोल करके अंतर को आधा कर दिया। हाफ टाइम के तुरंत बाद सौक्सावन सिलिसेंग ने दक्षिण-पूर्वी एशियाई टीम के लिए बराबरी का गोल दागा, लेकिन भारत ने शानदार वापसी करते हुए लालरेमरुआत्फेला और सौमोजित सरकार के शानदार शॉट्स की बदौलत बढ़त को फिर से कायम किया और फीफा टूर्नामेंट में अपने पहले तीन अंक हासिल किए।

राहुल दोनों पारियों में 4 रन बना सके, यशस्वी भी फेल



एजेंसी, लिंकन

इंडिया-ए और न्यूजीलैंड-ए के बीच खेले जा रहे पहले अनऑफिशियल टेस्ट मैच के दूसरे दिन का खेल समाप्त हो गया है। पहली पारी में महज 113 रन पर सिमटने वाली भारतीय टीम ने दूसरी पारी में दूसरे दिन का खेल खत्म होने तक दो विकेट के नुकसान पर 106 रन बना लिए हैं। इंडिया ए अभी भी न्यूजीलैंड-ए से 98 रन पीछे है। मेजबान टीम ने पहली पारी में 317 रन बनाकर 204 रन की बढ़त हासिल की थी। दूसरे दिन भारतीय टीम की शुरुआत खराब रही। सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल पांच रन बनाकर आउट हो गए, जबकि केएल राहुल सिर्फ चार रन ही बना सके। दोनों बल्लेबाज पहली पारी में भी खास योगदान नहीं दे पाए थे।

दूसरी पारी में महज 10 रन के स्कोर पर दो विकेट गिरने के बाद देवदत्त पडिक्कल और साई सुदर्शन ने जिम्मेदारी संभाली और न्यूजीलैंड-ए के गेंदबाजों का डटकर सामना किया। दोनों बल्लेबाजों ने तीसरे विकेट के लिए नाबाद 96 रन की अटूट साझेदारी की। दिन का खेल समाप्त होने तक पडिक्कल 89 गेंदों पर नाबाद 56 रन बना चुके थे, जबकि साई सुदर्शन ने 104 गेंदों का सामना करते हुए नाबाद 39 रन बनाए। इससे पहले न्यूजीलैंड-ए ने दूसरे दिन सुबह अपनी पहली पारी तीन विकेट पर 135 रन से आगे बढ़ाई और 89.3 ओवर में 317 रन बनाए। इस तरह उसे पहली पारी के आधार पर 204 रन की बढ़त मिली।

स्पोर्ट्स विंडो

न्यूजीलैंड के 2 तेज गेंदबाज भारत के खिलाफ तीसरे टी-20 में नहीं खेलेंगे

एजेंसी, वेलिंग्टन। न्यूजीलैंड के 2 तेज गेंदबाज भारत के खिलाफ 27 अक्टूबर को वेलिंग्टन में होने जा रहे तीसरे टी-20 मैच में नहीं खेलेंगे। न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने बिजी शेड्यूल के कारण मैट हेनरी चोट के कारण बाकी के 3 टी-20 मैच नहीं खेलेंगे। जबकि, लॉकी फर्ग्यूसन तीसरे मैच से आराम दिया गया है। कीवियों को भारत के खिलाफ मौजूदा सीरीज के बाद 5 वनडे और 2 टेस्ट मैचों की सीरीज भी खेलनी है। पहला वनडे 4 नवंबर को ऑकलैंड में खेला जाएगा। भारत के खिलाफ दूसरे टी-20 में मैट हेनरी ने सिर्फ 2 ओवर गेंदबाजी की थी। इसके बाद वे मैदान से बाहर चले गए। मैच के बाद कप्तान मिचेल सेंटनर ने बताया कि हेनरी की पिंडली में खिंचाव आ गया था। हेनरी अब क्राइस्टचर्च में रुकेंगे और 2 नवंबर को ऑकलैंड में वनडे टीम से जुड़ेंगे। तेज गेंदबाज लॉकी फर्ग्यसन भी दूसरे टी-20 के दौरान एहतियातन मैदान से बाहर चले गए थे। वे वेलिंगटन में होने वाले तीसरे टी-20 में नहीं खेलेंगे। हालांकि, ऑकलैंड और हैमिल्टन में होने वाले आखिरी दो मैचों के लिए टीम में वापसी करेंगे।

आईपीएल में खेलना या नहीं, दिसंबर में लूंगा फैसला : एमएस धोनी

एजेंसी, रांची। पूर्व भारतीय कप्तान एमएस धोनी ने आईपीएल में अपने भविष्य पर बात की है। उन्होंने कहा कि वे दिसंबर से पहले फैसला लेंगे कि आईपीएल का एक और सीजन खेलना है या नहीं। शनिवार को बेंगलुरु में एक हेल्थकेयर कार्यक्रम के दौरान धोनी से उनके आईपीएल भविष्य के बारे में सवाल पूछा गया। जवाब में धोनी ने कहा- 'मेडिकल टेस्ट से पता चलेगा कि वह एक और सीजन खेल पाएंगे या नहीं।' 45 साल के धोनी पिछले सीजन में पिंडली की समस्या के कारण पूरा आईपीएल नहीं खेल सके थे। उनकी गैरमौजूदगी में चेन्नई की टीम आईपीएल 2026 के प्लेऑफ में जगह नहीं बना पाई। पूर्व कप्तान ने अपनी फिटनेस की पूरी जिम्मेदारी डॉक्टरों पर डाल दी। उन्होंने कहा कि डॉक्टरों को यह तय करना होगा कि वे आईपीएल के एक और साल की चुनौती झेलने के लिए फिट रहें। धोनी ने कहा, 'और अगर मैं फिट नहीं हूं, तो आपको यह निश्चित करना होगा कि आप मेरे साथ सब कुछ सही करें। आपको यह भी देखना होगा कि यह पुरानी विंटेज गाड़ी सड़क पर ठीक से चलती रहे। इसलिए पूरा दबाव उन्हीं पर है।'



एशिया कप राइजिंग स्टार्स में भारत पाकिस्तान का मैच 22 नवंबर को

एजेंसी, दुबई। भारत-ए 19 नवंबर से दोहा में शुरू होने वाले 50 ओवर के एशिया कप राइजिंग स्टार्स टूर्नामेंट में 22 नवंबर को अपने चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान का सामना करेगा। भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका, बांग्लादेश और अफगानिस्तान टूर्नामेंट में अपनी ए टीमें उतारेंगे, जबकि नेपाल, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और हांगकांग के अपनी सबसे मजबूत टीमें भेजने की संभावना है। भारत ए को पाकिस्तान ए, नेपाल और यूएई के साथ ग्रुप बी में रखा गया है। श्रीलंका ए, बांग्लादेश ए, अफगानिस्तान ए और हांगकांग ग्रुप ए में हैं। भारतीय टीम 20 नवंबर को नेपाल के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी। इसके बाद उसका सामना पाकिस्तान ए (22 नवंबर) और यूएई (24 नवंबर) से होगा। दोनों ग्रुप से शीर्ष पर रहने वाली दो टीमें सेमीफाइनल में जगह बनाएंगी। इस टूर्नामेंट की शुरुआत 2013 में एसीसी इमर्जिंग टीम एशिया कप के रूप में हुई थी। अब तक इसके सात टूर्नामेंट आयोजित किए जा चुके हैं जिसमें भारत ने केवल एक बार जीत हासिल की है। ओमान में पांच से 14 नवंबर तक होने वाले अंडर-19 एशिया कप में भी भारत और पाकिस्तान आठ नवंबर को आमने-सामने होंगे।

बांग्लादेश के नाहिद राणा वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज से बाहर

एजेंसी, ढाका। बांग्लादेश के तेज गेंदबाज नाहिद राणा वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज नहीं खेलेंगे। उनके कंधे में चोट लगी है। ऑस्ट्रेलिया में उनकी मेडिकल जांच के दौरान लैब्रम टियर का पता चला। इसमें कंधे की मांसपेशियां फट जाती हैं। उनका नवंबर में होने वाले साउथ अफ्रीका दौरे पर खेलना मुश्किल है। फिलहाल, बांग्लादेशी टीम वेस्टइंडीज की मेजबानी कर रही है। उसे अपने घरेलू मैदान पर 2 टेस्ट मैच खेलने हैं। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि नाहिद ऑस्ट्रेलिया में इलाज करा रहे हैं। उन्हें इंजेक्शन दिया गया है। उन्होंने रिहैबिलिटेशन शुरू कर दिया है। उम्मीद है कि वे 30 अक्टूबर से हल्के अभ्यास के तहत गेंदबाजी शुरू कर सकेंगे। वेस्टइंडीज सीरीज से बाहर होने के बाद नाहिद की फिटनेस पर अब साउथ अफ्रीका दौरे के लिए नजर रहेगी। बोर्ड के अधिकारी को उम्मीद कम है कि वे 15 नवंबर से शुरू होने वाले पहले टेस्ट तक फिट हो पाएंगे। दूसरे टेस्ट में उनकी उपलब्धता रिकवरी की रफ्तार पर निर्भर करेगी। अगर वे तब तक भी फिट नहीं होते हैं, तो वनडे और टी-20 सीरीज से प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी कर सकते हैं।

सूर्यवंशी को नंबर-3 पर भेजने पर पूर्व क्रिकेटर्स ने उठाए सवाल

एजेंसी, क्राइस्टचर्च

पूर्व भारतीय क्रिकेटर्स ने दूसरे टी-20 में वैभव सूर्यवंशी को नंबर-3 पर उतारने के फैसले पर सवाल उठाए। शनिवार को क्राइस्टचर्च में 15 साल के वैभव सिर्फ 4 रन बना सके थे। हालांकि, इंडिया ने मैच 4 विकेट से जीत लिया था। मैच के बाद पैनल डिस्कशन में मुरली कार्तिक ने पूछा कि वैभव को ओपन क्यों नहीं भेजा गया। आर अश्विन ने कहा- 'छठे ओवर में बैटिंग करना वैभव के लिए आसान नहीं था।' इस पैनल में अजिंक्य रहाणे और अजय जडेजा भी शामिल थे। वैभव को चोटिल ईशान किशन की गैरमौजूदगी में खेलने का मौका मिला था। भारत ने यह मुकाबला 4 विकेट से जीता था। कमेंटेटर कार्तिक ने कहा, 'वे एक युवा खिलाड़ी हैं। उन्होंने सिर्फ एक तरीके से बैटिंग की है। इसी वजह से आप अनुभवी खिलाड़ियों को रखते हैं, ताकि वे अलग-अलग भूमिकाएं निभा सकें।' कार्तिक ने आगे कहा, 'यह अलग बात है कि आपने मैच जीत लिया, लेकिन अगर आप सूर्यवंशी को खिला रहे हैं, तो उन्हें आज ओपनिंग करनी चाहिए थी।' कार्तिक ने कहा कि सूर्यवंशी जैसे युवा खिलाड़ी के लिए भारत के अनुभवी बल्लेबाजों को अपनी पोजिशन बदलने के लिए तैयार रहना चाहिए।





- **मुरली कार्तिक बोले ओपन क्यों नहीं भेजा**
- **अश्विन बोले-छठे ओवर में बैटिंग मुश्किल थी**

कैटरीना को जापान ओपन का खिताब

एजेंसी, ओसाका। चेक गणराज्य की कैटरीना सिनियाकोवा ने रविवार को यहां सीधे सेटों में जीत हासिल करने जापान ओपन के रूप में तीन साल में अपना पहला एकल खिताब जीता। सिनियाकोवा ने फाइनल में एशलीन क्रूगर को आसानी से 6-1 6-0 से हराया। यह मैच 64 मिनट तक चला। तीस वर्षीय सिनियाकोवा ने अमेरिका की 22 वर्षीय खिलाड़ी क्रूगर की सर्विस को छह बार तोड़कर अपने करियर का छठा एकल खिताब जीता। यह 2023 में चीन के नानचांग में जियांग्शी ओपन जीतने के बाद उनका पहला एकल खिताब है। सिनियाकोवा युगल विशेषज्ञ हैं जिसमें उन्होंने अब तक 39 खिताब जीते हैं। उन्होंने पिछले महीने टेलर टाउनसेंड के साथ मिलकर अमेरिकी ओपन का महिला युगल खिताब भी जीता था।

- **एशलीन को 6-1 6-0 से हराया**

कॉमनवेल्थ कबड्डी चैंपियनशिप : भारतीय टीमों ने युगांडा और सिंगापुर को हराया

एजेंसी, अहमदाबाद

गुजरात के अहमदाबाद स्थित वीर सावरकर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित पहली कॉमनवेल्थ कबड्डी चैंपियनशिप 2026 में शनिवार को भारतीय पुरुष और महिला कबड्डी टीमों ने शानदार प्रदर्शन किया। पुरुष टीम ने युगांडा को 44-30 से हराया, जबकि महिला टीम ने सिंगापुर के खिलाफ 32-16 से जीत दर्ज की। भारत ने युगांडा पर 14 पॉइंट की जीत हासिल करने के लिए शानदार ऑल-राउंड प्रदर्शन किया।

शिवम पटारे ने आठ पॉइंट के साथ रेडिंग डिपार्टमेंट को लीड किया, जिसमें छह टच पॉइंट और दो बोनस पॉइंट शामिल थे। नवीन कुमार और भरत ने छह-छह रेड पॉइंट दिए, जबकि आदित्य शिंदे ने चार पॉइंट जोड़े। भारतीय टीम ने



मुकाबले में 27 रेड पॉइंट, 11 टैकल पॉइंट और ऑलआउट से छह अंक हासिल किए। डिफेंस में अजीत पवार ने तीन टैकल पॉइंट अर्जित किए। वहीं, नितेश, योगेश दहिया और दीपक एस ने दो-दो टैकल पॉइंट हासिल किए।

युगांडा की ओर से मुलैरे डगलस नौ रेड पॉइंट के साथ टीम के शीर्ष स्कोरर रहे। ओकिडी कार्नोल्ड और सेंगेंडो जिमी ने पांच-पांच अंक जुटाए। युगांडा ने रेडिंग में भारत के बराबर 27 अंक हासिल किए, लेकिन डिफेंस में कमजोर प्रदर्शन के कारण उसे हार का सामना करना पड़ा।

इस बीच, भारतीय महिला टीम ने भी अपने मुकाबले में शानदार खेल दिखाते हुए सिंगापुर को 16 अंकों के अंतर से हराया। भारत की ओर से साक्षी ने छह रेड पॉइंट हासिल किए, जबकि रेणुका और अनु ने चार-चार रेड पॉइंट्स जोड़े। निधि शर्मा ने टीम के खाते में तीन पॉइंट का योगदान दिया। भारतीय महिला टीम ने कुल 19 रेड पॉइंट, नौ टैकल पॉइंट और ऑलआउट से चार अंक अर्जित किए। डिफेंस में सुमन ने चार टैकल पॉइंट हासिल कर अहम भूमिका निभाई, जबकि मुस्कान शर्मा ने दो टैकल पॉइंट जुटाए। रिया कुमारी, सबाही गढ़वी और रितु ने एक-एक टैकल पॉइंट हासिल किया।

अमेरिका में मंदिरों की सुरक्षा को 100 करोड़

इलिनॉय में मंदिर पर हमले की साजिश के बाद लिया गया फैसला

एजेंसी, वॉशिंगटन

अमेरिका में दिवाली से पहले हिंदू मंदिरों की सुरक्षा बढ़ाने की तैयारी की गई है। इसके लिए करीब 100 करोड़ रुपए का फंड बनाया गया है। यह फैसला इलिनॉय में एक मंदिर पर हमले की साजिश का पर्दाफाश होने के बाद लिया गया है। इसके तहत अमेरिका के लगभग 500 मंदिरों और धार्मिक संस्थानों की सुरक्षा में इजाफा किया जाएगा। मंदिरों में सीसीटीवी कैमरे, निगरानी वाले अलार्म और प्रशिक्षित सुरक्षाकर्मी तैनात करने की तैयारी है। साथ ही, किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए स्थानीय पुलिस के साथ मिलकर योजना बनाई जाएगी।



- **सीसीटीवी और सुरक्षाकर्मी तैनात करने की तैयारी**

19 साल के युवक ने रची थी हमले की साजिश

अमेरिका के इलिनॉय में 19 साल के अलेक्जेंड्रोस पापोराकिस ने नवरात्रि के दौरान हिंदू मंदिर पर हमले की साजिश रची थी। पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया था। उस पर 11 अक्टूबर को भारतीय मूल के लोगों की सामूहिक हत्या की योजना बनाने का आरोप था। पापोराकिस अपने घर से करीब 65 किमी गाड़ी चलाकर ऑरोरा स्थित श्री वेंकटेश्वर स्वामी (बालाजी) मंदिर पहुंचा था। छुट्टी के दिन इस मंदिर में 3,000 से ज्यादा श्रद्धालु आते हैं। वह अपने साथ राइफल और सैकड़ों गोलियां लेकर आया था, लेकिन राइफल जाम होने के कारण हमला नहीं कर सका। इसके बाद उसे वहां से भागना पड़ा।

तीन सालों में मंदिरों में तोड़फोड़ के 25 मामले

अमेरिका में तीन साल में मंदिरों में तोड़फोड़ की 25 घटनाएं सामने आई हैं। इनमें मंदिरों की दीवारों पर भारत विरोधी नारे लिखने के मामले भी शामिल हैं। न्यूयॉर्क के मेलविल, सैक्रामेंटो, यूटा और मिशिगन के मंदिरों में तोड़फोड़ की घटनाएं सामने आ चुकी हैं। भारतीय मूल के लोगों के खिलाफ नफरत से जुड़े अपराधों को लेकर भी चिंता बढ़ी है। इनमें ऑनलाइन ट्रोलिंग और नफरत भरे पोस्ट शामिल हैं। 3 नवंबर को होने वाले मिडटर्म चुनावों के बीच भारतीय समुदाय को लेकर राजनीतिक बहस और एच-1बी वीजा का विरोध भी चर्चा में है।

राष्ट्रीय ग्रैपलिंग में पहले दिन हिमाचल ने झटके तीन मेडल

अनंत ज्ञान, महादेव। हरिद्वार में चल रही अंडर-19 राष्ट्रीय ग्रैपलिंग प्रतियोगिता जो 19वीं बताई जा रही है के पहले दिन हिमाचल प्रदेश ने तीन पदक अपने नाम किए। हिमाचल प्रदेश एमेच्योर ग्रैपलिंग संघ के महासचिव एवं अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी जितेंद्र चौहान ने देते हुए बताया कि लोअर नाचन क्षेत्र के गांव छातर से संबंधित श्रीचंद काम्बैट स्पोर्ट्स अकादमी (तहसील सुंदरनगर जिला मंडी)के अथर्व ने दूसरी बार राष्ट्रीय प्रतियोगिता 42 किलोग्राम बार वर्ग में स्वर्ण पदक जीता इसके साथ दो अन्य ग्रैपलिंग खिलाड़ी कृतार्थ (अंडर-17) ने 27 किलो ग्राम भार वर्ग में कांस्य पदक जीता तथा अजीत सिंह(अंडर-17) ने 21 किलोग्राम भार वर्ग में रजत पदक पर कब्जा किया। इस खबर से क्षेत्र भर में खुशी की लहर व्याप्त है। इस चैंपियनशिप में देश के लगभग 22 राज्यों से करीब 650 जूनियर खिलाड़ी हिस्सा लेकर अपना दमखम दिखा रहे हैं।

मिजोरम-मणिपुर में ड्रग्स तस्करी से जुड़े 1,424 बैंक अकाउंट फ्रीज

एजेंसी, नई दिल्ली

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के आइजोल और इंफाल उप-क्षेत्रीय कार्यालयों ने 'मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम अधिनियम, 2002' (पीएमएलए) की धारा 17 के तहत आइजोल, चम्फाई, लॉन्गाल्साई (मिजोरम) और चुराचांदपुर (मणिपुर) में कई जगहों पर एक साथ छापेमारी की। यह कार्रवाई मनी लॉन्ड्रिंग के तीन मामलों से जुड़ी है, जो म्यांमार से हेरोइन, ब्राउन शुगर और मेथामफेटामाइन टैबलेट की तस्करी और नशीले पदार्थों की बिक्री से मिली रकम के हवाला के जरिए लेन-देन से संबंधित हैं। यह अभियान नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो और मिजोरम पुलिस के साथ मिलकर चलाया गया।

इस कार्रवाई के दौरान, ईडी ने मिजोरम और मणिपुर में नार्को-ट्रेड और नार्को-हवाला ऑपरेटरों से जुड़े 1424 बैंक खातों को फ्रीज कर दिया। साथ ही, मिजोरम स्थित नार्को-हवाला ऑपरेटरों की 17.82 करोड़ रुपये की संपत्ति को भी अस्थायी रूप से जब्त (अटैच) कर लिया गया। इससे पहले भी ईडी ने बैंक खातों को फ्रीज करके 8.19 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त की थी, जिससे कुल जब्त की गई संपत्ति का मूल्य 26 करोड़ रुपये से अधिक हो गया है। छापेमारी के दौरान छह आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। इनमें तीन मिजोरम से और तीन मणिपुर से हैं। इसके अलावा, नशीले पदार्थों से जुड़े मामलों में पहले से ही न्यायिक हिरासत में बंद चार अन्य आरोपियों को गिरफ्तार करने के लिए मिजोरम की विशेष अदालत में आवेदन प्रक्रियाधीन हैं।

4.7किलो हेरोइन जब्त

ईसीआईआर/एजेडएसजेडओ/05/2025 (कृषिव एंटरप्राइज मामला, मिजोरम) 14.03.2025 को चम्फाई की जोखावथर पुलिस द्वारा 4.722 किलोग्राम हेरोइन (साबुन की 440 टिकिया) जब्त किए जाने से जुड़ा है। इसे म्यांमार के एक सप्लायर के लिए जोखावथर से आइजोल ले जाया जा रहा था।

विदेशी निवेशकों ने अक्तूबर में बाजार से निकाले 48,056 करोड़

2026 में निकासी 3.08 लाख करोड़ रुपए के पार

एजेंसी, मुंबई

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) का भारतीय शेयर बाजार से निकासी का सिलसिला अक्टूबर महीने में भी जारी है। क्रूड तेल की ऊंची कीमतों, मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव, महंगाई की चिंता और कंपनियों के कमजोर तिमाही नतीजों के कारण विदेशी निवेशकों ने इस महीने अब तक भारतीय इक्विटी से 48,056 करोड़ की बिकवाली की है। हालांकि, अक्तूबर के आखिरी हफ्ते में बिकवाली की रफ्तार में कमी आई और एफपीआई दो कारोबारी दिनों में नेट बायर्स भी रहे, जिससे बाजार पर दबाव कुछ कम होने के संकेत मिले हैं। साल 2026 में अब तक विदेशी निवेशकों की गई कुल बिकवाली का आंकड़ा 3.08 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गया है। यह बिकवाली साल 2025 के मुकाबले काफी ज्यादा है। पूरे 2025 के दौरान विदेशी निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार से कुल 1.66 लाख करोड़ निकाले थे। यानी 2026 के शुरुआती 10 महीनों में ही पिछले साल का रिकॉर्ड टूट चुका है।

सितंबर के मुकाबले बिकवाली में तेजी

अक्तूबर महीने में हुई यह बिकवाली पिछले महीने से भी ज्यादा रही। इससे पहले सितंबर में एफपीआई ने भारतीय शेयरों से 35,861 करोड़ की नेट निकासी की थी। सेंट्रल डिपॉजिटरी सर्विसेज लिमिटेड के आंकड़ों के मुताबिक, इससे पहले जुलाई और अगस्त में विदेशी निवेशकों का रुख पॉजिटिव रहा था। एफपीआई ने जुलाई में 20,200 करोड़ और अगस्त में 29,631 करोड़ का नेट निवेश भारतीय इक्विटी बाजार में किया था।

शुल्क बहाल चीन से आयातित टाइटेनियम डाइऑक्साइड पर 681 डॉलर प्रति टन तक शुल्क

चीन के सस्ते आयात पर भारत ने कसा शिकंजा

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने चीन से आयात होने वाले कुछ टाइटेनियम डाइऑक्साइड उत्पादों पर दोबारा एंटी-डंपिंग शुल्क लगा दिया है। सरकार के इस फैसले का उद्देश्य सस्ते चीनी आयात से भारतीय घरेलू उद्योग को होने वाले नुकसान से बचाना है। राजस्व विभाग की ओर से शनिवार को जारी अधिसूचना के अनुसार, इन उत्पादों पर 460 से 681 डॉलर प्रति टन तक शुल्क लगाया गया है। यह शुल्क पांच साल तक लागू रहेगा। हालांकि, यदि निर्धारित अवधि से पहले इसे वापस लेने, इसमें बदलाव करने या इसकी जगह कोई दूसरा आदेश लागू करने का निर्णय लिया जाता है, तो इसकी अवधि कम हो सकती है।

सरकार ने यह कदम नई जांच के निष्कर्षों के आधार पर उठाया है। जांच में सामने आया कि चीन से कम कीमत पर टाइटेनियम डाइऑक्साइड का आयात भारतीय उद्योग के हितों को प्रभावित कर रहा था। टाइटेनियम डाइऑक्साइड का इस्तेमाल मुख्य रूप से पेंट, रंग, कोटिंग और अन्य औद्योगिक उत्पादों के निर्माण में किया जाता है। ऐसे में आयात पर शुल्क लगाने से घरेलू निर्माताओं को प्रतिस्पर्धा में राहत मिलने की उम्मीद है।



- **कम कीमत पर चीनी उत्पादों के आयात से घरेलू उद्योग को नुकसान**

इससे पहले भारत ने मई 2025 में भी चीन से आने वाले टाइटेनियम डाइऑक्साइड पर एंटी-डंपिंग शुल्क लगाया था। हालांकि, भारतीय पेंट एसोसिएशन की ओर से दायर मामले में कलकत्ता हाई कोर्ट ने इस फैसले पर दोबारा विचार करने का आदेश दिया था। इसके बाद पहले लगाए गए शुल्क को वापस ले लिया गया था। अब नई जांच के बाद सरकार ने फिर से शुल्क लागू करने का निर्णय लिया है।